

07272 regel DEU-11: 6 possessi on
07272 regel 2CH-33: 17 the
07272 regel 1SA-23: 22 haunt
07272 regel 1SA-17: 6 legs
07272 regel GEN-33: 14 abl e
07272 regel GEN-33: 14 accordi ng
07272 regel 1SA-25: 42 after
07272 regel 2SA-15: 16 after
07272 regel 2SA-15: 17 after
07272 regel 2SA-15: 18 after
07272 regel GEN-30: 30 comi ng
07272 regel GEN-33: 14 endure
07272 regel GEN-18: 4 feet
07272 regel GEN-19: 2 feet
07272 regel GEN-24: 32 feet
07272 regel GEN-24: 32 feet
07272 regel GEN-43: 24 feet
07272 regel GEN-49: 10 feet
07272 regel GEN-49: 33 feet
07272 regel EX0-3: 5 feet
07272 regel EX0-4: 25 feet
07272 regel EX0-12: 11 feet
07272 regel EX0-24: 10 feet
07272 regel EX0-25: 26 feet
07272 regel EX0-30: 19 feet
07272 regel EX0-30: 21 feet
07272 regel EX0-37: 13 feet
07272 regel EX0-40: 31 feet
07272 regel LEV-8: 24 feet
07272 regel LEV-11: 21 feet
07272 regel LEV-11: 23 feet
07272 regel LEV-11: 42 feet
07272 regel NUM-20: 19 feet

| | | | |
|-------|-------|------------|------|
| 07272 | regel | DEU-2: 28 | feet |
| 07272 | regel | DEU-11: 24 | feet |
| 07272 | regel | DEU-28: 57 | feet |
| 07272 | regel | DEU-33: 3 | feet |
| 07272 | regel | JOS-3: 13 | feet |
| 07272 | regel | JOS-3: 15 | feet |
| 07272 | regel | JOS-4: 3 | feet |
| 07272 | regel | JOS-4: 9 | feet |
| 07272 | regel | JOS-4: 18 | feet |
| 07272 | regel | JOS-9: 5 | feet |
| 07272 | regel | JOS-10: 24 | feet |
| 07272 | regel | JOS-10: 24 | feet |
| 07272 | regel | JOS-14: 9 | feet |
| 07272 | regel | JUD-3: 24 | feet |
| 07272 | regel | JUD-4: 10 | feet |
| 07272 | regel | JUD-4: 15 | feet |
| 07272 | regel | JUD-4: 17 | feet |
| 07272 | regel | JUD-5: 27 | feet |
| 07272 | regel | JUD-5: 27 | feet |
| 07272 | regel | JUD-19: 21 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-2: 9 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-14: 13 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-24: 3 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-25: 24 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-25: 41 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-3: 34 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-4: 4 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-4: 12 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-9: 3 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-9: 13 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-11: 8 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-19: 24 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-22: 10 | feet |

| | | | |
|-------|-------|-------------|------|
| 07272 | regel | 2SA-22: 34 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-22: 34 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-22: 39 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -2: 5 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -5: 3 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -14: 6 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -14: 12 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -15: 23 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -4: 27 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -4: 37 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -6: 32 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -9: 35 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -13: 21 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -21: 8 | feet |
| 07272 | regel | 1CH-28: 2 | feet |
| 07272 | regel | 2CH-3: 13 | feet |
| 07272 | regel | 2CH-16: 12 | feet |
| 07272 | regel | NEH-9: 21 | feet |
| 07272 | regel | EST-8: 3 | feet |
| 07272 | regel | JOB-12: 5 | feet |
| 07272 | regel | JOB-13: 27 | feet |
| 07272 | regel | JOB-13: 27 | feet |
| 07272 | regel | JOB-18: 8 | feet |
| 07272 | regel | JOB-18: 11 | feet |
| 07272 | regel | JOB-29: 15 | feet |
| 07272 | regel | JOB-30: 12 | feet |
| 07272 | regel | JOB-33: 11 | feet |
| 07272 | regel | PSA-8: 6 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 9 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 33 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 33 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 38 | feet |
| 07272 | regel | PSA-22: 16 | feet |

| | | | |
|-------|-------|-------------|------|
| 07272 | regel | PSA-25: 15 | feet |
| 07272 | regel | PSA-31: 8 | feet |
| 07272 | regel | PSA-40: 2 | feet |
| 07272 | regel | PSA-47: 3 | feet |
| 07272 | regel | PSA-56: 13 | feet |
| 07272 | regel | PSA-105: 18 | feet |
| 07272 | regel | PSA-115: 7 | feet |
| 07272 | regel | PSA-116: 8 | feet |
| 07272 | regel | PSA-119: 59 | feet |
| 07272 | regel | PSA-119: 10 | feet |
| 07272 | regel | PSA-119: 10 | feet |
| 07272 | regel | PSA-122: 2 | feet |
| 07272 | regel | PR0-1: 16 | feet |
| 07272 | regel | PR0-4: 26 | feet |
| 07272 | regel | PR0-5: 5 | feet |
| 07272 | regel | PR0-6: 13 | feet |
| 07272 | regel | PR0-6: 18 | feet |
| 07272 | regel | PR0-6: 28 | feet |
| 07272 | regel | PR0-7: 11 | feet |
| 07272 | regel | PR0-19: 2 | feet |
| 07272 | regel | PR0-26: 6 | feet |
| 07272 | regel | SON-5: 3 | feet |
| 07272 | regel | ISA-3: 16 | feet |
| 07272 | regel | ISA-6: 2 | feet |
| 07272 | regel | ISA-7: 20 | feet |
| 07272 | regel | ISA-23: 7 | feet |
| 07272 | regel | ISA-26: 6 | feet |
| 07272 | regel | ISA-28: 3 | feet |
| 07272 | regel | ISA-32: 20 | feet |
| 07272 | regel | ISA-41: 3 | feet |
| 07272 | regel | ISA-49: 23 | feet |
| 07272 | regel | ISA-52: 7 | feet |
| 07272 | regel | ISA-59: 7 | feet |

| | | | |
|-------|-------|------------|------|
| 07272 | regel | ISA-60: 13 | feet |
| 07272 | regel | ISA-60: 14 | feet |
| 07272 | regel | JER-13: 16 | feet |
| 07272 | regel | JER-14: 10 | feet |
| 07272 | regel | JER-18: 22 | feet |
| 07272 | regel | JER-38: 22 | feet |
| 07272 | regel | LAM-1: 13 | feet |
| 07272 | regel | LAM-3: 34 | feet |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | feet |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | feet |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | feet |
| 07272 | regel | EZE-2: 1 | feet |
| 07272 | regel | EZE-2: 2 | feet |
| 07272 | regel | EZE-3: 24 | feet |
| 07272 | regel | EZE-16: 25 | feet |
| 07272 | regel | EZE-24: 17 | feet |
| 07272 | regel | EZE-24: 23 | feet |
| 07272 | regel | EZE-25: 6 | feet |
| 07272 | regel | EZE-32: 2 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 18 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 18 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 19 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 19 | feet |
| 07272 | regel | EZE-37: 10 | feet |
| 07272 | regel | EZE-43: 7 | feet |
| 07272 | regel | NAH-1: 3 | feet |
| 07272 | regel | NAH-1: 15 | feet |
| 07272 | regel | HAB-3: 5 | feet |
| 07272 | regel | HAB-3: 19 | feet |
| 07272 | regel | HAB-3: 19 | feet |
| 07272 | regel | ZEC-14: 4 | feet |
| 07272 | regel | ZEC-14: 12 | feet |
| 07272 | regel | MAL-4: 3 | feet |

| | | | |
|-------|-------|-------------|-----------|
| 07272 | regel | EX0-11: 8 | fol low |
| 07272 | regel | JUD-8: 5 | fol low |
| 07272 | regel | 1KI -20: 10 | fol low |
| 07272 | regel | 2KI -3: 9 | fol lowed |
| 07272 | regel | GEN-8: 9 | foot |
| 07272 | regel | GEN-41: 44 | foot |
| 07272 | regel | EX0-21: 24 | foot |
| 07272 | regel | EX0-21: 24 | foot |
| 07272 | regel | EX0-29: 20 | foot |
| 07272 | regel | LEV-8: 23 | foot |
| 07272 | regel | LEV-13: 12 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 14 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 17 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 25 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 28 | foot |
| 07272 | regel | NUM-22: 25 | foot |
| 07272 | regel | DEU-2: 5 | foot |
| 07272 | regel | DEU-8: 4 | foot |
| 07272 | regel | DEU-11: 10 | foot |
| 07272 | regel | DEU-19: 21 | foot |
| 07272 | regel | DEU-19: 21 | foot |
| 07272 | regel | DEU-25: 9 | foot |
| 07272 | regel | DEU-28: 35 | foot |
| 07272 | regel | DEU-28: 56 | foot |
| 07272 | regel | DEU-28: 65 | foot |
| 07272 | regel | DEU-29: 5 | foot |
| 07272 | regel | DEU-32: 35 | foot |
| 07272 | regel | DEU-33: 24 | foot |
| 07272 | regel | JOS-1: 3 | foot |
| 07272 | regel | JOS-5: 15 | foot |
| 07272 | regel | JUD-5: 15 | foot |
| 07272 | regel | 2SA-2: 18 | foot |
| 07272 | regel | 2SA-14: 25 | foot |

| | | | |
|-------|-------|-------------|------|
| 07272 | regel | 2SA-21: 20 | foot |
| 07272 | regel | 2CH-33: 8 | foot |
| 07272 | regel | J0B-2: 7 | foot |
| 07272 | regel | J0B-23: 11 | foot |
| 07272 | regel | J0B-28: 4 | foot |
| 07272 | regel | J0B-31: 5 | foot |
| 07272 | regel | J0B-39: 15 | foot |
| 07272 | regel | PSA-9: 15 | foot |
| 07272 | regel | PSA-26: 12 | foot |
| 07272 | regel | PSA-36: 11 | foot |
| 07272 | regel | PSA-38: 16 | foot |
| 07272 | regel | PSA-66: 6 | foot |
| 07272 | regel | PSA-68: 23 | foot |
| 07272 | regel | PSA-91: 12 | foot |
| 07272 | regel | PSA-94: 18 | foot |
| 07272 | regel | PSA-121: 3 | foot |
| 07272 | regel | PR0-1: 15 | foot |
| 07272 | regel | PR0-3: 23 | foot |
| 07272 | regel | PR0-3: 26 | foot |
| 07272 | regel | PR0-4: 27 | foot |
| 07272 | regel | PR0-25: 17 | foot |
| 07272 | regel | PR0-25: 19 | foot |
| 07272 | regel | ECC-5: 1 | foot |
| 07272 | regel | I SA-1: 6 | foot |
| 07272 | regel | I SA-20: 2 | foot |
| 07272 | regel | I SA-26: 6 | foot |
| 07272 | regel | I SA-41: 2 | foot |
| 07272 | regel | I SA-58: 13 | foot |
| 07272 | regel | JER-2: 25 | foot |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | foot |
| 07272 | regel | EZE-6: 11 | foot |
| 07272 | regel | EZE-29: 11 | foot |
| 07272 | regel | EZE-29: 11 | foot |

07272 regel EZE-32: 13 foot

07272 regel AMO-2: 15 foot

~~~~~

~~~~~


07272 GEN 008 009 But the dove <03123 +yownah > found <04672 +matsa> > no <03808 +lo> > rest <04494 +manowach > for the sole <03709 +kaph > of her foot <{07272} +regel > , and she returned <07725 +shuwb > unto him into <00413 +>el > the ark <08392 +tebah > , for the waters <04325 +mayim > [were] on <05921 +<al > the face <06440 +paniym > of the whole <03605 +kol > earth <00776 +>erets > : then he put <07971 +shalach > forth <07971 +shalach > his hand <03027 +yad > , and took <03947 +laqach > her , and pulled <04026 +migdal > her in unto him into <00413 +>el > the ark <08392 +tebah > .

07272 PSA 119 105 +. NUN . Thy word <01697 +dabar > [is] a lamp <05216 +niyr > unto my feet <{07272} +regel > , and a light <00216 +>owr > unto my path <05410 +nathi yb > .

07272 PSA 119 101 +. I have refrained <03601 +kiyshowr > my feet <{07272} +regel > from every <03605 +kol > evil <07451 +ra< > way <00734 +>orach > , that I might keep <08104 +shamar > thy word <01697 +dabar > .

07272 PSA 119 059 . I thought <02803 +chashab > on my ways <01870 +derek > , and turned <07725 +shuwb > my feet <{07272} +regel > unto thy testimonies <05713 +<edah > .

07272 PSA 116 008 For thou hast delivered <02502 +chalats > my soul <05315 +nephesh > from death <04194 +maveth > , mine eyes <05869 +<ayin > from tears <01832 +dim<ah > , [and] my feet <{07272} +regel > from falling <01762 +d@ch iy > .

07272 PSA 115 007 They have hands <03027 +yad > , but they handle <00184 +>avah > not : feet <{07272} +regel > have they , but they walk <01980 +halak > not : neither <03808 +lo> > speak <01897 +hagah > they through their throat <01627 +garown > .

07272 PSA 105 018 Whose feet <{07272} +regel > they hurt <06031 +<anah > with fetters <03525 +kebel > : he was laid <00935 +bow> > in iron <01270 +barzel > :

07272 PSA 094 018 When <00518 +>im > I said <00559 +>amar > , My foot <{07272} +regel > slippeth <04131 +mowt > ; thy mercy <02617 +checed > , O LORD <03068 +Y@hovah > , held <05582 +ca<ad > > me up .

07272 PSA 091 012 They shall bear <05375 +nasa> > thee up in [their] hands <03709 +kaph > , lest <06435 +pen > thou dash <05062 +nagaph > thy foot <{07272} +regel > against a stone <68> .

07272 PSA 068 023 That thy foot <{07272} +regel > may be dipped <04272 +machats > in the blood <01818 +dam > of [thine] enemies <00341 +>oyeb > , [and] the tongue <03956 +lashown > of thy dogs <03611 +keleb > in the same .

07272 PSA 066 006 He turned <02015 +haphak > the sea <03220 +yam > into dry <03004 +yabbashah > [land <00776 +>erets >] : they went <05674 +<abar > through the flood <05104 +nahar > on foot <{07272} +regel > : there <08033 +sham > did we rejoice <08055 +samach > in him .

07272 PSA 056 013 For thou hast delivered <05337 +natsal > my soul <05315 +nephesh > from death <04194 +maveth > : [wilt] not [thou deliver <05337 +natsal >] my feet <{07272} +regel > from falling <01762 +d@ch iy > , that I may walk <01980 +halak > before <06440 +paniym > God <00430 +>elohiym > in the light <00216 +>owr > of the living <02416 +chay > ?

07272 PSA 047 003 He shall subdue <01696 +dabar > the people
<05971 +<am > under <08478 +tachath > us , and the nations
<03816 +l@om > under <08478 +tachath > our feet <{07272} +regel
> .

07272 PSA 040 002 He brought <05927 +<alah > me up also out of
an horrible <07588 +sha>own > pit <00953 +bowr > , out of the
miry <03121 +yaven > clay <02916 +tiyt > , and set <06965 +quwm
> my feet <{07272} +regel > upon a rock <05553 +cela< > , [and
] established <03559 +kuwn > my goings <00838 +>ashur > .

07272 PSA 038 016 For I said <00559 +>amar > , [Hear me] ,
lest <06435 +pen > [otherwise] they should rejoice <08056
+sameach > over me : when my foot <{07272} +regel > slippeth
<04131 +mowt > , they magnify <01431 +gadal > [themselves]
against <05921 +<al > me .

07272 PSA 036 011 Let not the foot <{07272} +regel > of pride
<01346 +ga<avah > come <00935 +bow> > against me , and let not
the hand <03027 +yad > of the wicked <07563 +rasha< > remove
<05110 +nuwd > me .

07272 PSA 031 008 And hast not shut <05462 +cagar > me up into
the hand <03027 +yad > of the enemy <00341 +>oyeb > : thou hast
set <05975 +<amad > my feet <{07272} +regel > in a large <04800
+merchab > room <04800 +merchab > .

07272 PSA 026 012 My foot <{07272} +regel > standeth <05975
+<amad > in an even <04334 +miyshowr > place : in the
congregations <04721 +maqhel > will I bless <01288 +barak > the
LORD <03068 +Y@hovah > .

07272 PSA 025 015 . Mine eyes <05869 +<ayin > [are] ever
<08548 +tamiyd > toward <00413 +>el > the LORD <03068 +Y@hovah >
; for he shall pluck <03318 +yatsa> > my feet <{07272} +regel >
out of the net <07568 +resheth > .

07272 PSA 022 016 For dogs <03611 +keleb > have compassed <05437
+cabab > me : the assembly <05712 +<edah > of the wicked <07489
+ra<a< > have inclosed <05362 +naqaph > me : they pierced <00738
+>ariy > my hands <03027 +yad > and my feet <{07272} +regel > .

07272 PSA 018 038 I have wounded <04272 +machats > them that
they were not able <03201 +yakol > to rise <06965 +quwm > : they
are fallen <05307 +naphal > under <08478 +tachath > my feet
<{07272} +regel > .

07272 PSA 018 033 He maketh <07737 +shavah > my feet <{07272}
+regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <07272 +regel >] ,
and setteth <05975 +<amad > me upon my high <01116 +bamah >
places .

07272 PSA 018 033 He maketh <07737 +shavah > my feet <07272
+regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <{07272} +regel >]
, and setteth <05975 +<amad > me upon my high <01116 +bamah >
places .

07272 PSA 018 009 He bowed <05186 +natah > the heavens <08064
+shamayim > also , and came <03381 +yarad > down <03381 +yarad >
: and darkness <06205 +<araphel > [was] under <08478 +tachath
> his feet <{07272} +regel > .

07272 PSA 009 015 The heathen <01471 +gowy > are sunk <02883
+taba< > down in the pit <07845 +shachath > [that] they made
<06213 +<asah > : in the net <07568 +resheth > which <02098 +zuw
> they hid <02934 +taman > is their own foot <{07272} +regel >

taken <03920 +lakad > .

07272 PSA 008 006 Thou madest him to have dominion <04910
+mashal > over the works <04639 +ma<aseh > of thy hands <03027
+yad > ; thou hast put <07896 +shiyth > all <03605 +kol > [
things] under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > :

07272 JOB 039 015 And forgetteth <07911 +shakach > that the foot
<{07272} +regel > may crush <02115 +zuwr > them , or that the
wild <07704 +sadeh > beast <02416 +chay > may break <01758
+duwsh > them .

07272 JOB 033 011 He putteth <07760 +suwm > my feet <{07272}
+regel > in the stocks <05465 +cad > , he marketh <08104 +shamar
> all <03605 +kol > my paths <00734 +>orach > .

07272 JOB 031 005 If <00518 +>im > I have walked <01980 +halak >
with vanity <07723 +shav> > , or if my foot <{07272} +regel >
hath hastened <02363 +chuwsh > to deceit <04820 +mirmah > ;

07272 JOB 030 012 Upon [my] right <03225 +yamiyn > [hand
<03225 +yamiyn >] rise <06965 +quwm > the youth <06526
+pirchach > ; they push <07971 +shalach > away my feet <{07272}
+regel > , and they raise <05549 +calal > up against <05921 +<al
> me the ways <00734 +>orach > of their destruction <00343 +>eyd
> .

07272 JOB 029 015 I was eyes <05869 +<ayin > to the blind <05787
+<iivver > , and feet <{07272} +regel > [was] I to the lame
<06455 +picceach > .

07272 JOB 028 004 The flood <05158 +nachal > breaketh <06555
+parats > out from the inhabitant <01481 +guwr > ; [even the
waters] forgotten <07911 +shakach > of the foot <{07272} +regel
> : they are dried <01809 +dalal > up , they are gone <05128
+nuwa< > away from men <00582 +>enowsh > .

07272 JOB 023 011 My foot <{07272} +regel > hath held <00270
+>achaz > his steps <00838 +>ashur > , his way <01870 +derek >
have I kept <08104 +shamar > , and not declined <05186 +natah > .

07272 JOB 018 011 . Terrors <01091 +ballahah > shall make him
afraid <01204 +ba<ath > on every <05437 +cabab > side <05439
+cabiyyb > , and shall drive <06327 +puwts > him to his feet
<{07272} +regel > .

07272 JOB 018 008 For he is cast <07971 +shalach > into a net
<07568 +resheth > by his own feet <{07272} +regel > , and he
walketh <01980 +halak > upon a snare <07639 +s@bakah > .

07272 JOB 013 027 Thou puttest <07760 +suwm > my feet <{07272}
+regel > also in the stocks <05465 +cad > , and lookest <08104
+shamar > narrowly <08104 +shamar > unto all <03605 +kol > my
paths <00734 +>orach > ; thou settest a print <02707 +chaqah >
upon the heels <08323 +sarar > of my feet <07272 +regel > .

07272 JOB 013 027 Thou puttest <07760 +suwm > my feet <07272
+regel > also in the stocks <05465 +cad > , and lookest <08104
+shamar > narrowly <08104 +shamar > unto all <03605 +kol > my
paths <00734 +>orach > ; thou settest a print <02707 +chaqah >
upon the heels <08323 +sarar > of my feet <{07272} +regel > .

07272 JOB 012 005 He that is ready <03559 +kuwn > to slip <04571
+ma<ad > with [his] feet <{07272} +regel > [is as] a lamp
<03940 +lappiyd > despised <00937 +buwz > in the thought <06248
+<ashtuwth > of him that is at ease <07600 +sha>anan > .

07272 JOB 002 007 . So went <03318 +yatsa> > Satan <07854 +satan > forth <03318 +yatsa> > from the presence <06440 +paniym > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and smote <05221 +nakah > Job <00347 +>Iyowb > with sore <07451 +ra< > boils <07822 +sh@chi y > from the sole <03709 +kaph > of his foot <{07272} +regel > unto his crown <06936 +qodqod > .

07272 EST 008 003 . And Esther <00635 +>Ecter > spake <01696 +dabar > yet again <03254 +yacaph > before <06440 +paniym > the king <04428 +melek > , and fell <05307 +naphal > down at <06440 +paniym > his feet <{07272} +regel > , and besought <02603 +chanan > him with tears <01058 +bakah > to put <05674 +<abar > away <05674 +<abar > the mischief <07451 +ra< > of Haman <02001 +Haman > the Agagite <91> , and his device <04284 +machashabah > that he had devised <02803 +chashab > against <05921 +<al > the Jews <03064 +Y@huwdiy > .

07272 NEH 009 021 Yea , forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > didst thou sustain <03557 +kuwl > them in the wilderness <04057 +midbar > , [so that] they lacked <02637 +chacer > nothing <03808 +lo> > ; their clothes <08008 +salmah > waxed not old <01086 +balah > , and their feet <{07272} +regel > swelled <01216 +batseq > not .

07272 2CH 033 017 Nevertheless <03808 +lo> > the people did sacrifice still <05493 +cuwr > in the <{07272} +regel > high places <03478 +Yisra>el > , [yet] unto the LORD their <00127 +>adamah > God <00834 +>aher > only .

07272 2CH 033 008 Neither <03808 +lo> > will I any more <03254 +yacaph > remove <05493 +cuwr > the foot <{07272} +regel > of Israel <03478 +Yisra>el > from out <05921 +<al > of the land <00127 +>adamah > which I have appointed <05978 +<immad > for your fathers <07535 +raq > ; so <00518 +>im > that they will take heed <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > that I have commanded <00834 +>aher > them <04519 +M@nashsheh > , according to the whole <03605 +kol > law <08451 +towrah > and the statutes <02706 +choq > and the ordinances <04941 +mishpat > by the hand <03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > .

07272 2CH 016 012 And Asa <00609 +>Aca> > in the thirty <07970 +sh@lowshiym > and ninth <08672 +tesha< > year <08141 +shaneh > of his reign <04438 +mal kuwth > was diseased <02470 +chalah > in his feet <{07272} +regel > , until <05704 +<ad > his disease <02483 +choli y > [was] exceeding <04605 +ma<al > [great] : yet <01571 +gam > in his disease <02483 +choli y > he sought <01875 +darash > not to the LORD <03068 +Y@hovah > , but to the physicians <07495 +rapha> > .

07272 2CH 003 013 The wings <03671 +kanaph > of these <00428 +>el - leh > cherubims <03742 +k@ruwb > spread <06566 +paras > themselves forth twenty <06242 +<esriym > cubits <00520 +>ammah > : and they stood <05975 +<amad > on <05921 +<al > their feet <{07272} +regel > , and their faces <06440 +paniym > [were] inward <01004 +bayi th > .

07272 1CH 028 002 Then David <01732 +David > the king <04428 +melek > stood <06965 +quwm > up upon his feet <{07272} +regel > , and said <00559 +>amar > , Hear <08085 +shama< > me , my brethren <00251 +>ach > , and my people <05971 +<am > : [As for me] , I [had] in mine heart <03824 +lebab > to build <01129 +banah > an house <01004 +bayi th > of rest <04496 +m@nuwchah > for the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and for the footstool of our God <00430 +>elohiym > , and had made <06213 +<asah > ready <03559

+kuwn > for the building <01129 +banah > :

07272 2KI 013 021 And it came <01961 +hayah > to pass , as they were burying <06912 +qabar > a man <00376 +>iysh > , that , behold <02009 +hinneh > , they spied <07200 +ra>ah > a band <01416 +g@duwd > [of men] ; and they cast <07993 +shalak > the man <00376 +>iysh > into the sepulchre <06913 +qeber > of Elisha <00477 +>Eliysha< > : and when the man <00376 +>iysh > was let <03212 +yalak > down <03212 +yalak > , and touched <05060 +naga< > the bones <06106 +<etsem > of Elisha <00477 +>Eliysha< > , he revived <02421 +chayah > , and stood <06965 +quwm > up on <05921 +<al > his feet <{07272} +regel > .

07272 2KI 009 035 And they went <03212 +yalak > to bury <06912 +qabar > her : but they found <04672 +matsa> > no <03808 +lo> > more of her than the skull <01538 +gulgoleth > , and the feet <{07272} +regel > , and the palms <03709 +kaph > of [her] hands <03027 +yad > .

07272 2KI 006 032 But Elisha <00477 +>Eliysha< > sat <03427 +yashab > in his house <01004 +bayith > , and the elders <02205 +zaqen > sat <03427 +yashab > with him ; and [the king] sent <07971 +shalach > a man <00376 +>iysh > from before <06440 +paniyim > him : but ere <02962 +terem > the messenger <04397 +mal>ak > came <00935 +bow> > to him , he said <00559 +>amar > to the elders <02205 +zaqen > , See <07200 +ra>ah > ye how <03588 +kiy > this son <01121 +ben > of a murderer <07523 +ratsach > hath sent <07971 +shalach > to take <05493 +cuwr > away mine head <07218 +ro>sh > ? look <07200 +ra>ah > , when the messenger <04397 +mal>ak > cometh <00935 +bow> > , shut <05462 +cagar > the door <01817 +deleth > , and hold <03905 +lachats > him fast at the door <01817 +deleth > : [is] not the sound <06963 +qowl > of his master s <00113 +>adown > feet <{07272} +regel > behind <00310 +>achar > him ?

07272 2KI 004 037 Then she went <00935 +bow> > in , and fell <05307 +naphal > at <05921 +<al > his feet <{07272} +regel > , and bowed <07812 +shachah > herself to the ground <00776 +>erets > , and took <05375 +nasa> > up her son <01121 +ben > , and went <03318 +yatsa> > out .

07272 2KI 004 027 And when she came <00935 +bow> > to the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiyim > to the hill <02022 +har > , she caught <02388 +chazaq > him by the feet <{07272} +regel > : but Gehazi <01522 +Geychaziy > came <05066 +nagash > near <05066 +nagash > to thrust <01920 +Hadaph > her away . And the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiyim > said <00559 +>amar > , Let her alone <07503 +raphah > ; for her soul <05315 +nephesh > [is] vexed <04843 +marar > within her : and the LORD <03068 +Y@hovah > hath hid <05956 +<alam > [it] from me , and hath not told <05046 +nagad > me .

07272 2KI 003 009 So the king <04428 +melek > of Israel <03478 +Yisra>el > went <03212 +yalak > , and the king <04428 +melek > of Judah <03063 +Y@huwdah > , and the king <04428 +melek > of Edom <00123 +>Edom > : and they fetched a compass <05437 +cabab > of seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > journey <01870 +derek > : and there was no <03808 +lo> > water <04325 +mayim > for the host <04264 +machaneh > , and for the cattle <00929 +b@hemah > that followed <{07272} +regel > them .

07272 1KI 020 010 And Benhadad <01131 +Binnuwy > sent <07971 +shalach > unto him , and said <00559 +>amar > , The gods <00430 +>elohiyim > do <06213 +<asah > so <03541 +koh > unto me , and more <03254 +yacaph > also <03541 +koh > , if the dust <06083 +<aphar > of Samaria <08111 +Shom@rown > shall suffice <05606

+caphaq > for handfuls <08168 +sho<al > for all <03605 +kol >
the people <05971 +<am > that follow <{07272} +regel > me .

07272 1KI 015 023 The rest <03499 +yether > of all <03605 +kol >
the acts <01697 +dabar > of Asa <00609 +>Aca> > , and all <03605
+kol > his might <01369 +g@buwrah > , and all <03605 +kol > that
he did <06213 +<asah > , and the cities <05892 +<iyr > which
<00834 +>aher > he built <01129 +banah > , [are] they not
written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the
chronicles <01697 +dabar > of the kings <04428 +melek > of Judah
<03063 +Y@huwdah > ? Nevertheless <07535 +raq > in the time
<06256 +<eth > of his old <02209 +ziqnah > age he was diseased
<02470 +chalah > in his feet <{07272} +regel > .

07272 1KI 014 012 Arise <06965 +quwm > thou therefore , get
<03212 +yalak > thee to thine own house <01004 +bayith > : [and
] when thy feet <{07272} +regel > enter <00935 +bow> > into the
city <05892 +<iyr > , the child <03206 +yeled > shall die <04191
+muwth > .

07272 1KI 014 006 And it was [so] , when Ahijah <00281
+>Achiyah > heard <08085 +shama< > the sound <06963 +qowl > of
her feet <{07272} +regel > , as she came <00935 +bow> > in at
the door <06607 +pethach > , that he said <00559 +>amar > , Come
<00935 +bow> > in , thou wife <00802 +>ishshah > of Jeroboam
<03379 +Yarob<am > ; why <04100 +mah > feignest <05234 +nakar >
thou thyself [to be] another <05234 +nakar > ? for I [am]
sent <07971 +shalach > to thee [with] heavy <07186 +qasheh > [
tidings] .

07272 1KI 005 003 Thou knowest <03045 +yada< > how that David
<01732 +David > my father <1> could <03201 +yakol > not build
<01129 +banah > an house <01004 +bayith > unto the name <08034
+shem > of the LORD <03068 +Y@hovah > his God <00430 +>elohiym >
for the wars <04421 +milchamah > which <00834 +>aher > were
about <05437 +cabab > him on every <05437 +cabab > side , until
<05704 +<ad > the LORD <03068 +Y@hovah > put <05414 +nathan >
them under <08478 +tachath > the soles <03709 +kaph > of his
feet <{07272} +regel > .

07272 1KI 002 005 Moreover <01571 +gam > thou knowest <03045
+yada< > also <01571 +gam > what Joab <03097 +Yow>ab > the son
<01121 +ben > of Zeruiah <06870 +Ts@ruwyah > did <06213 +<asah >
to me , [and] what <00834 +>aher > he did <06213 +<asah > to
the two <08147 +sh@nayim > captains <08269 +sar > of the hosts
<06635 +tsaba> > of Israel <03478 +Yisra>el > , unto Abner <74>
the son <01121 +ben > of Ner <05369 +Ner > , and unto Amasa
<06021 +<Amasa> > the son <01121 +ben > of Jether <03500 +Yether
> , whom he slew <02026 +harag > , and shed <07760 +suwm > the
blood <01818 +dam > of war <04421 +milchamah > in peace <07965
+shalowm > , and put <05414 +nathan > the blood <01818 +dam > of
war <04421 +milchamah > upon his girdle <02290 +chagowr > that [
was] about his loins <04975 +mothen > , and in his shoes <05275
+na<al > that [were] on his feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 022 039 And I have consumed <03615 +kalah > them , and
wounded <04272 +machats > them , that they could not arise
<06965 +quwm > : yea , they are fallen <05307 +naphal > under
<08478 +tachath > my feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 022 034 He maketh <07737 +shavah > my feet <{07272}
+regel > like <07737 +shavah > hinds <00355 +>ayalah > [feet
<07272 +regel >] : and setteth <05975 +<amad > me upon my high
<01116 +bamah > places .

07272 2SA 022 034 He maketh <07737 +shavah > my feet <07272
12/8/2021

+regel > like <07737 +shavah > hinds <00355 +>ayah > [feet
<{07272} +regel >] : and setteth <05975 +<amad > me upon my
high <01116 +bamah > places .

07272 2SA 022 010 He bowed <05186 +natah > the heavens <08064
+shamayim > also , and came <03381 +yarad > down <03381 +yarad >
; and darkness <06205 +<araphel > [was] under <08478 +tachath
> his feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 021 020 And there was yet <05750 +<owd > a battle
<04421 +milchamah > in Gath <01661 +Gath > , where was a man
<00376 +>iysh > of [great] stature <04055 +mad > , that had on
every hand <03027 +yad > six <08337 +shesh > fingers <00676
+>etsba< > , and on every foot <{07272} +regel > six <08337
+shesh > toes <00676 +>etsba< > , four <00702 +>arba< > and
twenty <06242 +<esriym > in number <04557 +micpar > ; and he
also <01571 +gam > was born <03205 +yalad > to the giant <07497
+rapha> > .

07272 2SA 019 024 . And Mephibosheth <04648 +M@phiybosheth > the
son <01121 +ben > of Saul <07586 +Sha>uwl > came <03381 +yarad >
down <03381 +yarad > to meet <07125 +qir>ah > the king <04428
+melek > , and had nei ther <03808 +lo> > dressed <06213 +<asah >
his feet <{07272} +regel > , nor <03808 +lo> > trimmed <06213
+<asah > his beard <08222 +sapham > , nor <03808 +lo> > washed
<03526 +kabac > his clothes <00899 +beged > , from the day
<03117 +yowm > the king <04428 +melek > departed <03212 +yalak >
until <05704 +<ad > the day <03117 +yowm > he came <00935 +bow>
> [again] in peace <07965 +shalowm > .

07272 2SA 015 018 And all <03605 +kol > his servants <05650
+<ebed > passed <05674 +<abar > on beside him ; and all <03605
+kol > the Cherethites <03774 +K@rethiy > , and all <03605 +kol
> the Pelethites <06432 +P@lethiy > , and all <03605 +kol > the
Gittites <01663 +Gittiy > , six <08337 +shesh > hundred <03967
+me>ah > men <00376 +>iysh > which <00834 +>aher > came <00935
+bow> > after <{07272} +regel > him from Gath <01661 +Gath > ,
passed <05674 +<abar > on before the king <04428 +melek > .

07272 2SA 015 017 And the king <04428 +melek > went <03318
+yatsa> > forth <03318 +yatsa> > , and all <03605 +kol > the
people <05971 +<am > after <{07272} +regel > him , and tarried
<05975 +<amad > in a place <01004 +bayith > that was far <04801
+merchaq > off .

07272 2SA 015 016 And the king <04428 +melek > went <03318
+yatsa> > forth <03318 +yatsa> > , and all <03605 +kol > his
household <01004 +bayith > after <{07272} +regel > him . And the
king <04428 +melek > left <05800 +<azab > ten <06235 +<eser >
women <00802 +>ishshah > , [which were] concubines <06370
+piylegesh > , to keep <08104 +shamar > the house <01004 +bayith
> .

07272 2SA 014 025 But in all <03605 +kol > Israel <03478
+Yisra>el > there was none to be so much <03966 +m@<od > praised
<01984 +halal > as Absalom <53> for his beauty <03308 +yophiy > :
from the sole <03709 +kaph > of his foot <{07272} +regel > even
to the crown <06936 +qodqod > of his head <06936 +qodqod > there
was no <03808 +lo> > blemish <03971 +m>uwm > in him .

07272 2SA 011 008 And David <01732 +David > said <00559 +>amar >
to Uriah <00223 +>Uwriyah > , Go <03381 +yarad > down <03381
+yarad > to thy house <01004 +bayith > , and wash <07364
+rachats > thy feet <{07272} +regel > . And Uriah <00223
+>Uwriyah > departed <03318 +yatsa> > out of the king s <04428
+melek > house <01004 +bayith > , and there followed him a mess
12/8/2021

<04864 +mas>eth > [of meat] from the king <04428 +melek > .

07272 2SA 009 013 So Mephibosheth <04648 +M@phi ybosheth > dwelt <03427 +yashab > in Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : for he did eat <00398 +>akal > continually <08548 +tamiyd > at <05921 +>al > the king s <04428 +melek > table <07979 +shulchan > ; and was lame <06455 +picceach > on both <08147 +sh@nayim > his feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 009 003 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > , [Is] there not yet <05750 +>owd > any <00376 +>iysh > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +>asah > the kindness <02617 +>cheded > of God <00430 +>elohiym > unto him ? And Ziba <06717 +Tsiyba> > said <00559 +>amar > unto the king <04428 +melek > , Jonathan <03083 +Y@hownathan > hath yet <05750 +>owd > a son <01121 +ben > , [which is] lame <05223 +nakeh > on [his] feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 004 012 And David <01732 +David > commanded <06680 +tsavah > his young <05288 +na<ar > men , and they slew <02026 +harag > them , and cut <07112 +qatsats > off their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > , and hanged <08518 +talah > [them] up over <05921 +>al > the pool <01295 +b@rekah > in Hebron <02275 +Chebrowm > . But they took <03947 +laqach > the head <07218 +ro>sh > of Ishbosheth <00378 +>iysh - Bosheth > , and buried <06912 +qabar > [it] in the sepulchre <06913 +qeber > of Abner <74> in Hebron <02275 +Chebrowm > .

07272 2SA 004 004 And Jonathan <03083 +Y@hownathan > , Saul s <07586 +Sha>uwl > son <01121 +ben > , had a son <01121 +ben > [that was] lame <05223 +nakeh > of [his] feet <{07272} +regel > . He was five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > when the tidings <08052 +sh@muv<ah > came <00935 +bow> > of Saul <07586 +Sha>uwl > and Jonathan <03083 +Y@hownathan > out of Jezreel <03157 +Yizr@<e>l > , and his nurse <00539 +>aman > took <05375 +nasa> > him up , and fled <05127 +nuwc > : and it came <01961 +hayah > to pass , as she made haste <02648 +chaphaz > to flee <05127 +nuwc > , that he fell <05307 +naphal > , and became <06452 +pacach > lame <06452 +pacach > . And his name <08034 +shem > [was] Mephibosheth <04648 +M@phi ybosheth > .

07272 2SA 003 034 Thy hands <03027 +yad > [were] not bound <00631 +>acar > , nor <03808 +lo> > thy feet <{07272} +regel > put <05056 +naggach > into fetters <05178 +n@chosheth > : as a man <01121 +ben > falleth <05307 +naphal > before <06440 +paniym > wicked <05766 +>evel > men <01121 +ben > , [so] fellest <05307 +naphal > thou . And all <03605 +kol > the people <05971 +>am > wept <01058 +bakah > again <03254 +yacaph > over <05921 +>al > him .

07272 2SA 002 018 . And there were three <07969 +shalowsh > sons <01121 +ben > of Zerui ah <06870 +Ts@ruwyah > there <08033 +sham > , Joab <03097 +Yow>ab > , and Abishai <52> , and Asahel <00760 +>Aram Tsobah > : and Asahel <06214 +>Asah>el > [was as] light <07031 +qal > of foot <{07272} +regel > as a wild <07704 +sadeh > roe <06643 +ts@biy > .

07272 1SA 025 042 And Abigail <26> hastened <04116 +mahar > , and arose <06965 +quwm > , and rode <07392 +rakab > upon an ass <02543 +chamowr > , with five <02568 +chamesh > damsels <05291 +na<arah > of hers that went <01980 +halak > after <{07272} +regel > her ; and she went <03212 +yalak > after <00310 +>achar > the messengers <04397 +mal>ak > of David <01732 +David > , and became <01961 +hayah > his wife <00802 +>i shshah > .

07272 1SA 025 041 And she arose <06965 +quwm > , and bowed <07812 +shachah > herself on [her] face <00639 +>aph > to the earth <00776 +>erets > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , [let] thine handmaid <00519 +>amah > [be] a servant <05650 +<ebed > to wash <07364 +rachats > the feet <{07272} +regel > of the servants <05650 +<ebed > of my lord <00113 +>adown > .

07272 1SA 025 024 And fell <05307 +naphal > at <05921 +<al > his feet <{07272} +regel > , and said <00559 +>amar > , Upon me , my lord <00113 +>adown > , [upon] me [let this] iniquity <05771 +<avon > [be] : and let thine handmaid <00519 +>amah > , I pray <04994 +na> > thee , speak <01696 +dabar > in thine audience <00241 +>ozen > , and hear <08085 +shama< > the words <01697 +dabar > of thine handmaid <00519 +>amah > .

07272 1SA 024 003 And he came <00935 +bow> > to the sheepcotes <06629 +tso>n > by the way <01870 +derek > , where <08033 +sham > [was] a cave <04631 +m@<arah > ; and Saul <07586 +Sha>uwl > went <00935 +bow> > in to cover <05526 +cakak > his feet <{07272} +regel > : and David <01732 +David > and his men <00582 +>enowsh > remained <03427 +yashab > in the sides <03411 +y@rekah > of the cave <04631 +m@<arah > .

07272 1SA 023 022 Go <03212 +yal ak > , I pray <04994 +na> > you , prepare <03559 +kuwn > yet , and know <03045 +yada< > and see <07200 +ra>ah > his place <04725 +maqowm > where <00834 +>aher > his haunt <{07272} +regel > is , [and] who <04310 +miy > hath seen <07200 +ra>ah > him there <08033 +sham > : for it is told <00559 +>amar > me [that] he dealeth very subtilly <06191 +<aram > .

07272 EZE 029 011 No <03808 +lo> > foot <07272 +regel > of man <00120 +>adam > shall pass <05674 +<abar > through it , nor <03808 +lo> > foot <{07272} +regel > of beast <00929 +b@hemah > shall pass <05674 +<abar > through it , neither <03808 +lo> > shall it be inhabited <03427 +yashab > forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > .

07272 1SA 014 013 And Jonathan <03129 +Yownathan > climbed <05927 +<alah > up upon his hands <03027 +yad > and upon his feet <{07272} +regel > , and his armourbearer <03627 +k@liy > after <00310 +>achar > him : and they fell <05307 +naphal > before <06440 +paniym > Jonathan <03129 +Yownathan > ; and his armourbearer <03627 +k@liy > slew <04191 +muwth > after <00310 +>achar > him .

07272 1SA 002 009 He will keep <08104 +shamar > the feet <{07272} +regel > of his saints <02623 +chaciyd > , and the wicked <07563 +rasha< > shall be silent <01826 +damam > in darkness <02822 +choshek > ; for by strength <03581 +koach > shall no <03808 +lo> > man <00376 +>iysh > prevail <01396 +gabar > .

07272 JUDG 019 021 So he brought <00935 +bow> > him into his house <01004 +bayi th > , and gave provender <01101 +bal al > unto the asses <02543 +chamowr > : and they washed <07364 +rachats > their feet <{07272} +regel > , and did eat <00398 +>akal > and drink <08354 +shathah > .

07272 JUDG 008 005 And he said <00559 +>amar > unto the men <00582 +>enowsh > of Succoth <05523 +Cukkowth > , Give <05414 +nathan > , I pray <04994 +na> > you , loaves <03603 +kikkar > of bread <03899 +lechem > unto the people <05971 +<am > that follow <{07272} +regel > me ; for they [be] faint <05889

+<ayeph > , and I am pursuing <07291 +radaph > after <00310
 +>achar > Zebah <02078 +Zebach > and Zalmunna <06759 +Tsalmunna<
 > , kings <04428 +mel ek > of Mi di an <04080 +Mi dyan > .

07272 JUDG 005 027 At <00996 +beyn > her feet <{07272} +regel >
 he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307 +naphal > , he lay
 <07901 +shakab > down <07901 +shakab > : at <00996 +beyn > her
 feet <07272 +regel > he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307
 +naphal > : where <00834 +>aher > he bowed <03766 +kara< > ,
 there <08033 +sham > he fell <05307 +naphal > down dead <07703
 +shadad > .

07272 JUDG 005 027 At <00996 +beyn > her feet <07272 +regel > he
 bowed <03766 +kara< > , he fell <05307 +naphal > , he lay <07901
 +shakab > down <07901 +shakab > : at <00996 +beyn > her feet
 <{07272} +regel > he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307
 +naphal > : where <00834 +>aher > he bowed <03766 +kara< > ,
 there <08033 +sham > he fell <05307 +naphal > down dead <07703
 +shadad > .

07272 JUDG 005 015 And the princes <08269 +sar > of Issachar
 <03485 +Yissaskar > [were] with Deborah <01683 +D@bowrah > ;
 even Issachar <03485 +Yissaskar > , and also <03651 +ken > Barak
 <01301 +Baraq > : he was sent <07971 +shalach > on foot <{07272}
 +regel > into the valley <06010 +<emeq > . For the divisions
 <06391 +p@luggah > of Reuben <07205 +R@>uwben > [there were]
 great <01419 +gadawl > thoughts <02711 +cheqeq > of heart <03820
 +leb > .

07272 JUDG 004 017 . Howbeit Sisera <05516 +Ciy@ra> > fled
 <05127 +nuwc > away on his feet <{07272} +regel > to the tent
 <00168 +>ohel > of Jael <03278 +Ya<el > the wife <00802
 +>ishshah > of Heber <02268 +Cheber > the Kenite <07017 +Qeyniy
 > : for [there was] peace <07965 +shalowm > between <00996
 +beyn > Jabin <02985 +Yabiyn > the king <04428 +melek > of Hazor
 <02674 +Chatsowr > and the house <01004 +bayith > of Heber
 <02268 +Cheber > the Kenite <07017 +Qeyniy > .

07272 JUDG 004 015 And the LORD <03068 +Y@hovah > discomfi ted
 <02000 +hamam > Sisera <05516 +Ciy@ra> > , and all <03605 +kol
 > [his] chariots <07393 +rekeb > , and all <03605 +kol > [his
] host <04264 +machaneh > , with the edge <06310 +peh > of the
 sword <02719 +chereb > before <06440 +paniym > Barak <01301
 +Baraq > ; so that Sisera <05516 +Ciy@ra> > lighted <03381
 +yarad > down <03381 +yarad > off <05921 +<al > [his] chariot
 <04818 +merkabah > , and fled <05127 +nuwc > away on his feet
 <{07272} +regel > .

07272 JUDG 004 010 . And Barak <01301 +Baraq > called <02199
 +za<aq > Zebulun <02074 +Z@buwlun > and Naphtali <05321
 +Naphtaliy > to Kedesh <06943 +Qedesh > ; and he went <05927
 +<alah > up with ten <06235 +<eser > thousand <00505 +>eleph >
 men <00376 +>iysh > at his feet <{07272} +regel > : and Deborah
 <01683 +D@bowrah > went <05927 +<alah > up with him .

07272 JUDG 003 024 When he was gone <03318 +yatsa> > out , his
 servants <05650 +<ebed > came <00935 +bow> > ; and when they saw
 <07200 +ra>ah > that , behold <02009 +hinneh > , the doors
 <01817 +deleth > of the parlour <05944 +<aliyah > [were]
 locked <05274 +na<al > , they said <00559 +>amar > , Surely
 <00389 +>ak > he covereth <05526 +cakak > his feet <{07272}
 +regel > in his summer <04747 +m@qerah > chamber <02315 +cheder
 > .

07272 JOS 014 009 And Moses <04872 +Mosheh > sware <07650
 +shaba< > on that day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > ,
 12/8/2021

Surely <00518 +>im > the land <00776 +>erets > whereon <00834 +>aher > thy feet <{07272} +regel > have trodden <01869 +darak > shall be thine inheritance <05159 +nachalah > , and thy children s <01121 +ben > for ever <05769 +<owlam > , because <03588 +kiy > thou hast wholly <04390 +male> > followed <00310 +>achar > the LORD <03068 +Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > .

07272 J0S 010 024 And it came <01961 +hayah > to pass , when they brought <03318 +yatsa> > out those <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , that Joshua <03091 +Y@howshuwa< > called <07121 +qara> > for all <03605 +kol > the men <00376 +>iysh > of Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto the captains <07101 +qatsiyn > of the men of war <04421 +milchamah > which went <01980 +halak > with him , Come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , put <07760 +suwm > your feet <{07272} +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of these <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > . And they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , and put <07760 +suwm > their feet <07272 +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of them .

07272 J0S 010 024 And it came <01961 +hayah > to pass , when they brought <03318 +yatsa> > out those <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , that Joshua <03091 +Y@howshuwa< > called <07121 +qara> > for all <03605 +kol > the men <00376 +>iysh > of Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto the captains <07101 +qatsiyn > of the men of war <04421 +milchamah > which went <01980 +halak > with him , Come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , put <07760 +suwm > your feet <07272 +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of these <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > . And they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , and put <07760 +suwm > their feet <{07272} +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of them .

07272 J0S 009 005 And old <01087 +baleh > shoes <05275 +na<al > and clouted <02921 +tala> > upon their feet <{07272} +regel > , and old <01087 +baleh > garments <08008 +salmah > upon them ; and all <03605 +kol > the bread <03899 +lechem > of their provision <06718 +tsayid > was dry <03004 +yabbashah > [and] mouldy <05350 +niqqud > .

07272 J0S 005 015 And the captain <08269 +sar > of the LORD S <03068 +Y@hovah > host <06635 +tsaba> > said <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , Loose <05394 +nashal > thy shoe <05275 +na<al > from off <05921 +<al > thy foot <{07272} +regel > ; for the place <04725 +maqom > whereon thou standest <05975 +<amad > [is] holy <06944 +qodesh > . And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > .

07272 J0S 004 018 And it came <01961 +hayah > to pass , when the priests <03548 +kohen > that bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arawn > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > were come <05927 +<alah > up out of the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , [and] the soles <03709 +kaph > of the priests <03548 +kohen > feet <{07272} +regel > were lifted <05423 +nathaq > up unto the dry <02724 +charabah > land , that the waters <04325 +mayim > of Jordan <03383 +Yarden > returned <07725 +shuwb > unto their place <04725 +maqom > , and flowed <03212 +yalak > over <05921 +<al > all <03605 +kol > his banks <01415 +gadah > , as [they did] before .

07272 J0S 004 009 And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > set <06965 +quwm > up twelve stones <68> in the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , in the place where the feet <{07272} +regel > of the priests <03548 +kohen > which bare <05375 +nasa>

> the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth >
stood <04673 +matstsab > : and they are there <08033 +sham >
unto this <02063 +zo>th > day <03117 +yowm > .

07272 JOS 004 003 And command <06680 +tsavah > ye them , saying
<00559 +>amar > , Take <05375 +nasa> > you hence <02088 +zeh >
out of the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > ,
out of the place where the priests <03548 +kohen > feet <{07272}
+regel > stood <04673 +matstsab > firm <03559 +kuwn > , twelve
stones <68> , and ye shall carry <05674 +<abar > them over
<05674 +<abar > with you , and leave <03241 +Yaniym > them in
the lodging <04411 +malown > place , where <00834 +>aher > ye
shall lodge <03885 +luwn > this night <03915 +layil > .

07272 JOS 003 015 And as they that bare <05375 +nasa> > the ark
<00727 +>arown > were come <00935 +bow> > unto Jordan <03383
+Yarden > , and the feet <{07272} +regel > of the priests <03548
+kohen > that bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > were
dipped <02881 +tabal > in the brim <07097 +qatseh > of the water
<04325 +mayim > , (for Jordan <03383 +Yarden > overfloweth
<04390 +male> > all <03605 +kol > his banks <01415 +gadah > all
<03605 +kol > the time <03117 +yowm > of harvest <07105 +qatsiyr
> ,)

07272 JOS 003 013 And it shall come <01961 +hayah > to pass , as
soon as the soles <03709 +kaph > of the feet <{07272} +regel >
of the priests <03548 +kohen > that bear <05375 +nasa> > the ark
<00727 +>arown > of the LORD <03068 +Y@hovah > , the Lord <00113
+>adown > of all <03605 +kol > the earth <00776 +>erets > ,
shall rest <05117 +nuwach > in the waters <04325 +mayim > of
Jordan <03383 +Yarden > , [that] the waters <04325 +mayim > of
Jordan <03383 +Yarden > shall be cut <03772 +karath > off [from
] the waters <04325 +mayim > that come <03381 +yarad > down
<03381 +yarad > from above <04605 +ma<al > ; and they shall
stand <05975 +<amad > upon an heap <05067 +ned > .

07272 JOS 001 003 Every <03605 +kol > place <04725 +maqowm >
that the sole <03709 +kaph > of your foot <{07272} +regel >
shall tread <01869 +darak > upon , that have I given <05414
+nathan > unto you , as I said <01696 +dabar > unto Moses <04872
+Mosheh > .

07272 DEU 033 024 And of Asher <00836 +>Asher > he said <00559
+>amar > , [Let] Asher <00836 +>Asher > [be] blessed <01288
+barak > with children <01121 +ben > ; let him be acceptable
<07522 +ratsown > to his brethren <00251 +>ach > , and let him
dip <02881 +tabal > his foot <{07272} +regel > in oil <08081
+shemen > .

07272 DEU 033 003 Yea <00637 +>aph > , he loved <02245 +chabab >
the people <05971 +<am > ; all <03605 +kol > his saints <06918
+qadowsh > [are] in thy hand <03027 +yad > : and they sat
<08497 +takah > down <08497 +takah > at thy feet <{07272} +regel
> ; [every one] shall receive <05375 +nasa> > of thy words
<01703 +dabbarah > .

07272 DEU 032 035 To me [belongeth] vengeance <05359 +naqam > ,
and recompence <08005 +shillem > ; their foot <{07272} +regel >
shall slide <04131 +mowt > in [due] time <06256 +<eth > : for
the day <03117 +yowm > of their calamity <00343 +>eyd > [is]
at <07138 +qarowb > hand <07138 +qarowb > , and the things that
shall come <06264 +<athiyd > upon them make haste <02363 +chuwsh
> .

07272 DEU 029 005 And I have led <03212 +yalak > you forty
<00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > in the wilderness

<04057 +midbar > : your clothes <08008 +salmah > are not waxen old <01086 +balah > upon you , and thy shoe <05275 +na<al > is not waxen old <01086 +balah > upon thy foot <{07272} +regel > .

07272 DEU 028 065 And among these <01992 +hem > nations <01471 +gowy > shalt thou find no <03808 +lo> > ease <07280 +raga< > , neither <03808 +lo> > shall the sole <03709 +kaph > of thy foot <{07272} +regel > have <01961 +hayah > rest <04494 +manowach > : but the LORD <03068 +Y@hovah > shall give <05414 +nathan > thee there <08033 +sham > a trembling <07268 +raggaz > heart <03820 +leb > , and failing <03631 +killayown > of eyes <05869 +<ayin > > , and sorrow <01671 +d@>abown > of mind <05315 +nephesh > :

07272 DEU 028 057 And toward her young <07988 +shilyah > one that cometh <03318 +yatsa> > out from between <00996 +beyn > her feet <{07272} +regel > , and toward her children <01121 +ben > which <00834 +>aher > she shall bear <03205 +yalad > : for she shall eat <00398 +>akal > them for want <02640 +chocer > of all <03605 +kol > [things] secretly <05643 +cether > in the siege <04692 +matsowr > and straitness <04689 +matsowq > , wherewith <00834 +>aher > thine enemy <00341 +>oyeb > shall distress <06693 +tsuwq > thee in thy gates <08179 +sha<ar > > .

07272 DEU 028 056 The tender <07390 +rak > and delicate <06028 +<anog > woman among you , which <00834 +>aher > would not adventure <05254 +nacah > to set <03322 +yatsag > the sole <03709 +kaph > of her foot <{07272} +regel > upon the ground <00776 +>erets > for delicateness <06026 +<anag > and tenderness <07391 +rok > , her eye <05869 +<ayin > shall be evil <07489 +ra<a< > toward the husband <00376 +>iysh > of her bosom <02436 +cheyq > , and toward her son <01121 +ben > , and toward her daughter <01323 +bath > ,

07272 DEU 028 035 The LORD <03068 +Y@hovah > shall smite <05221 +nakah > thee in the knees <01290 +berek > , and in the legs <07785 +showq > , with a sore <07451 +ra< > botch <07822 +sh@chiyn > that cannot be healed <07495 +rapha> > , from the sole <03709 +kaph > of thy foot <{07272} +regel > unto the top <06936 +qodqod > of thy head <06936 +qodqod > .

07272 DEU 025 009 Then shall his brother s <02994 +Y@bemeth > wife <02994 +Y@bemeth > come <05066 +nagash > unto him in the presence <05869 +<ayin > of the elders <02205 +zaqen > , and loose <02502 +chalats > his shoe <05275 +na<al > from off <05921 +<al > his foot <{07272} +regel > , and spit <03417 +yaraq > in his face <06440 +paniym > , and shall answer <06030 +<anah > and say <00559 +>amar > , So <03602 +kakah > shall it be done <06213 +<asah > unto that man <00376 +>iysh > that will not build <01129 +banah > up his brother s <00251 +>ach > house <01004 +bayith > .

07272 DEU 019 021 And thine eye <05869 +<ayin > shall not pity <02347 +chuwc > ; [but] life <05315 +nephesh > [shall go] for life <05315 +nephesh > , eye <05869 +<ayin > for eye <05869 +<ayin > , tooth <08127 +shen > for tooth <08127 +shen > , hand <03027 +yad > for hand <03027 +yad > , foot <{07272} +regel > for foot <07272 +regel > .

07272 DEU 019 021 And thine eye <05869 +<ayin > shall not pity <02347 +chuwc > ; [but] life <05315 +nephesh > [shall go] for life <05315 +nephesh > , eye <05869 +<ayin > for eye <05869 +<ayin > , tooth <08127 +shen > for tooth <08127 +shen > , hand <03027 +yad > for hand <03027 +yad > , foot <07272 +regel > for foot <{07272} +regel > .

07272 DEU 011 024 Every <03605 +kol > place <04725 +maqowm >

whereon <00834 +>aher > the soles <03709 +kaph > of your feet
<{07272} +regel > shall tread <01869 +darak > shall be yours :
from the wilderness <04057 +midbar > and Lebanon <03844
+L@banown > , from the river <05104 +nahar > , the river <05104
+nahar > Euphrates <06578 +P@rath > , even unto the uttermost
<00314 +>acharown > sea <03220 +yam > shall your coast <01366
+g@buwl > be .

07272 DEU 011 010 For the land <00776 +>erets > , whither thou
goest <00935 +bow > > in to possess <03423 +yarash > it , [is]
not as the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > ,
from whence ye came <03318 +yatsa > > out , where <00834 +>aher >
thou sowedst <02232 +zara > > thy seed <02233 +zera > > , and
wateredst <08248 +shaqah > [it] with thy foot <{07272} +regel
> , as a garden <01588 +gan > of herbs <03419 +yaraq > :

07272 DEU 011 006 And what <00834 +>aher > he did <06213 +>asah
> unto Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48 > , the sons <01121
+ben > of Eliab <00446 +>Eliy>ab > , the son <01121 +ben > of
Reuben <07205 +R@>uwben > : how <00834 +>aher > the earth <00776
+>erets > opened <06475 +patsah > her mouth <06310 +peh > , and
swallowed <01104 +bala > > them up , and their households <01004
+bayith > , and their tents <00168 +>ohel > , and all <03605
+kol > the substance <03351 +y@quwm > that [was] in their
possession <{07272} +regel > , in the midst <07130 +qereb > of
all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > :

07272 DEU 008 004 Thy raiment <08071 +simlah > waxed not old
<01086 +balah > upon thee , neither <03808 +lo > > did thy foot
<{07272} +regel > swell <01216 +batseq > , these <02088 +zeh >
forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > .

07272 DEU 002 028 Thou shalt sell <07666 +shabar > me meat
<00400 +>okel > for money <03701 +keceph > , that I may eat
<00398 +>akal > ; and give <05414 +nathan > me water <04325
+mayim > for money <03701 +keceph > , that I may drink <08354
+shathah > : only <07535 +raq > I will pass <05674 +>abar >
through on my feet <{07272} +regel > ;

07272 DEU 002 005 Meddle <01624 +garah > not with them ; for I
will not give <05414 +nathan > you of their land <00776 +>erets
> , no , not so much <05704 +>ad > as a foot <{07272} +regel >
breadth <04096 +midrak > ; because <03588 +kiy > I have given
<05414 +nathan > mount <02022 +har > Seir <08165 +Se<iyr > unto
Esau <06215 +>Esav > [for] a possession <03425 +y@rushah > .

07272 NUM 022 025 And when the ass <00860 +>athown > saw <07200
+ra>ah > the angel <04397 +mal>ak > of the LORD <03068 +Y@hovah
> , she thrust <03905 +lachats > herself unto the wall <07023
+qiy > , and crushed <03905 +lachats > Balaam s <01109 +Bi l<am
> foot <{07272} +regel > against <00413 +>el > the wall <07023
+qiy > : and he smote <05221 +nakah > her again <03254 +yacaph
> .

07272 NUM 020 019 And the children <01121 +ben > of Israel
<03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > unto him , We will go
<05927 +>alah > by the high <04546 +m@cillah > way : and if
<00518 +>im > I and my cattle <04735 +miqneh > drink <08354
+shathah > of thy water <04325 +mayim > , then I will pay for it
: I will only <07535 +raq > , without <00369 +>ayin > [doing]
any thing [else] , go <05674 +>abar > through <05674 +>abar >
on my feet <{07272} +regel > .

07272 LEV 014 028 And the priest <03548 +kohen > shall put
<05414 +nathan > of the oil <08081 +shemen > that [is] in his
hand <03709 +kaph > upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right
12/8/2021

<03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > , upon the place <04725 +maqowm > of the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering :

07272 LEV 014 025 And he shall kill <07819 +shachat > the lamb <03532 +kebes > of the trespass <00817 +>asham > offering , and the priest <03548 +kohen > shall take <03947 +laqach > [some] of the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering , and put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > :

07272 LEV 014 017 And of the rest <03499 +yether > of the oil <08081 +shemen > that [is] in his hand <03709 +kaph > shall the priest <03548 +kohen > put <05414 +nathan > upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > , upon the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering :

07272 LEV 014 014 And the priest <03548 +kohen > shall take <03947 +laqach > [some] of the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering , and the priest <03548 +kohen > shall put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > :

07272 LEV 013 012 And if <00518 +>im > a leprosy <06883 +tsara<ath > break <06524 +parach > out abroad <06524 +parach > in the skin <05785 +<owr > , and the leprosy <06883 +tsara<ath > cover <03680 +kacah > all <03605 +kol > the skin <05785 +<owr > of [him that hath] the plague <05061 +nega< > from his head <07218 +ro>sh > even to his foot <{07272} +regel > , wheresoever <03605 +kol > the priest <03548 +kohen > looketh ;

07272 LEV 011 042 Whatsoever <03605 +kol > goeth <01980 +halak > upon the belly <01512 +gachown > , and whatsoever <03605 +kol > goeth <01980 +halak > upon [all] four <00702 +>arba< > , or <05704 +<ad > whatsoever <03605 +kol > hath more <07235 +rabah > feet <{07272} +regel > among all <03605 +kol > creeping <08318 +sherets > things that creep <08317 +sharats > upon the earth <00776 +>erets > , them ye shall not eat <00398 +>akal > ; for they [are] an abomination <08263 +sheqets > .

07272 LEV 011 023 But all <03605 +kol > [other] flying <05775 +<owph > creeping <08318 +sherets > things , which <00834 +>aher > have four <00702 +>arba< > feet <{07272} +regel > , [shall be] an abomination <08263 +sheqets > unto you .

07272 LEV 011 021 Yet <00389 +>ak > these <02088 +zeh > may ye eat <00398 +>akal > of every <03605 +kol > flying <05775 +<owph > creeping <08318 +sherets > thing that goeth <01980 +halak > upon [all] four <00702 +>arba< > , which <00834 +>aher > have legs <03767 +kara< > above <04605 +ma<al > their feet <{07272} +regel > , to leap <05425 +nathar > withal <02004 +hen > upon

the earth <00776 +>erets > ;

07272 LEV 008 024 And he brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and Moses <04872 +Mosheh > put <05414 +nathan > of the blood <01818 +dam > upon the tip <08571 +t@nuwk > of their right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumbs <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hands <03027 +yad > , and upon the great toes <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > feet <{07272} +regel > : and Moses <04872 +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mi zbeach > round <05439 +cabi yb > about .

07272 LEV 008 023 And he slew <07819 +shachat > [it] ; and Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > of the blood <01818 +dam > of it , and put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of Aaron s <00175 +>Aharown > right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > .

07272 EXO 040 031 And Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > washed <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > thereat :

07272 EXO 037 013 And he cast <03332 +yatsaq > for it four <00702 +>arba< > rings <02885 +tabba<ath > of gold <02091 +zahab > , and put <05414 +nathan > the rings <02885 +tabba<ath > upon the four <00702 +>arba< > corners <06285 +pe>ah > that [were] in the four <00702 +>arba< > feet <{07272} +regel > thereof .

07272 EXO 030 021 So they shall wash <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > , that they die <04191 +muwth > not : and it shall be a statute <02706 +choq > for ever <05769 +<owlam > to them , [even] to him and to his seed <02233 +zera< > throughout their generations <01755 +dowr > .

07272 EXO 030 019 For Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > shall wash <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > thereat :

07272 EXO 029 020 Then shalt thou kill <07819 +shachat > the ram <00352 +>ayil > , and take <03947 +laqach > of his blood <01818 +dam > , and put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right ear <00241 +>ozen > of Aaron <00175 +>Aharown > , and upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of his sons <01121 +ben > , and upon the thumb <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > , and sprinkle <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mi zbeach > round <05439 +cabi yb > about .

07272 EXO 025 026 And thou shalt make <06213 +<asah > for it four <00702 +>arba< > rings <02885 +tabba<ath > of gold <02091 +zahab > , and put <05414 +nathan > the rings <02885 +tabba<ath > in the four <00702 +>arba< > corners <06285 +pe>ah > that [are] on <05921 +<al > the four <00702 +>arba< > feet <{07272} +regel > thereof .

07272 EXO 024 010 And they saw <07200 +ra>ah > the God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yi sra>el > : and [there was] under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > as it were a

paved <03840 +libnah > work <04639 +ma<aseh > of a sapphire
<05601 +cappiyr > stone , and as it were the body <06106 +<etsem
> of heaven <08064 +shamayim > in [his] clearness <02892
+tohar > .

07272 EX0 012 011 And thus <03602 +kakah > shall ye eat <00398
+>akal > it ; [with] your loins <04975 +mothen > girded <02296
+chagar > , your shoes <05275 +na<al > on your feet <{07272}
+regel > , and your staff <04731 +maqel > in your hand <03027
+yad > ; and ye shall eat <00398 +>akal > it in haste <02649
+chippazown > : it [is] the LORD S <03068 +Y@hovah > passover
<06453 +pecach > .

07272 EX0 011 008 And all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh
> thy servants <05650 +<ebed > shall come <03381 +yarad > down
<03381 +yarad > unto me , and bow <07812 +shachah > down <07812
+shachah > themselves unto me , saying <00559 +>amar > , Get
<03318 +yatsa> > thee out , and all <03605 +kol > the people
<05971 +<am > that follow <{07272} +regel > thee : and after
<00310 +>achar > that I will go <03318 +yatsa> > out . And he
went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > in a
great <02750 +choriy > anger <00639 +>aph > .

07272 EX0 004 025 Then Zipporah <03855 +Lahad > took <03947
+laqach > a sharp <06864 +tsor > stone <06697 +tsuwr > , and cut
<03772 +karath > off the foreskin <06190 +<orlah > of her son
<01121 +ben > , and cast <05060 +naga< > [it] at his feet
<{07272} +regel > , and said <00559 +>amar > , Surely <03588
+kiy > a bloody <01818 +dam > husband <02860 +chathan > [art]
thou to me .

07272 EX0 003 005 And he said <00559 +>amar > , Draw not nigh
<07126 +qarab > hither <01988 +halom > : put <05394 +nashal >
off thy shoes <05275 +na<al > from off thy feet <{07272} +regel
> , for the place <04725 +maqom > whereon thou standest <05975
+<amad > [is] holy <06944 +qodesh > ground <00127 +>adamah > .

07272 GEN 049 033 And when Jacob <03290 +Ya<aqob > had made an
end <03615 +kalah > of commanding <06680 +tsavah > his sons
<01121 +ben > , he gathered <00622 +>acaph > up his feet
<{07272} +regel > into <00413 +>el > the bed <04296 +mittah > ,
and yielded <01478 +gava< > up the ghost <01478 +gava< > , and
was gathered <00622 +>acaph > unto his people <05971 +<am > .

07272 GEN 049 010 The sceptre <07626 +shebet > shall not depart
<05493 +cuwr > from Judah <03063 +Y@huwdah > , nor a lawgiver
<02710 +chaqaaq > from between <00996 +beyn > his feet <{07272}
+regel > , until Shiloh <07886 +Shiylah > come <00935 +bow> > ;
and unto him [shall] the gathering <03349 +yiqqahah > of the
people <05971 +<am > [be] .

07272 GEN 043 024 And the man <00376 +>iysh > brought <00935
+bow> > the men <00582 +>enowsh > into Joseph s <03130 +Yowceph
> house <01004 +bayith > , and gave <05414 +nathan > [them]
water <04325 +mayim > , and they washed <07364 +rachats > their
feet <{07272} +regel > ; and he gave <05414 +nathan > their
asses <02543 +chamowr > provender <04554 +micpow> > .

07272 GEN 041 044 And Pharaoh <06547 +Par<oh > said <00559
+>amar > unto Joseph <03130 +Yowceph > , I [am] Pharaoh <06547
+Par<oh > , and without <01107 +bil<adey > thee shall no <03808
+lo> > man <00376 +>iysh > lift <07311 +ruwm > up his hand
<03027 +yad > or foot <{07272} +regel > in all <03605 +kol > the
land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

07272 GEN 033 014 Let my lord <00113 +>adown > , I pray <04994

+na> > thee , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > before
<06440 +paniym > his servant <05650 +<ebed > : and I will lead
<05095 +nahal > on softly <00328 +>at > , according <{07272}
+regel > as the cattle <04399 +m@la>kah > that goeth before
<06440 +paniym > me and the children <03206 +yeled > be able
<07272 +regel > to endure <07272 +regel > , until <05704 +<ad >
I come <00935 +bow> > unto my lord <00113 +>adown > unto Seir
<08165 +Se<iyr > .

07272 GEN 033 014 Let my lord <00113 +>adown > , I pray <04994
+na> > thee , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > before
<06440 +paniym > his servant <05650 +<ebed > : and I will lead
<05095 +nahal > on softly <00328 +>at > , according <07272
+regel > as the cattle <04399 +m@la>kah > that goeth before
<06440 +paniym > me and the children <03206 +yeled > be able
<{07272} +regel > to endure <07272 +regel > , until <05704 +<ad
> I come <00935 +bow> > unto my lord <00113 +>adown > unto Seir
<08165 +Se<iyr > .

07272 GEN 033 014 Let my lord <00113 +>adown > , I pray <04994
+na> > thee , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > before
<06440 +paniym > his servant <05650 +<ebed > : and I will lead
<05095 +nahal > on softly <00328 +>at > , according <07272
+regel > as the cattle <04399 +m@la>kah > that goeth before
<06440 +paniym > me and the children <03206 +yeled > be able
<07272 +regel > to endure <{07272} +regel > , until <05704 +<ad
> I come <00935 +bow> > unto my lord <00113 +>adown > unto Seir
<08165 +Se<iyr > .

07272 GEN 030 030 For [it was] little <04592 +m@<at > which
<00834 +>aher > thou hadst before <06440 +paniym > I [came] ,
and it is [now] increased <06555 +parats > unto a multitude
<07230 +rob > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > hath blessed
<01288 +barak > thee since my coming <{07272} +regel > : and now
<06258 +<attah > when <04970 +mathay > shall I provide <06213
+<asah > for mine own house <01004 +bayith > also <01571 +gam > ?

07272 GEN 024 032 And the man <00376 +>iysh > came <00935 +bow>
> into the house <01004 +bayith > : and he ungirded <06605
+pathach > his camels <01581 +gamal > , and gave <05414 +nathan
> straw <08401 +teben > and provender <04554 +micpow> > for the
camels <01581 +gamal > , and water <04325 +mayim > to wash
<07364 +rachats > his feet <{07272} +regel > , and the men s
<00582 +>enowsh > feet <07272 +regel > that [were] with him .

07272 GEN 024 032 And the man <00376 +>iysh > came <00935 +bow>
> into the house <01004 +bayith > : and he ungirded <06605
+pathach > his camels <01581 +gamal > , and gave <05414 +nathan
> straw <08401 +teben > and provender <04554 +micpow> > for the
camels <01581 +gamal > , and water <04325 +mayim > to wash
<07364 +rachats > his feet <07272 +regel > , and the men s
<00582 +>enowsh > feet <{07272} +regel > that [were] with him .

07272 GEN 019 002 And he said <00559 +>amar > , Behold <02009
+hinneh > now <04994 +na> > , my lords <00113 +>adown > , turn
<05493 +cuwr > in , I pray <04994 +na> > you , into <00413 +>el
> your servants <05650 +<ebed > house <01004 +bayith > , and
tarry <03885 +luwn > all <03885 +luwn > night , and wash <07364
+rachats > your feet <{07272} +regel > , and ye shall rise
<07925 +shakam > up early <07925 +shakam > , and go <01980
+halak > on your ways <01870 +derek > . And they said <00559
+>amar > , Nay ; but we will abide <03885 +luwn > in the street
<07339 +r@chob > all <03885 +luwn > night .

07272 GEN 018 004 Let a little <04592 +m@<at > water <04325
+mayim > , I pray <04994 +na> > you , be fetched <03947 +laqach
12/8/2021

> , and wash <07364 +rachats > your feet <{07272} +regel > , and rest <08172 +sha<an > yourselves under <08478 +tachath > the tree <06086 +<ets > :

07272 PSA 121 003 He will not suffer <05414 +nathan > thy foot <{07272} +regel > to be moved <04132 +mowt > : he that keepeth <08104 +shamar > thee will not slumber <05123 +nuwm > .

07272 ISA 028 003 The crown <05850 +<atarah > of pride <01348 +ge>uwth > , the drunkards <07910 +shikkowr > of Ephraim <00669 +>Ephrayim > , shall be trodden <07429 +ramac > under feet <{07272} +regel > :

07272 ISA 060 014 The sons <01121 +ben > also of them that afflicted <06031 +<anah > thee shall come <01980 +halak > bending <07817 +shachach > unto thee ; and all <03605 +kol > they that despised <05006 +na>ats > thee shall bow <07812 +shachah > themselves down <07812 +shachah > at <05921 +<al > the soles <03709 +kaph > of thy feet <{07272} +regel > ; and they shall call <07121 +qara> > thee , The city <05892 +<iyr > of the LORD <03068 +Y@hovah > , The Zion <06726 +Tsiyown > of the Holy <06918 +qadowsh > One of Israel <03478 +Yisra>el > .

07272 ISA 060 013 The glory <03519 +kabowd > of Lebanon <03844 +L@banown > shall come <00935 +bow> > unto thee , the fir <01265 +b@rowsh > tree , the pine <08410 +tidhar > tree , and the box <08391 +t@>ashshuwr > together <03162 +yachad > , to beautify <06286 +pa>ar > the place <04725 +maqowm > of my sanctuary <04720 +miqdash > ; and I will make <07760 +suwm > the place <04725 +maqowm > of my feet <{07272} +regel > glorious <03513 +kabad > .

07272 ISA 059 007 Their feet <{07272} +regel > run <07323 +ruwts > to evil <07451 +ra< > , and they make haste <04116 +mahar > to shed <08210 +shaphak > innocent <05355 +naqiy > blood <01818 +dam > : their thoughts <04284 +machashabah > [are] thoughts <04284 +machashabah > of iniquity <00205 +>aven > ; wasting <07701 +shod > and destruction <07667 +sheber > [are] in their paths <04546 +m@cillah > .

07272 ISA 058 013 . If <00518 +>im > thou turn <07725 +shuwb > away thy foot <{07272} +regel > from the sabbath <07676 +shabbath > , [from] doing <06213 +<asah > thy pleasure <02656 +chephets > on my holy <06944 +qodesh > day <03117 +yowm > ; and call <07121 +qara> > the sabbath <07676 +shabbath > a delight <06027 +<oneg > , the holy <06918 +qadowsh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , honourable <03513 +kabad > ; and shalt honour <03513 +kabad > him , not doing <06213 +<asah > thine own ways <01870 +derek > , nor finding <04672 +matsa> > thine own pleasure <02656 +chephets > , nor speaking <01696 +dabar > [thine own] words <01697 +dabar > :

07272 ISA 052 007 . How <04100 +mah > beautiful <04998 +na>ah > upon the mountains <02022 +har > are the feet <{07272} +regel > of him that bringeth <01319 +basar > good <02896 +towb > tidings <01319 +basar > , that publisheth <08085 +shama< > peace <07965 +shalowm > ; that bringeth <01319 +basar > good <02896 +towb > tidings <01319 +basar > of good <02896 +towb > , that publisheth <08085 +shama< > salvation <03444 +y@shuw<ah > ; that saith <00559 +>amar > unto Zion <06726 +Tsiyown > , Thy God <00430 +>elohiym > reigneth <04427 +malak > !

07272 ISA 049 023 And kings <04428 +melak > shall be thy nursing <00539 +>aman > fathers , and their queens <08282 +sarah > thy nursing <03243 +yanaq > mothers : they shall bow <07812 +shachah > down <07812 +shachah > to thee with [their] face <00639

+>aph > toward the earth <00776 +>erets > , and lick <03897
 +lachak > up the dust <06083 +<aphar > of thy feet <{07272}
 +regel > ; and thou shalt know <03045 +yada< > that I [am] the
 LORD <03068 +Y@hovah > : for they shall not be ashamed <00954
 +buwsh > that wait <06960 +qavah > for me .

07272 ISA 041 003 He pursued <07291 +radaph > them , [and]
 passed <05674 +<abar > safely <07965 +shalowm > ; [even] by
 the way <00734 +>orach > [that] he had not gone <00935 +bow> >
 with his feet <{07272} +regel > .

07272 ISA 041 002 Who <04310 +miy > raised <05782 +<uwr > up the
 righteous <06664 +tsedeg > [man] from the east <04217 +mizrach
 > , called <07121 +qara> > him to his foot <{07272} +regel > ,
 gave <05414 +nathan > the nations <01471 +gowy > before <06440
 +paniym > him , and made [him] rule <07287 +radah > over kings
 <04428 +melek > ? he gave <05414 +nathan > [them] as the dust
 <06083 +<aphar > to his sword <02719 +chereb > , [and] as
 driven <05086 +nadaph > stubble <07179 +qash > to his bow <07198
 +qesheth > .

07272 ISA 032 020 Blessed <00835 +>esher > [are] ye that sow
 <02232 +zara< > beside <05921 +<al > all <03605 +kol > waters
 <04325 +mayim > , that send <07971 +shalach > forth [thi ther]
 the feet <{07272} +regel > of the ox <07794 +showr > and the ass
 <02543 +chamowr > .

07272 ISA 017 006 And [he had] greaves <04697 +mitschah > of
 brass <05178 +n@chosheth > upon his legs <{07272} +regel > , and
 a target <03591 +kiydown > of brass <05178 +n@chosheth > between
 <00996 +beyn > his shoulders <03802 +katheph > .

07272 EZE 032 013 I will destroy <6> also all <03605 +kol > the
 beasts <00929 +b@hemah > thereof from beside <05921 +<al > the
 great <07227 +rab > waters <04325 +mayim > ; nei ther <03808 +lo>
 > shall the foot <{07272} +regel > of man <00120 +>adam >
 trouble <04103 +m@huwmah > them any more <05750 +<owd > , nor
 <03808 +lo> > the hoofs <06541 +parcah > of beasts <00929
 +b@hemah > trouble <01804 +dalach > them .

07272 EZE 032 002 Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > ,
 take <05375 +nasa> > up a lamentation <07015 +qiynah > for
 Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714
 +Mitsrayim > , and say <00559 +>amar > unto him , Thou art like
 a young <03715 +k@phiyr > lion <03715 +k@phiyr > of the nations
 <01471 +gowy > , and thou [art] as a whale <08565 +tan > in
 the seas <03220 +yam > : and thou camest <01518 +giyach > forth
 <01518 +giyach > with thy rivers <05104 +nahar > , and
 troubledst <01804 +dalach > the waters <04325 +mayim > with thy
 feet <{07272} +regel > , and fouledst <007515 + +raphas <eduwth
 > their rivers <05104 +nahar > .

07272 EZE 029 011 No <03808 +lo> > foot <{07272} +regel > of man
 <00120 +>adam > shall pass <05674 +<abar > through it , nor
 <03808 +lo> > foot <07272 +regel > of beast <00929 +b@hemah >
 shall pass <05674 +<abar > through it , nei ther <03808 +lo> >
 shall it be inhabited <03427 +yashab > forty <00705 +>arba<iym >
 years <08141 +shaneh > .

07272 ISA 007 020 In the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm >
 shall the Lord <00136 +>Adonay > shave <01548 +galach > with a
 razor <08593 +ta<ar > that is hired <07917 +s@kiyrah > , [
 namely] , by them beyond <05676 +<eber > the river <05104
 +nahar > , by the king <04428 +melek > of Assyria <00804
 +>Ashshuwr > , the head <07218 +ro>sh > , and the hair <08181
 +se<ar > of the feet <{07272} +regel > : and it shall also
 12/8/2021

<01571 +gam > consume <05595 +caphah > the beard <02206 +zaqan >

07272 EZE 025 006 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Because <03282 +ya<an > thou hast clapped <04222 +macha> > [thine] hands <03027 +yad > , and stamped <07554 +raqa< > with the feet <{07272} +regel > , and rejoiced <08055 +samach > in heart <05315 +nephesh > with all <03605 +kol > thy despite <07589 +sh@>at > against <00413 +>el > the land <00127 +>adamah > of Israel <03478 +Yi sra>el > ;

07272 EZE 024 023 And your tires <06287 +p@>er > [shall be] upon your heads <07218 +ro>sh > , and your shoes <05275 +na<al > upon your feet <{07272} +regel > : ye shall not mourn <05594 +caphad > nor <03808 +lo> > weep <01058 +bakah > ; but ye shall pine <04743 +maqaq > away for your iniquities <05771 +<avon > , and mourn <05098 +naham > one <00376 +>iysh > toward <00413 +>el > another <00250 +>Ezrachiy > .

07272 EZE 024 017 Forbear <01826 +damam > to cry <00602 +>anaq > , make <06213 +<asah > no <03808 +lo> > mourning <60> for the dead <04191 +muwth > , bind <02280 +chabash > the tire <06287 +p@>er > of thine head upon thee , and put <07760 +suwm > on thy shoes <05275 +na<al > upon thy feet <{07272} +regel > , and cover <05844 +<atah > not [thy] lips <08222 +sapham > , and eat <00398 +>akal > not the bread <03899 +lechem > of men <00582 +>enowsh > .

07272 EZE 016 025 Thou hast built <01129 +banah > thy high <07413 +ramah > place at <00413 +>el > every <03605 +kol > head <07218 +ro>sh > of the way <01870 +derek > , and hast made thy beauty <03308 +yophiy > to be abhorred <08581 +ta<ab > , and hast opened <06589 +pasaq > thy feet <{07272} +regel > to every <03605 +kol > one that passed <05674 +<abar > by , and multiplied <07235 +rabah > thy whoredoms <08457 +taznuwth > .

07272 EZE 006 011 . Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Smite <05221 +nakah > with thine hand <03709 +kaph > , and stamp <07554 +raqa< > with thy foot <{07272} +regel > , and say <00559 +>amar > , Alas <00253 +>ach > for all <03605 +kol > the evil <07451 +ra< > abominations <08441 +tow<ebah > of the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yi sra>el > ! for they shall fall <05307 +naphal > by the sword <02719 +chereb > , by the famine <07458 +ra<ab > , and by the pestilence <01698 +deber > .

07272 EZE 003 024 Then the spirit <07307 +ruwach > entered <00935 +bow> > into me , and set <05975 +<amad > me upon my feet <{07272} +regel > , and spake <01696 +dabar > with me , and said <00559 +>amar > unto me , Go <00935 +bow> > , shut <05462 +cagar > thyself within <08432 +tavek > thine house <01004 +bayith > .

07272 EZE 002 002 And the spirit <07307 +ruwach > entered <00935 +bow> > into me when <00834 +>aher > he spake <01696 +dabar > unto me , and set <05975 +<amad > me upon my feet <{07272} +regel > , that I heard <08085 +shama< > him that spake <01696 +dabar > unto me .

07272 EZE 002 001 . And he said <00559 +>amar > unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , stand <05975 +<amad > upon thy feet <{07272} +regel > , and I will speak <01696 +dabar > unto thee .

07272 EZE 001 007 And their feet <{07272} +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <07272 +regel > ; and the sole

<03709 +kaph > of their feet <07272 +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <07272 +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 EZE 001 007 And their feet <07272 +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <{07272} +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <{07272} +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <07272 +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 EZE 001 007 And their feet <07272 +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <07272 +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <{07272} +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <07272 +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 EZE 001 007 And their feet <07272 +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <07272 +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <07272 +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <{07272} +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 LAM 003 034 To crush <01792 +daka> > under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > all <03605 +kol > the prisoners <00615 +>aciyr > of the earth <00776 +>erets > ,

07272 LAM 001 013 From above <04791 +marowm > hath he sent <07971 +shalach > fire <00784 +>esh > into my bones <06106 +<etsem > , and it prevailed <07287 +radah > against them : he hath spread <06566 +paras > a net <07568 +resheth > for my feet <{07272} +regel > , he hath turned <07725 +shuwb > me back <00268 +>achowr > : he hath made <05414 +nathan > me desolate <08076 +shamem > [and] faint <01738 +davah > all <03605 +kol > the day <03117 +yowm > .

07272 JER 038 022 And , behold <02009 +hinneh > , all <03605 +kol > the women <00802 +>ishshah > that are left <07604 +sha>ar > in the king <04428 +melek > of Judah s <03063 +Y@huwdah > house <01004 +bayith > [shall be] brought <03318 +yatsa> > forth <04163 +mowtsa>ah > to the king <04428 +melek > of Babylon s <00894 +Babel > princes <08269 +sar > , and those <02007 +hennah > [women] shall say <00559 +>amar > , Thy friends have set <05496 +cuwth > thee on , and have prevailed <03201 +yakol > against thee : thy feet <{07272} +regel > are sunk <02883 +taba< > in the mire <01206 +bots > , [and] they are turned <05472 +cuwg > away back <00268 +>achowr > .

07272 JER 018 022 Let a cry <02201 +za<aq > be heard <08085 +shama< > from their houses <01004 +bayith > , when <03588 +kiy > thou shalt bring <00935 +bow> > a troop <01416 +g@duwd > suddenly <06597 +pith>owm > upon them : for they have digged <03738 +karah > a pit to take <03920 +lakad > me , and hid <02934 +taman > snares <06341 +pach > for my feet <{07272} +regel > .

07272 JER 014 010 . Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto this <02088 +zeh > people <05971 +<am > , Thus <03651 +ken > have they loved <00157 +>ahab > to

wander <05128 +nuwa< > , they have not refrained <02820 +chasak > their feet <{07272} +regel > , therefore the LORD <03068 +Y@hovah > doth not accept <07521 +ratsah > them ; he will now <04994 +na> > remember <02142 +zakar > their iniquity <05771 +<avon > , and visit <06485 +paqad > their sins <02403 +chatta>ah > .

07272 JER 013 016 Give <05414 +nathan > glory <03519 +kabowd > to the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiy m > , before <02962 +terem > he cause darkness <02821 +chashak > , and before <02962 +terem > your feet <{07272} +regel > stumble <05062 +nagaph > upon the dark <05399 +nesheph > mountains <02022 +har > , and , while ye look <06960 +qavah > for light <00216 +>owr > , he turn <07760 +suwm > it into the shadow <06757 +tsalmaveth > of death <06757 +tsalmaveth > , [and] make <07896 +shiyth > [it] gross <06205 +<araphel > darkness <06205 +<araphel > .

07272 PRO 004 027 Turn <05186 +natah > not to the right <03225 +yamiyn > hand <03227 +y@miyniy > nor to the left <08040 +s@mo>wl > : remove <05493 +cuwr > thy foot <{07272} +regel > from evil <07451 +ra< > .

07272 PRO 004 026 Ponder <06424 +palac > the path <04570 +ma<gal > of thy feet <{07272} +regel > , and let all <03605 +kol > thy ways <01870 +derek > be established <03559 +kuwn > .

07272 PRO 003 026 For the LORD <03068 +Y@hovah > shall be thy confidence <03689 +kecel > , and shall keep <08104 +shamar > thy foot <{07272} +regel > from being taken <03921 +leked > .

07272 PRO 003 023 Then <00227 +>az > shalt thou walk <03212 +yalak > in thy way <01870 +derek > safely <00983 +betach > , and thy foot <{07272} +regel > shall not stumble <05062 +nagaph > .

07272 PRO 001 016 For their feet <{07272} +regel > run <07323 +ruwts > to evil <07451 +ra< > , and make haste <04116 +mahar > to shed <08210 +shaphak > blood <01818 +dam > .

07272 PRO 001 015 My son <01121 +ben > , walk <03212 +yalak > not thou in the way <01870 +derek > with them ; refrain <04513 +mana< > thy foot <{07272} +regel > from their path <05410 +nathiyb > :

07272 PSA 122 002 Our feet <{07272} +regel > shall stand <05975 +<amad > within thy gates <08179 +sha<ar > , O Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > .

07272 ZEC 014 004 And his feet <{07272} +regel > shall stand <05975 +<amad > in that day <03117 +yowm > upon the mount <02022 +har > of Olives <02132 +zayith > , which <00834 +>aher > [is] before Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > on the east <06924 +qedem > , and the mount <02022 +har > of Olives <02132 +zayith > shall cleave <01234 +baqa< > in the midst <02677 +chetsiy > thereof toward the east <04217 +mizrach > and toward the west <03220 +yam > , [and there shall be] a very <03966 +m@<od > great <01419 +gadowl > valley <01516 +gay> > ; and half <02677 +chetsiy > of the mountain <02022 +har > shall remove <04185 +muwsh > toward the north <06828 +tsaphown > , and half <02677 +chetsiy > of it toward the south <05045 +negeb > .

07272 HAB 003 019 The LORD <03068 +Y@hovah > God <00136 +>Adonay > [is] my strength <02428 +chayil > , and he will make <07760 +suwm > my feet <{07272} +regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <07272 +regel >] , and he will make me to walk <01869

+darak > upon mine high <01116 +bamah > places . To the chief
<05329 +natsach > singer <05329 +natsach > on my stringed <05058
+n@gi ynah > instruments .

07272 HAB 003 019 The LORD <03068 +Y@hovah > God <00136 +>Adonay
> [is] my strength <02428 +chayil > , and he will make <07760
+suwm > my feet <07272 +regel > like hinds <00355 +>ayalah > [
feet <{07272} +regel >] , and he will make me to walk <01869
+darak > upon mine high <01116 +bamah > places . To the chief
<05329 +natsach > singer <05329 +natsach > on my stringed <05058
+n@gi ynah > instruments .

07272 HAB 003 005 Before <06440 +paniym > him went <03212 +yalak
> the pestilence <01698 +deber > , and burning <07565 +resheph >
coals <07565 +resheph > went <03318 +yatsa> > forth <03318
+yatsa> > at his feet <{07272} +regel > .

07272 NAH 001 015 Behold <02209 +ziqnah > upon the mountains
<02022 +har > the feet <{07272} +regel > of him that bringeth
<01319 +basar > good <01319 +basar > tidings <01319 +basar > ,
that publisheth <08085 +shama< > peace <07965 +shalowm > ! O
Judah <03063 +Y@huwdah > , keep <02287 +chagag > thy solemn
<02282 +chag > feasts <02282 +chag > , perform <07999 +shalam >
thy vows <05088 +neder > : for the wicked <01100 +b@liya<al >
shall no <03808 +lo> > more pass <05674 +<abar > through thee ;
he is utterly <03605 +kol > cut <03772 +karath > off .

07272 NAH 001 003 The LORD <03068 +Y@hovah > [is] slow <00750
+>arek > to anger <00639 +>aph > , and great <01431 +gadal > in
power <03581 +koach > , and will not at all acquit <05352 +naqah
> [the wicked <07563 +rasha< >] : the LORD <03068 +Y@hovah >
hath his way <01870 +derek > in the whirlwind <05492 +cuwphah >
and in the storm <08183 +s@<arah > , and the clouds <06051
+<anan > [are] the dust <80> of his feet <{07272} +regel > .

07272 AMO 002 015 Neither <03808 +lo> > shall he stand <05975
+<amad > that handleth <08610 +taphas > the bow <07198 +qesheth
> ; and [he that is] swift <07031 + qal > of foot <{07272}
+regel > shall not deliver <04422 +malat > [himself <05315
+nephesh >] : neither <03808 +lo> > shall he that rideth <07392
+rakab > the horse <05483 +cuwc > deliver <04422 +malat >
himself <05315 +nephesh > .

07272 EZE 043 007 . And he said <00559 +>amar > unto me , Son
<01121 +ben > of man <00120 +>adam > , the place <04725 +maqowm
> of my throne <03678 +kicce> > , and the place <04725 +maqowm >
of the soles <03709 +kaph > of my feet <{07272} +regel > , where
I will dwell <07931 +shakan > in the midst <08432 +tavek > of
the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > for ever
<05769 +<owlam > , and my holy <06944 +qodesh > name <08034
+shem > , shall the house <01004 +bayith > of Israel <03478
+Yisra>el > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > defile <02930
+tame> > , [neither] they , nor their kings <04428 +melek > ,
by their whoredom <02184 +z@nuwth > , nor by the carcasses <06297
+peger > of their kings <04428 +melek > in their high <01116
+bamah > places .

07272 EZE 037 010 So I prophesied <05012 +naba> > as he
commanded <06680 +tsavah > me , and the breath <07307 +ruwach >
came <00935 +bow> > into them , and they lived <02421 +chayah > ,
and stood <05975 +<amad > up upon their feet <{07272} +regel > ,
an exceeding <03966 +m@<od > great <01419 +gadawl > army <02428
+chayil > .

07272 EZE 034 019 And [as for] my flock <06629 +tso>n > , they
eat <07462 +ra<ah > that which ye have trodden <07429 +ramac >

with your feet <{07272} +regel > ; and they drink <08354 +shathah > that which ye have fouled <04833 +mirpas > with your feet <07272 +regel > .

07272 EZE 034 019 And [as for] my flock <06629 +tso>n > , they eat <07462 +ra<ah > that which ye have trodden <07429 +ramac > with your feet <07272 +regel > ; and they drink <08354 +shathah > that which ye have fouled <04833 +mirpas > with your feet <{07272} +regel > .

07272 EZE 034 018 [Seemeth <05869 +<ayin > it] a small <04592 +m@<at > thing unto you to have eaten <07462 +ra<ah > up the good <02896 +towb > pasture <04829 +mir<eh > , but ye must tread <07429 +ramac > down with your feet <{07272} +regel > the residue <03499 +yether > of your pastures <04829 +mir<eh > ? and to have drunk <08354 +shathah > of the deep <04950 +mishqa< > waters <04325 +mayim > , but ye must foul <007515 + +raphas <eduwth > the residue <03498 +yathar > with your feet <07272 +regel > ?

07272 EZE 034 018 [Seemeth <05869 +<ayin > it] a small <04592 +m@<at > thing unto you to have eaten <07462 +ra<ah > up the good <02896 +towb > pasture <04829 +mir<eh > , but ye must tread <07429 +ramac > down with your feet <07272 +regel > the residue <03499 +yether > of your pastures <04829 +mir<eh > ? and to have drunk <08354 +shathah > of the deep <04950 +mishqa< > waters <04325 +mayim > , but ye must foul <007515 + +raphas <eduwth > the residue <03498 +yathar > with your feet <{07272} +regel > ?

07272 ISA 026 006 The foot <{07272} +regel > shall tread <07429 +ramac > it down , [even] the feet <07272 +regel > of the poor <06041 +<aniy > , [and] the steps <06471 +pa<am > of the needy <01800 +dal > .

07272 ISA 026 006 The foot <07272 +regel > shall tread <07429 +ramac > it down , [even] the feet <{07272} +regel > of the poor <06041 +<aniy > , [and] the steps <06471 +pa<am > of the needy <01800 +dal > .

07272 ISA 023 007 [Is] this <02063 +zo>th > your joyous <05947 +<alliyz > [city] , whose antiquity <06927 +qadmah > [is] of ancient <06924 +qedem > days <03117 +yowm > ? her own feet <{07272} +regel > shall carry <02986 +yabal > her afar <07350 +rachowq > off to sojourn <01481 +guwr > .

07272 ISA 020 002 At the same <01931 +huw> > time <06256 +<eth > spake <01696 +dabar > the LORD <03068 +Y@hovah > by Isai ah <03470 +Y@sha<yah > the son <01121 +ben > of Amoz <00531 +>Amowts > , saying <00559 +>amar > , Go <03212 +yalak > and loose <06605 +pathach > the sackcloth <08242 +saq > from off <05921 +<al > thy loins <04975 +mothen > , and put <02502 +chalats > off thy shoe <05275 +na<al > from thy foot <{07272} +regel > . And he did <06213 +<asah > so <03651 +ken > , walking <01980 +halak > naked <06174 +<arowm > and barefoot <03182 +yacheph > .

07272 ISA 006 002 Above <04605 +ma<al > it stood <05975 +<amad > the seraphims <08314 +saraph > : each <00259 +>echad > one <00259 +>echad > had six <08337 +shesh > wings <03671 +kanaph > ; with twain <08147 +sh@nayim > he covered <03680 +kacah > his face <06440 +paniyim > , and with twain <08147 +sh@nayim > he covered <03680 +kacah > his feet <{07272} +regel > , and with twain <08147 +sh@nayim > he did fly <05774 +<uwph > .

07272 ISA 003 016 . Moreover the LORD <03068 +Y@hovah > saith <00559 +>amar > , Because the daughters <01121 +ben > of Zion

<06726 +Tsiyown > are haughty <01361 +gababh > , and walk <03212 +yalak > with stretched <05186 +natah > forth necks <01627 +garown > and wanton <08265 +saqar > eyes <05869 +<ayin > , walking <01980 +halak > and mincing <02952 +taphaph > [as] they go <03212 +yalak > , and making a tinkling <05913 +<akac > with their feet <{07272} +regel > :

07272 ISA 001 006 From the sole <03709 +kaph > of the foot <{07272} +regel > even unto the head <07218 +ro>sh > [there is] no <00369 +>ayin > soundness <04974 +m@thom > in it ; [but] wounds <06482 +petsa< > , and bruises <02250 +chabbuwrah > , and putrifying <02961 +tariy > sores <04347 +makkah > : they have not been closed <02115 +zuwr > , neither <03808 +lo> > bound <02280 +chabash > up , neither <03808 +lo> > mollified <07401 +rakak > with ointment <08081 +shemen > .

07272 SON 005 003 I have put <06584 +pashat > off my coat <03801 +k@thoneth > ; how <00349 +>eyk > shall I put <03847 +labash > it on ? I have washed <07364 +rachats > my feet <{07272} +regel > ; how <00349 +>eyk > shall I defile <02936 +tanaph > them ?

07272 ECC 005 001 . Keep <08104 +shamar > thy foot <{07272} +regel > when <00834 +>aher > thou goest <03212 +yalak > to the house <01004 +bayith > of God <00430 +>elohiy m > , and be more <07138 +qarowb > ready <07138 +qarowb > to hear <08085 +shama< > , than to give <05414 +nathan > the sacrifice <02077 +zebach > of fools <03684 +k@ciyl > : for they consider <03045 +yada< > not that they do <06213 +<asah > evil <07451 +ra< > .

07272 PRO 026 006 . He that sendeth <07971 +shalach > a message <01697 +dabar > by the hand <03027 +yad > of a fool <03684 +k@ciyl > cutteth <07096 +qatsah > off the feet <{07272} +regel > , [and] drinketh <08354 +shathah > damage <02555 +chamac > .

07272 PRO 025 019 . Confidence <04009 +mibtach > in an unfaithful <00898 +bagad > man in time <03117 +yowm > of trouble <06869 +tsarah > [is like] a broken <07465 +ro<ah > tooth <08127 +shen > , and a foot <{07272} +regel > out of joint <04154 +muw<edeth > .

07272 PRO 025 017 . Withdraw <03365 +yaqar > thy foot <{07272} +regel > from thy neighbour s <07453 +rea< > house <01004 +bayith > ; lest <06435 +pen > he be weary <07646 +saba< > of thee , and [so] hate <08130 +sane> > thee .

07272 PRO 019 002 . Also <01571 +gam > , [that] the soul <05315 +nephesh > [be] without <03808 +lo> > knowledge <01847 +da<ath > , [it is] not good <02896 +towb > ; and he that hasteth <00213 +>uwts > with [his] feet <{07272} +regel > sinneth <02398 +chata> > .

07272 PRO 007 011 (She [is] loud <01993 +hamah > and stubborn <05637 +carar > ; her feet <{07272} +regel > abide <07937 +shakar > not in her house <01004 +bayith > :

07272 PRO 006 028 Can one <00376 +>iysh > go <01980 +halak > upon hot coals <01513 +gechel > , and his feet <{07272} +regel > not be burned <03554 +kavah > ?

07272 PRO 006 018 An heart <03820 +leb > that deviseth <02790 +charash > wicked <00205 +>aven > imaginations <04284 +machashabah > , feet <{07272} +regel > that be swift <04116 +mahar > in running <07323 +ruwts > to mischief <07451 +ra< > ,

07272 PRO 006 013 He winketh <07169 +qarats > with his eyes <05869 +<ayin > , he speaketh <04448 +malal > with his feet

<{07272} +regel > , he teacheth <03384 +yarah > with his fingers
<00676 +>etsba< > ;

07272 PRO 005 005 Her feet <{07272} +regel > go <03381 +yarad >
down <03381 +yarad > to death <04194 +maveth > ; her steps
<06806 +tsa<ad > take <08551 +tamak > hold <08551 +tamak > on
hell <07585 +sh@>owl > .

07272 JER 002 025 Withhold <04513 +mana< > thy foot <{07272}
+regel > from being unshod <03182 +yacheph > , and thy throat
<01627 +garown > from thirst <06773 +tsim>ah > : but thou saidst
<00559 +>amar > , There is no hope <02976 +ya>ash > : no <03808
+lo> > ; for I have loved <00157 +>ahab > strangers <02114 +zuwr
> , and after <00310 +>achar > them will I go <03212 +yalak > .

07272 MAL 004 003 And ye shall tread <06072 +<acac > down the
wicked <07563 +rasha< > ; for they shall be ashes <00665 +>epher
> under <08478 +tachath > the soles <03709 +kaph > of your feet
<{07272} +regel > in the day <03117 +yowm > that I shall do
<06213 +<asah > [this] , saith <00559 +>amar > the LORD <03068
+Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > .

07272 ZEC 014 012 And this <02063 +zo>th > shall be the plague
<04046 +maggephah > wherewith <00834 +>aher > the LORD <03068
+Y@hovah > will smite <05062 +nagaph > all <03605 +kol > the
people <05971 +<am > that have fought <06633 +tsaba> > against
<05921 +<al > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > ; Their flesh
<01320 +basar > shall consume <04743 +maqaaq > away while they
stand <05975 +<amad > upon their feet <{07272} +regel > , and
their eyes <05869 +<ayin > shall consume <04743 +maqaaq > away in
their holes <02356 +chowr > , and their tongue <03956 +lashown >
shall consume <04743 +maqaaq > away in their mouth <06310 +peh > .

~~~~~

~~~~~

07272 regel DEU-11: 6 possessi on
07272 regel 2CH-33: 17 the
07272 regel 1SA-23: 22 haunt
07272 regel 1SA-17: 6 legs
07272 regel GEN-33: 14 abl e
07272 regel GEN-33: 14 accordi ng
07272 regel 1SA-25: 42 after
07272 regel 2SA-15: 16 after
07272 regel 2SA-15: 17 after
07272 regel 2SA-15: 18 after
07272 regel GEN-30: 30 comi ng
07272 regel GEN-33: 14 endure
07272 regel GEN-18: 4 feet
07272 regel GEN-19: 2 feet
07272 regel GEN-24: 32 feet
07272 regel GEN-24: 32 feet
07272 regel GEN-43: 24 feet
07272 regel GEN-49: 10 feet
07272 regel GEN-49: 33 feet
07272 regel EX0-3: 5 feet
07272 regel EX0-4: 25 feet
07272 regel EX0-12: 11 feet
07272 regel EX0-24: 10 feet
07272 regel EX0-25: 26 feet
07272 regel EX0-30: 19 feet
07272 regel EX0-30: 21 feet
07272 regel EX0-37: 13 feet
07272 regel EX0-40: 31 feet
07272 regel LEV-8: 24 feet
07272 regel LEV-11: 21 feet
07272 regel LEV-11: 23 feet
07272 regel LEV-11: 42 feet
07272 regel NUM-20: 19 feet

| | | | |
|-------|-------|------------|------|
| 07272 | regel | DEU-2: 28 | feet |
| 07272 | regel | DEU-11: 24 | feet |
| 07272 | regel | DEU-28: 57 | feet |
| 07272 | regel | DEU-33: 3 | feet |
| 07272 | regel | JOS-3: 13 | feet |
| 07272 | regel | JOS-3: 15 | feet |
| 07272 | regel | JOS-4: 3 | feet |
| 07272 | regel | JOS-4: 9 | feet |
| 07272 | regel | JOS-4: 18 | feet |
| 07272 | regel | JOS-9: 5 | feet |
| 07272 | regel | JOS-10: 24 | feet |
| 07272 | regel | JOS-10: 24 | feet |
| 07272 | regel | JOS-14: 9 | feet |
| 07272 | regel | JUD-3: 24 | feet |
| 07272 | regel | JUD-4: 10 | feet |
| 07272 | regel | JUD-4: 15 | feet |
| 07272 | regel | JUD-4: 17 | feet |
| 07272 | regel | JUD-5: 27 | feet |
| 07272 | regel | JUD-5: 27 | feet |
| 07272 | regel | JUD-19: 21 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-2: 9 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-14: 13 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-24: 3 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-25: 24 | feet |
| 07272 | regel | 1SA-25: 41 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-3: 34 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-4: 4 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-4: 12 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-9: 3 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-9: 13 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-11: 8 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-19: 24 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-22: 10 | feet |

| | | | |
|-------|-------|-------------|------|
| 07272 | regel | 2SA-22: 34 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-22: 34 | feet |
| 07272 | regel | 2SA-22: 39 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -2: 5 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -5: 3 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -14: 6 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -14: 12 | feet |
| 07272 | regel | 1KI -15: 23 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -4: 27 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -4: 37 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -6: 32 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -9: 35 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -13: 21 | feet |
| 07272 | regel | 2KI -21: 8 | feet |
| 07272 | regel | 1CH-28: 2 | feet |
| 07272 | regel | 2CH-3: 13 | feet |
| 07272 | regel | 2CH-16: 12 | feet |
| 07272 | regel | NEH-9: 21 | feet |
| 07272 | regel | EST-8: 3 | feet |
| 07272 | regel | JOB-12: 5 | feet |
| 07272 | regel | JOB-13: 27 | feet |
| 07272 | regel | JOB-13: 27 | feet |
| 07272 | regel | JOB-18: 8 | feet |
| 07272 | regel | JOB-18: 11 | feet |
| 07272 | regel | JOB-29: 15 | feet |
| 07272 | regel | JOB-30: 12 | feet |
| 07272 | regel | JOB-33: 11 | feet |
| 07272 | regel | PSA-8: 6 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 9 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 33 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 33 | feet |
| 07272 | regel | PSA-18: 38 | feet |
| 07272 | regel | PSA-22: 16 | feet |

| | | | |
|-------|-------|-------------|------|
| 07272 | regel | PSA-25: 15 | feet |
| 07272 | regel | PSA-31: 8 | feet |
| 07272 | regel | PSA-40: 2 | feet |
| 07272 | regel | PSA-47: 3 | feet |
| 07272 | regel | PSA-56: 13 | feet |
| 07272 | regel | PSA-105: 18 | feet |
| 07272 | regel | PSA-115: 7 | feet |
| 07272 | regel | PSA-116: 8 | feet |
| 07272 | regel | PSA-119: 59 | feet |
| 07272 | regel | PSA-119: 10 | feet |
| 07272 | regel | PSA-119: 10 | feet |
| 07272 | regel | PSA-122: 2 | feet |
| 07272 | regel | PR0-1: 16 | feet |
| 07272 | regel | PR0-4: 26 | feet |
| 07272 | regel | PR0-5: 5 | feet |
| 07272 | regel | PR0-6: 13 | feet |
| 07272 | regel | PR0-6: 18 | feet |
| 07272 | regel | PR0-6: 28 | feet |
| 07272 | regel | PR0-7: 11 | feet |
| 07272 | regel | PR0-19: 2 | feet |
| 07272 | regel | PR0-26: 6 | feet |
| 07272 | regel | SON-5: 3 | feet |
| 07272 | regel | ISA-3: 16 | feet |
| 07272 | regel | ISA-6: 2 | feet |
| 07272 | regel | ISA-7: 20 | feet |
| 07272 | regel | ISA-23: 7 | feet |
| 07272 | regel | ISA-26: 6 | feet |
| 07272 | regel | ISA-28: 3 | feet |
| 07272 | regel | ISA-32: 20 | feet |
| 07272 | regel | ISA-41: 3 | feet |
| 07272 | regel | ISA-49: 23 | feet |
| 07272 | regel | ISA-52: 7 | feet |
| 07272 | regel | ISA-59: 7 | feet |

| | | | |
|-------|-------|------------|------|
| 07272 | regel | ISA-60: 13 | feet |
| 07272 | regel | ISA-60: 14 | feet |
| 07272 | regel | JER-13: 16 | feet |
| 07272 | regel | JER-14: 10 | feet |
| 07272 | regel | JER-18: 22 | feet |
| 07272 | regel | JER-38: 22 | feet |
| 07272 | regel | LAM-1: 13 | feet |
| 07272 | regel | LAM-3: 34 | feet |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | feet |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | feet |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | feet |
| 07272 | regel | EZE-2: 1 | feet |
| 07272 | regel | EZE-2: 2 | feet |
| 07272 | regel | EZE-3: 24 | feet |
| 07272 | regel | EZE-16: 25 | feet |
| 07272 | regel | EZE-24: 17 | feet |
| 07272 | regel | EZE-24: 23 | feet |
| 07272 | regel | EZE-25: 6 | feet |
| 07272 | regel | EZE-32: 2 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 18 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 18 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 19 | feet |
| 07272 | regel | EZE-34: 19 | feet |
| 07272 | regel | EZE-37: 10 | feet |
| 07272 | regel | EZE-43: 7 | feet |
| 07272 | regel | NAH-1: 3 | feet |
| 07272 | regel | NAH-1: 15 | feet |
| 07272 | regel | HAB-3: 5 | feet |
| 07272 | regel | HAB-3: 19 | feet |
| 07272 | regel | HAB-3: 19 | feet |
| 07272 | regel | ZEC-14: 4 | feet |
| 07272 | regel | ZEC-14: 12 | feet |
| 07272 | regel | MAL-4: 3 | feet |

| | | | |
|-------|-------|-------------|-----------|
| 07272 | regel | EX0-11: 8 | fol low |
| 07272 | regel | JUD-8: 5 | fol low |
| 07272 | regel | 1KI -20: 10 | fol low |
| 07272 | regel | 2KI -3: 9 | fol lowed |
| 07272 | regel | GEN-8: 9 | foot |
| 07272 | regel | GEN-41: 44 | foot |
| 07272 | regel | EX0-21: 24 | foot |
| 07272 | regel | EX0-21: 24 | foot |
| 07272 | regel | EX0-29: 20 | foot |
| 07272 | regel | LEV-8: 23 | foot |
| 07272 | regel | LEV-13: 12 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 14 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 17 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 25 | foot |
| 07272 | regel | LEV-14: 28 | foot |
| 07272 | regel | NUM-22: 25 | foot |
| 07272 | regel | DEU-2: 5 | foot |
| 07272 | regel | DEU-8: 4 | foot |
| 07272 | regel | DEU-11: 10 | foot |
| 07272 | regel | DEU-19: 21 | foot |
| 07272 | regel | DEU-19: 21 | foot |
| 07272 | regel | DEU-25: 9 | foot |
| 07272 | regel | DEU-28: 35 | foot |
| 07272 | regel | DEU-28: 56 | foot |
| 07272 | regel | DEU-28: 65 | foot |
| 07272 | regel | DEU-29: 5 | foot |
| 07272 | regel | DEU-32: 35 | foot |
| 07272 | regel | DEU-33: 24 | foot |
| 07272 | regel | JOS-1: 3 | foot |
| 07272 | regel | JOS-5: 15 | foot |
| 07272 | regel | JUD-5: 15 | foot |
| 07272 | regel | 2SA-2: 18 | foot |
| 07272 | regel | 2SA-14: 25 | foot |

| | | | |
|-------|-------|-------------|------|
| 07272 | regel | 2SA-21: 20 | foot |
| 07272 | regel | 2CH-33: 8 | foot |
| 07272 | regel | J0B-2: 7 | foot |
| 07272 | regel | J0B-23: 11 | foot |
| 07272 | regel | J0B-28: 4 | foot |
| 07272 | regel | J0B-31: 5 | foot |
| 07272 | regel | J0B-39: 15 | foot |
| 07272 | regel | PSA-9: 15 | foot |
| 07272 | regel | PSA-26: 12 | foot |
| 07272 | regel | PSA-36: 11 | foot |
| 07272 | regel | PSA-38: 16 | foot |
| 07272 | regel | PSA-66: 6 | foot |
| 07272 | regel | PSA-68: 23 | foot |
| 07272 | regel | PSA-91: 12 | foot |
| 07272 | regel | PSA-94: 18 | foot |
| 07272 | regel | PSA-121: 3 | foot |
| 07272 | regel | PR0-1: 15 | foot |
| 07272 | regel | PR0-3: 23 | foot |
| 07272 | regel | PR0-3: 26 | foot |
| 07272 | regel | PR0-4: 27 | foot |
| 07272 | regel | PR0-25: 17 | foot |
| 07272 | regel | PR0-25: 19 | foot |
| 07272 | regel | ECC-5: 1 | foot |
| 07272 | regel | I SA-1: 6 | foot |
| 07272 | regel | I SA-20: 2 | foot |
| 07272 | regel | I SA-26: 6 | foot |
| 07272 | regel | I SA-41: 2 | foot |
| 07272 | regel | I SA-58: 13 | foot |
| 07272 | regel | JER-2: 25 | foot |
| 07272 | regel | EZE-1: 7 | foot |
| 07272 | regel | EZE-6: 11 | foot |
| 07272 | regel | EZE-29: 11 | foot |
| 07272 | regel | EZE-29: 11 | foot |

07272 regel EZE-32:13 foot

07272 regel AMO-2:15 foot

~~~~~

~~~~~

07272 GEN 008 009 But the dove <03123 +yownah > found <04672 +matsa> > no <03808 +lo> > rest <04494 +manowach > for the sole <03709 +kaph > of her foot <{07272} +regel > , and she returned <07725 +shuwb > unto him into <00413 +>el > the ark <08392 +tebah > , for the waters <04325 +mayim > [were] on <05921 +<al > the face <06440 +paniym > of the whole <03605 +kol > earth <00776 +>erets > : then he put <07971 +shalach > forth <07971 +shalach > his hand <03027 +yad > , and took <03947 +laqach > her , and pulled <04026 +migdal > her in unto him into <00413 +>el > the ark <08392 +tebah > .

07272 PSA 119 105 +. NUN . Thy word <01697 +dabar > [is] a lamp <05216 +niyr > unto my feet <{07272} +regel > , and a light <00216 +>owr > unto my path <05410 +nathiyl > .

07272 PSA 119 101 +. I have refrained <03601 +kiyshowr > my feet <{07272} +regel > from every <03605 +kol > evil <07451 +ra< > way <00734 +>orach > , that I might keep <08104 +shamar > thy word <01697 +dabar > .

07272 PSA 119 059 . I thought <02803 +chashab > on my ways <01870 +derek > , and turned <07725 +shuwb > my feet <{07272} +regel > unto thy testimonies <05713 +<edah > .

07272 PSA 116 008 For thou hast delivered <02502 +chalats > my soul <05315 +nephesh > from death <04194 +maveth > , mine eyes <05869 +<ayin > from tears <01832 +dim<ah > , [and] my feet <{07272} +regel > from falling <01762 +d@chiy > .

07272 PSA 115 007 They have hands <03027 +yad > , but they handle <00184 +>avah > not : feet <{07272} +regel > have they , but they walk <01980 +halak > not : neither <03808 +lo> > speak <01897 +hagah > they through their throat <01627 +garown > .

07272 PSA 105 018 Whose feet <{07272} +regel > they hurt <06031 +<anah > with fetters <03525 +kebel > : he was laid <00935 +bow> > in iron <01270 +barzel > :

07272 PSA 094 018 When <00518 +>im > I said <00559 +>amar > , My foot <{07272} +regel > slippeth <04131 +mowt > ; thy mercy <02617 +checed > , O LORD <03068 +Y@hovah > , held <05582 +ca<ad > me up .

07272 PSA 091 012 They shall bear <05375 +nasa> > thee up in [their] hands <03709 +kaph > , lest <06435 +pen > thou dash <05062 +nagaph > thy foot <{07272} +regel > against a stone <68> .

07272 PSA 068 023 That thy foot <{07272} +regel > may be dipped <04272 +machats > in the blood <01818 +dam > of [thine] enemies <00341 +>oyeb > , [and] the tongue <03956 +lashown > of thy dogs <03611 +keleb > in the same .

07272 PSA 066 006 He turned <02015 +haphak > the sea <03220 +yam

> into dry <03004 +yabbashah > [land <00776 +>erets >] : they went <05674 +<abar > through the flood <05104 +nahar > on foot <{07272} +regel > : there <08033 +sham > did we rejoice <08055 +samach > in him .

07272 PSA 056 013 For thou hast delivered <05337 +natsal > my soul <05315 +nephesh > from death <04194 +maveth > : [wilt] not [thou deliver <05337 +natsal >] my feet <{07272} +regel > from falling <01762 +d@chiy > , that I may walk <01980 +halak > before <06440 +paniym > God <00430 +>elohiym > in the light <00216 +>owr > of the living <02416 +chay > ?

07272 PSA 047 003 He shall subdue <01696 +dabar > the people <05971 +<am > under <08478 +tachath > us , and the nations <03816 +l@om > under <08478 +tachath > our feet <{07272} +regel > .

07272 PSA 040 002 He brought <05927 +<alah > me up also out of an horrible <07588 +sha>own > pit <00953 +bowr > , out of the miry <03121 +yaven > clay <02916 +tiyt > , and set <06965 +quwm > my feet <{07272} +regel > upon a rock <05553 +cela< > , [and] established <03559 +kuwn > my goings <00838 +>ashur > .

07272 PSA 038 016 For I said <00559 +>amar > , [Hear me] , lest <06435 +pen > [otherwise] they should rejoice <08056 +sameach > over me : when my foot <{07272} +regel > slippeth <04131 +mowt > , they magnify <01431 +gadai > [themselves] against <05921 +<al > me .

07272 PSA 036 011 Let not the foot <{07272} +regel > of pride <01346 +ga<avah > come <00935 +bow> > against me , and let not the hand <03027 +yad > of the wicked <07563 +rasha< > remove <05110 +nuwd > me .

07272 PSA 031 008 And hast not shut <05462 +cagar > me up into the hand <03027 +yad > of the enemy <00341 +>oyeb > : thou hast set <05975 +<amad > my feet <{07272} +regel > in a large <04800 +merchab > room <04800 +merchab > .

07272 PSA 026 012 My foot <{07272} +regel > standeth <05975 +<amad > in an even <04334 +miyshowr > place : in the congregations <04721 +maqhel > will I bless <01288 +barak > the LORD <03068 +Y@hovah > .

07272 PSA 025 015 . Mine eyes <05869 +<ayin > [are] ever <08548 +tamiyd > toward <00413 +>el > the LORD <03068 +Y@hovah > ; for he shall pluck <03318 +yatsa> > my feet <{07272} +regel > out of the net <07568 +resheth > .

07272 PSA 022 016 For dogs <03611 +keleb > have compassed <05437 +cabab > me : the assembly <05712 +<edah > of the wicked <07489 +ra<a< > have inclosed <05362 +naqaph > me : they pierced <00738 +>ariy > my hands <03027 +yad > and my feet <{07272} +regel > .

07272 PSA 018 038 I have wounded <04272 +machats > them that they were not able <03201 +yakol > to rise <06965 +quwm > : they are fallen <05307 +naphal > under <08478 +tachath > my feet <{07272} +regel > .

07272 PSA 018 033 He maketh <07737 +shavah > my feet <{07272} +regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <07272 +regel >] , and setteth <05975 +<amad > me upon my high <01116 +bamah > places .

07272 PSA 018 033 He maketh <07737 +shavah > my feet <07272 +regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <{07272} +regel >]

, and setteth <05975 +<amad > me upon my high <01116 +bamah > places .

07272 PSA 018 009 He bowed <05186 +natah > the heavens <08064 +shamayim > also , and came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > : and darkness <06205 +<araphel > [was] under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > .

07272 PSA 009 015 The heathen <01471 +gowy > are sunk <02883 +taba< > down in the pit <07845 +shachath > [that] they made <06213 +<asah > : in the net <07568 +resheth > which <02098 +zuw > they hid <02934 +taman > is their own foot <{07272} +regel > taken <03920 +lakad > .

07272 PSA 008 006 Thou madest him to have dominion <04910 +mashal > over the works <04639 +ma<aseh > of thy hands <03027 +yad > ; thou hast put <07896 +shiyth > all <03605 +kol > [things] under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > :

07272 JOB 039 015 And forgetteth <07911 +shakach > that the foot <{07272} +regel > may crush <02115 +zuwr > them , or that the wild <07704 +sadeh > beast <02416 +chay > may break <01758 +duwsh > them .

07272 JOB 033 011 He putteth <07760 +suwm > my feet <{07272} +regel > in the stocks <05465 +cad > , he marketh <08104 +shamar > all <03605 +kol > my paths <00734 +>orach > .

07272 JOB 031 005 If <00518 +>im > I have walked <01980 +halak > with vanity <07723 +shav> > , or if my foot <{07272} +regel > hath hasted <02363 +chuwsh > to deceit <04820 +mirmah > ;

07272 JOB 030 012 Upon [my] right <03225 +yamiyn > [hand <03225 +yamiyn >] rise <06965 +quwm > the youth <06526 +pirchach > ; they push <07971 +shalach > away my feet <{07272} +regel > , and they raise <05549 +calal > up against <05921 +<al > me the ways <00734 +>orach > of their destruction <00343 +>eyd > .

07272 JOB 029 015 I was eyes <05869 +<ayin > to the blind <05787 +<ivver > , and feet <{07272} +regel > [was] I to the lame <06455 +picceach > .

07272 JOB 028 004 The flood <05158 +nachal > breaketh <06555 +parats > out from the inhabitant <01481 +guwr > ; [even the waters] forgotten <07911 +shakach > of the foot <{07272} +regel > : they are dried <01809 +dalal > up , they are gone <05128 +nuwa< > away from men <00582 +>enowsh > .

07272 JOB 023 011 My foot <{07272} +regel > hath held <00270 +>achaz > his steps <00838 +>ashur > , his way <01870 +derek > have I kept <08104 +shamar > , and not declined <05186 +natah > .

07272 JOB 018 011 . Terrors <01091 +ballahah > shall make him afraid <01204 +ba<ath > on every <05437 +cabab > side <05439 +cabiyl > , and shall drive <06327 +puwts > him to his feet <{07272} +regel > .

07272 JOB 018 008 For he is cast <07971 +shalach > into a net <07568 +resheth > by his own feet <{07272} +regel > , and he walketh <01980 +halak > upon a snare <07639 +s@bakah > .

07272 JOB 013 027 Thou puttest <07760 +suwm > my feet <{07272} +regel > also in the stocks <05465 +cad > , and lookest <08104 +shamar > narrowly <08104 +shamar > unto all <03605 +kol > my paths <00734 +>orach > ; thou settest a print <02707 +chaqah >

upon the heels <08323 +sarar > of my feet <07272 +regel > .

07272 JOB 013 027 Thou puttest <07760 +suwm > my feet <07272 +regel > also in the stocks <05465 +cad > , and lookest <08104 +shamar > narrowly <08104 +shamar > unto all <03605 +kol > my paths <00734 +>orach > ; thou settest a print <02707 +chaqah > upon the heels <08323 +sarar > of my feet <{07272} +regel > .

07272 JOB 012 005 He that is ready <03559 +kuwn > to slip <04571 +ma<ad > with [his] feet <{07272} +regel > [is as] a lamp <03940 +lappiyd > despised <00937 +buwz > in the thought <06248 +<ashtuwth > of him that is at ease <07600 +sha>anan > .

07272 JOB 002 007 . So went <03318 +yatsa> > Satan <07854 +satan > forth <03318 +yatsa> > from the presence <06440 +paniyim > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and smote <05221 +nakah > Job <00347 +>lyowb > with sore <07451 +ra< > boils <07822 +sh@chi ym > from the sole <03709 +kaph > of his foot <{07272} +regel > unto his crown <06936 +qodqod > .

07272 EST 008 003 . And Esther <00635 +>Ecter > spake <01696 +dabar > yet again <03254 +yacaph > before <06440 +paniyim > the king <04428 +melek > , and fell <05307 +naphal > down at <06440 +paniyim > his feet <{07272} +regel > , and besought <02603 +chanan > him with tears <01058 +bakah > to put <05674 +<abar > away <05674 +<abar > the mischief <07451 +ra< > of Haman <02001 +Haman > the Agagite <91> , and his device <04284 +machashabah > that he had devised <02803 +chashab > against <05921 +<al > the Jews <03064 +Y@huwdiy > .

07272 NEH 009 021 Yea , forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > didst thou sustain <03557 +kuwl > them in the wilderness <04057 +midbar > , [so that] they lacked <02637 +chacer > nothing <03808 +lo> > ; their clothes <08008 +salmah > waxed not old <01086 +balah > , and their feet <{07272} +regel > swelled <01216 +batseq > not .

07272 2CH 033 017 Nevertheless <03808 +lo> > the people did sacrifice still <05493 +cuwr > in the <{07272} +regel > high places <03478 +Yisra>el > , [yet] unto the LORD their <00127 +>adamah > God <00834 +>aher > only .

07272 2CH 033 008 Neither <03808 +lo> > will I any more <03254 +yacaph > remove <05493 +cuwr > the foot <{07272} +regel > of Israel <03478 +Yisra>el > from out <05921 +<al > of the land <00127 +>adamah > which I have appointed <05978 +<immad > for your fathers <07535 +raq > ; so <00518 +>im > that they will take heed <08104 +shamar > to do <06213 +<asah > all <03605 +kol > that I have commanded <00834 +>aher > them <04519 +M@nashsheh > , according to the whole <03605 +kol > law <08451 +towrah > and the statutes <02706 +choq > and the ordinances <04941 +mishpat > by the hand <03027 +yad > of Moses <04872 +Mosheh > .

07272 2CH 016 012 And Asa <00609 +>Aca> > in the thirty <07970 +sh@lowshiyim > and ninth <08672 +tesha< > year <08141 +shaneh > of his reign <04438 +mal kuwth > was diseased <02470 +chalah > in his feet <{07272} +regel > , until <05704 +<ad > his disease <02483 +choli y > [was] exceeding <04605 +ma<al > [great] : yet <01571 +gam > in his disease <02483 +choli y > he sought <01875 +darash > not to the LORD <03068 +Y@hovah > , but to the physicians <07495 +rapha> > .

07272 2CH 003 013 The wings <03671 +kanaph > of these <00428 +>el - leh > cherubims <03742 +k@ruwb > spread <06566 +paras > themselves forth twenty <06242 +<esri ym > cubits <00520 +>ammah > : and they stood <05975 +<amad > on <05921 +<al > their feet

<{07272} +regel > , and their faces <06440 +paniym > [were] inward <01004 +bayith > .

07272 1CH 028 002 Then David <01732 +David > the king <04428 +melek > stood <06965 +quwm > up upon his feet <{07272} +regel > , and said <00559 +>amar > , Hear <08085 +shama > me , my brethren <00251 +>ach > , and my people <05971 +<am > : [As for me] , I [had] in mine heart <03824 +lebab > to build <01129 +banah > an house <01004 +bayith > of rest <04496 +m@nuwchah > for the ark <00727 +>arawn > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > , and for the footstool of our God <00430 +>elohiym > , and had made <06213 +<asah > ready <03559 +kuwn > for the building <01129 +banah > :

07272 2KI 013 021 And it came <01961 +hayah > to pass , as they were burying <06912 +qabar > a man <00376 +>iysh > , that , behold <02009 +hinneh > , they spied <07200 +ra>ah > a band <01416 +g@duwd > [of men] ; and they cast <07993 +shalak > the man <00376 +>iysh > into the sepulchre <06913 +qeber > of Elisha <00477 +>Eliysha > : and when the man <00376 +>iysh > was let <03212 +yalak > down <03212 +yalak > , and touched <05060 +naga > the bones <06106 +<etsem > of Elisha <00477 +>Eliysha > , he revived <02421 +chayah > , and stood <06965 +quwm > up on <05921 +<al > his feet <{07272} +regel > .

07272 2KI 009 035 And they went <03212 +yalak > to bury <06912 +qabar > her : but they found <04672 +matsa > > no <03808 +lo > > more of her than the skull <01538 +gulgoleth > , and the feet <{07272} +regel > , and the palms <03709 +kaph > of [her] hands <03027 +yad > .

07272 2KI 006 032 But Elisha <00477 +>Eliysha > sat <03427 +yashab > in his house <01004 +bayith > , and the elders <02205 +zaqen > sat <03427 +yashab > with him ; and [the king] sent <07971 +shalach > a man <00376 +>iysh > from before <06440 +paniym > him : but ere <02962 +terem > the messenger <04397 +mal>ak > came <00935 +bow > > to him , he said <00559 +>amar > to the elders <02205 +zaqen > , See <07200 +ra>ah > ye how <03588 +kiy > this son <01121 +ben > of a murderer <07523 +ratsach > hath sent <07971 +shalach > to take <05493 +cuwr > away mine head <07218 +ro>sh > ? look <07200 +ra>ah > , when the messenger <04397 +mal>ak > cometh <00935 +bow > > , shut <05462 +cagar > the door <01817 +deleth > , and hold <03905 +lachats > him fast at the door <01817 +deleth > : [is] not the sound <06963 +qowl > of his master s <00113 +>adown > feet <{07272} +regel > behind <00310 +>achar > him ?

07272 2KI 004 037 Then she went <00935 +bow > > in , and fell <05307 +naphal > at <05921 +<al > his feet <{07272} +regel > , and bowed <07812 +shachah > herself to the ground <00776 +>erets > , and took <05375 +nasa > > up her son <01121 +ben > , and went <03318 +yatsa > > out .

07272 2KI 004 027 And when she came <00935 +bow > > to the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > to the hill <02022 +har > , she caught <02388 +chazaq > him by the feet <{07272} +regel > : but Gehazi <01522 +Geychaziy > came <05066 +nagash > near <05066 +nagash > to thrust <01920 +Hadaph > her away . And the man <00376 +>iysh > of God <00430 +>elohiym > said <00559 +>amar > , Let her alone <07503 +raphah > ; for her soul <05315 +nephesh > [is] vexed <04843 +marar > within her : and the LORD <03068 +Y@hovah > hath hid <05956 +<alam > [it] from me , and hath not told <05046 +nagad > me .

07272 2KI 003 009 So the king <04428 +melek > of Israel <03478 +Yisra>el > went <03212 +yalak > , and the king <04428 +melek >

of Judah <03063 +Y@huwdah > , and the king <04428 +melek > of Edom <00123 +>Edom > : and they fetched a compass <05437 +cabab > of seven <07651 +sheba< > days <03117 +yowm > journey <01870 +derek > : and there was no <03808 +lo> > water <04325 +mayim > for the host <04264 +machaneh > , and for the cattle <00929 +b@hemah > that followed <{07272} +regel > them .

07272 1KI 020 010 And Benhadad <01131 +Bi nnuwy > sent <07971 +shalach > unto him , and said <00559 +>amar > , The gods <00430 +>elohiy m > do <06213 +>asah > so <03541 +koh > unto me , and more <03254 +yacaph > also <03541 +koh > , if the dust <06083 +>aphar > of Samaria <08111 +Shom@rown > shall suffice <05606 +caphaq > for handfuls <08168 +sho<al > for all <03605 +kol > the people <05971 +>am > that follow <{07272} +regel > me .

07272 1KI 015 023 The rest <03499 +yether > of all <03605 +kol > the acts <01697 +dabar > of Asa <00609 +>Aca> > , and all <03605 +kol > his might <01369 +g@buwrah > , and all <03605 +kol > that he did <06213 +>asah > , and the cities <05892 +<iyr > which <00834 +>aher > he built <01129 +banah > , [are] they not written <03789 +kathab > in the book <05612 +cepher > of the chronicles <01697 +dabar > of the kings <04428 +melek > of Judah <03063 +Y@huwdah > ? Nevertheless <07535 +raq > in the time <06256 +<eth > of his old <02209 +ziqnah > age he was diseased <02470 +chalah > in his feet <{07272} +regel > .

07272 1KI 014 012 Arise <06965 +quwm > thou therefore , get <03212 +yalak > thee to thine own house <01004 +bayith > : [and] when thy feet <{07272} +regel > enter <00935 +bow> > into the city <05892 +<iyr > , the child <03206 +yeled > shall die <04191 +muwth > .

07272 1KI 014 006 And it was [so] , when Ahijah <00281 +>Achiyah > heard <08085 +shama< > the sound <06963 +qowl > of her feet <{07272} +regel > , as she came <00935 +bow> > in at the door <06607 +pethach > , that he said <00559 +>amar > , Come <00935 +bow> > in , thou wife <00802 +>ishshah > of Jeroboam <03379 +Yarob<am > ; why <04100 +mah > feignest <05234 +nakar > thou thyself [to be] another <05234 +nakar > ? for I [am] sent <07971 +shalach > to thee [with] heavy <07186 +qasheh > [tidings] .

07272 1KI 005 003 Thou knowest <03045 +yada< > how that David <01732 +David > my father <1> could <03201 +yakol > not build <01129 +banah > an house <01004 +bayith > unto the name <08034 +shem > of the LORD <03068 +Y@hovah > his God <00430 +>elohiy m > for the wars <04421 +milchamah > which <00834 +>aher > were about <05437 +cabab > him on every <05437 +cabab > side , until <05704 +<ad > the LORD <03068 +Y@hovah > put <05414 +nathan > them under <08478 +tachath > the soles <03709 +kaph > of his feet <{07272} +regel > .

07272 1KI 002 005 Moreover <01571 +gam > thou knowest <03045 +yada< > also <01571 +gam > what Joab <03097 +Yow>ab > the son <01121 +ben > of Zerui ah <06870 +Ts@ruwyah > did <06213 +>asah > to me , [and] what <00834 +>aher > he did <06213 +>asah > to the two <08147 +sh@nayim > captains <08269 +sar > of the hosts <06635 +tsaba> > of Israel <03478 +Yisra>el > , unto Abner <74> the son <01121 +ben > of Ner <05369 +Ner > , and unto Amasa <06021 +<Amasa> > the son <01121 +ben > of Jether <03500 +Yether > , whom he slew <02026 +harag > , and shed <07760 +suwm > the blood <01818 +dam > of war <04421 +milchamah > in peace <07965 +shalowm > , and put <05414 +nathan > the blood <01818 +dam > of war <04421 +milchamah > upon his girdle <02290 +chagowr > that [was] about his loins <04975 +mothen > , and in his shoes <05275 +na<al > that [were] on his feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 022 039 And I have consumed <03615 +kalah > them , and wounded <04272 +machats > them , that they could not arise <06965 +quwm > : yea , they are fallen <05307 +naphal > under <08478 +tachath > my feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 022 034 He maketh <07737 +shavah > my feet <{07272} +regel > like <07737 +shavah > hinds <00355 +>ayalah > [feet <07272 +regel >] : and setteth <05975 +<amad > me upon my high <01116 +bamah > places .

07272 2SA 022 034 He maketh <07737 +shavah > my feet <07272 +regel > like <07737 +shavah > hinds <00355 +>ayalah > [feet <{07272} +regel >] : and setteth <05975 +<amad > me upon my high <01116 +bamah > places .

07272 2SA 022 010 He bowed <05186 +natah > the heavens <08064 +shamayim > also , and came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > ; and darkness <06205 +<araphel > [was] under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 021 020 And there was yet <05750 +<owd > a battle <04421 +milchamah > in Gath <01661 +Gath > , where was a man <00376 +>iysh > of [great] stature <04055 +mad > , that had on every hand <03027 +yad > six <08337 +shesh > fingers <00676 +>etsba< > , and on every foot <{07272} +regel > six <08337 +shesh > toes <00676 +>etsba< > , four <00702 +>arba< > and twenty <06242 +<esriym > in number <04557 +micpar > ; and he also <01571 +gam > was born <03205 +yalad > to the giant <07497 +rapha> > .

07272 2SA 019 024 . And Mephibosheth <04648 +M@phiybosheth > the son <01121 +ben > of Saul <07586 +Sha>uwl > came <03381 +yarad > down <03381 +yarad > to meet <07125 +qir>ah > the king <04428 +melek > , and had neither <03808 +lo> > dressed <06213 +<asah > his feet <{07272} +regel > , nor <03808 +lo> > trimmed <06213 +<asah > his beard <08222 +sapham > , nor <03808 +lo> > washed <03526 +kabac > his clothes <00899 +beged > , from the day <03117 +yowm > the king <04428 +melek > departed <03212 +yalak > until <05704 +<ad > the day <03117 +yowm > he came <00935 +bow> > [again] in peace <07965 +shalowm > .

07272 2SA 015 018 And all <03605 +kol > his servants <05650 +<ebed > passed <05674 +<abar > on beside him ; and all <03605 +kol > the Cherethites <03774 +K@rethiy > , and all <03605 +kol > the Pelethites <06432 +P@lethiy > , and all <03605 +kol > the Gittites <01663 +Gittiy > , six <08337 +shesh > hundred <03967 +me>ah > men <00376 +>iysh > which <00834 +>aher > came <00935 +bow> > after <{07272} +regel > him from Gath <01661 +Gath > , passed <05674 +<abar > on before the king <04428 +melek > .

07272 2SA 015 017 And the king <04428 +melek > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > after <{07272} +regel > him , and tarried <05975 +<amad > in a place <01004 +bayith > that was far <04801 +merchaq > off .

07272 2SA 015 016 And the king <04428 +melek > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > , and all <03605 +kol > his household <01004 +bayith > after <{07272} +regel > him . And the king <04428 +melek > left <05800 +<azab > ten <06235 +<eser > women <00802 +>iyshah > , [which were] concubines <06370 +piylegesh > , to keep <08104 +shamar > the house <01004 +bayith > > .

07272 2SA 014 025 But in all <03605 +kol > Israel <03478

+Yisra>el > there was none to be so much <03966 +m@<od > praised <01984 +halal > as Absalom <53> for his beauty <03308 +yophiy > : from the sole <03709 +kaph > of his foot <{07272} +regel > even to the crown <06936 +qodqod > of his head <06936 +qodqod > there was no <03808 +lo> > blemish <03971 +m>uwm > in him .

07272 2SA 011 008 And David <01732 +David > said <00559 +>amar > to Uriah <00223 +>Uwriyah > , Go <03381 +yarad > down <03381 +yarad > to thy house <01004 +bayith > , and wash <07364 +rachats > thy feet <{07272} +regel > . And Uriah <00223 +>Uwriyah > departed <03318 +yatsa> > out of the king s <04428 +melek > house <01004 +bayith > , and there followed him a mess <04864 +mas>eth > [of meat] from the king <04428 +melek > .

07272 2SA 009 013 So Mephibosheth <04648 +M@phi ybosheth > dwelt <03427 +yashab > in Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > : for he did eat <00398 +>akal > continually <08548 +tamiyd > at <05921 +<al > the king s <04428 +melek > table <07979 +shulchan > ; and was lame <06455 +picceach > on both <08147 +sh@nayim > his feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 009 003 And the king <04428 +melek > said <00559 +>amar > , [Is] there not yet <05750 +<owd > any <00376 +>iysh > of the house <01004 +bayith > of Saul <07586 +Sha>uwl > , that I may shew <06213 +<asah > the kindness <02617 +checed > of God <00430 +>elohiy m > unto him ? And Ziba <06717 +Tsiyba> > said <00559 +>amar > unto the king <04428 +melek > , Jonathan <03083 +Y@hownathan > hath yet <05750 +<owd > a son <01121 +ben > , [which is] lame <05223 +nakeh > on [his] feet <{07272} +regel > .

07272 2SA 004 012 And David <01732 +David > commanded <06680 +tsavah > his young <05288 +na<ar > men , and they slew <02026 +harag > them , and cut <07112 +qatsats > off their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > , and hanged <08518 +talah > [them] up over <05921 +<al > the pool <01295 +b@rekah > in Hebron <02275 +Chebrow n > . But they took <03947 +laqach > the head <07218 +ro>sh > of Ishbosheth <00378 +>lysh - Bosheth > , and buried <06912 +qabar > [it] in the sepulchre <06913 +qeber > of Abner <74> in Hebron <02275 +Chebrow n > .

07272 2SA 004 004 And Jonathan <03083 +Y@hownathan > , Saul s <07586 +Sha>uwl > son <01121 +ben > , had a son <01121 +ben > [that was] lame <05223 +nakeh > of [his] feet <{07272} +regel > . He was five <02568 +chamesh > years <08141 +shaneh > old <01121 +ben > when the tidings <08052 +sh@muw<ah > came <00935 +bow> > of Saul <07586 +Sha>uwl > and Jonathan <03083 +Y@hownathan > out of Jezreel <03157 +Yizr@<e>l > , and his nurse <00539 +>aman > took <05375 +nasa> > him up , and fled <05127 +nuwc > : and it came <01961 +hayah > to pass , as she made haste <02648 +chaphaz > to flee <05127 +nuwc > , that he fell <05307 +naphal > , and became <06452 +pacach > lame <06452 +pacach > . And his name <08034 +shem > [was] Mephibosheth <04648 +M@phi ybosheth > .

07272 2SA 003 034 Thy hands <03027 +yad > [were] not bound <00631 +>acar > , nor <03808 +lo> > thy feet <{07272} +regel > put <05056 +naggach > into fetters <05178 +n@chosheth > : as a man <01121 +ben > falleth <05307 +naphal > before <06440 +paniy m > wicked <05766 +<evel > men <01121 +ben > , [so] fellest <05307 +naphal > thou . And all <03605 +kol > the people <05971 +<am > wept <01058 +bakah > again <03254 +yacaph > over <05921 +<al > him .

07272 2SA 002 018 . And there were three <07969 +shalowsh > sons <01121 +ben > of Zerui ah <06870 +Ts@ruwyah > there <08033 +sham >

> , Joab <03097 +Yow>ab > , and Abishai <52> , and Asahel <00760 +>Aram Tsobah > : and Asahel <06214 +<Asah>el > [was as] light <07031 +qal > of foot <{07272} +regel > as a wild <07704 +sadeh > roe <06643 +ts@biy > .

07272 1SA 025 042 And Abigail <26> hastened <04116 +mahar > , and arose <06965 +quwm > , and rode <07392 +rakab > upon an ass <02543 +chamowr > , with five <02568 +chamesh > damsels <05291 +na<arah > of hers that went <01980 +halak > after <{07272} +regel > her ; and she went <03212 +yalak > after <00310 +>achar > the messengers <04397 +mal>ak > of David <01732 +David > , and became <01961 +hayah > his wife <00802 +>ishshah > .

07272 1SA 025 041 And she arose <06965 +quwm > , and bowed <07812 +shachah > herself on [her] face <00639 +>aph > to the earth <00776 +>erets > , and said <00559 +>amar > , Behold <02009 +hinneh > , [let] thine handmaid <00519 +>amah > [be] a servant <05650 +<ebed > to wash <07364 +rachats > the feet <{07272} +regel > of the servants <05650 +<ebed > of my lord <00113 +>adown > .

07272 1SA 025 024 And fell <05307 +naphal > at <05921 +<al > his feet <{07272} +regel > , and said <00559 +>amar > , Upon me , my lord <00113 +>adown > , [upon] me [let this] iniquity <05771 +<avon > [be] : and let thine handmaid <00519 +>amah > , I pray <04994 +na> > thee , speak <01696 +dabar > in thine audience <00241 +>ozen > , and hear <08085 +shama< > the words <01697 +dabar > of thine handmaid <00519 +>amah > .

07272 1SA 024 003 And he came <00935 +bow> > to the sheepcotes <06629 +tso>n > by the way <01870 +derek > , where <08033 +sham > [was] a cave <04631 +m@<arah > ; and Saul <07586 +Sha>uwl > went <00935 +bow> > in to cover <05526 +cakak > his feet <{07272} +regel > : and David <01732 +David > and his men <00582 +>enowsh > remained <03427 +yashab > in the sides <03411 +y@rekah > of the cave <04631 +m@<arah > .

07272 1SA 023 022 Go <03212 +yalak > , I pray <04994 +na> > you , prepare <03559 +kuwn > yet , and know <03045 +yada< > and see <07200 +ra>ah > his place <04725 +maqowm > where <00834 +>aher > his haunt <{07272} +regel > is , [and] who <04310 +miy > hath seen <07200 +ra>ah > him there <08033 +sham > : for it is told <00559 +>amar > me [that] he dealeth very subtilly <06191 +<aram > .

07272 EZE 029 011 No <03808 +lo> > foot <07272 +regel > of man <00120 +>adam > shall pass <05674 +<abar > through it , nor <03808 +lo> > foot <{07272} +regel > of beast <00929 +b@hemah > shall pass <05674 +<abar > through it , neither <03808 +lo> > shall it be inhabited <03427 +yashab > forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > .

07272 1SA 014 013 And Jonathan <03129 +Yownathan > climbed <05927 +<alah > up upon his hands <03027 +yad > and upon his feet <{07272} +regel > , and his armourbearer <03627 +k@liy > after <00310 +>achar > him : and they fell <05307 +naphal > before <06440 +paniym > Jonathan <03129 +Yownathan > ; and his armourbearer <03627 +k@liy > slew <04191 +muwth > after <00310 +>achar > him .

07272 1SA 002 009 He will keep <08104 +shamar > the feet <{07272} +regel > of his saints <02623 +chacyd > , and the wicked <07563 +rasha< > shall be silent <01826 +damam > in darkness <02822 +choshek > ; for by strength <03581 +koach > shall no <03808 +lo> > man <00376 +>iysh > prevail <01396 +gabar > .

07272 JUDG 019 021 So he brought <00935 +bow> > him into his house <01004 +bayi th > , and gave provender <01101 +bal al > unto the asses <02543 +chamowr > : and they washed <07364 +rachats > their feet <{07272} +regel > , and did eat <00398 +>akal > and drink <08354 +shathah > .

07272 JUDG 008 005 And he said <00559 +>amar > unto the men <00582 +>enowsh > of Succoth <05523 +Cukkowth > , Give <05414 +nathan > , I pray <04994 +na> > you , loaves <03603 +kikkar > of bread <03899 +lechem > unto the people <05971 +<am > that follow <{07272} +regel > me ; for they [be] faint <05889 +<ayeph > , and I am pursuing <07291 +radaph > after <00310 +>achar > Zebah <02078 +Zebach > and Zalmunna <06759 +Tsalmunna > , kings <04428 +melek > of Mi di an <04080 +Mi dyan > .

07272 JUDG 005 027 At <00996 +beyn > her feet <{07272} +regel > he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307 +naphal > , he lay <07901 +shakab > down <07901 +shakab > : at <00996 +beyn > her feet <07272 +regel > he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307 +naphal > : where <00834 +>aher > he bowed <03766 +kara< > , there <08033 +sham > he fell <05307 +naphal > down dead <07703 +shadad > .

07272 JUDG 005 027 At <00996 +beyn > her feet <07272 +regel > he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307 +naphal > , he lay <07901 +shakab > down <07901 +shakab > : at <00996 +beyn > her feet <{07272} +regel > he bowed <03766 +kara< > , he fell <05307 +naphal > : where <00834 +>aher > he bowed <03766 +kara< > , there <08033 +sham > he fell <05307 +naphal > down dead <07703 +shadad > .

07272 JUDG 005 015 And the princes <08269 +sar > of Issachar <03485 +Yissaskar > [were] with Deborah <01683 +D@bowrah > ; even Issachar <03485 +Yissaskar > , and also <03651 +ken > Barak <01301 +Baraq > : he was sent <07971 +shalach > on foot <{07272} +regel > into the valley <06010 +<emeq > . For the divisions <06391 +p@luggah > of Reuben <07205 +R@>uwben > [there were] great <01419 +gadawl > thoughts <02711 +cheqeq > of heart <03820 +leb > .

07272 JUDG 004 017 . Howbeit Sisera <05516 +Ciy@ra> > fled <05127 +nuwc > away on his feet <{07272} +regel > to the tent <00168 +>ohel > of Jael <03278 +Ya<el > the wife <00802 +>ishshah > of Heber <02268 +Cheber > the Kenite <07017 +Qeyniy > : for [there was] peace <07965 +shalowm > between <00996 +beyn > Jabin <02985 +Yabiyn > the king <04428 +melek > of Hazor <02674 +Chatsowr > and the house <01004 +bayi th > of Heber <02268 +Cheber > the Kenite <07017 +Qeyniy > .

07272 JUDG 004 015 And the LORD <03068 +Y@hovah > discomfited <02000 +hamam > Sisera <05516 +Ciy@ra> > , and all <03605 +kol > [his] chariots <07393 +rekeb > , and all <03605 +kol > [his] host <04264 +machaneh > , with the edge <06310 +peh > of the sword <02719 +chereb > before <06440 +paniym > Barak <01301 +Baraq > ; so that Sisera <05516 +Ciy@ra> > lighted <03381 +yarad > down <03381 +yarad > off <05921 +<al > [his] chariot <04818 +merkabah > , and fled <05127 +nuwc > away on his feet <{07272} +regel > .

07272 JUDG 004 010 . And Barak <01301 +Baraq > called <02199 +za<aq > Zebulun <02074 +Z@buwlun > and Naphtali <05321 +Naphtaliy > to Kedesh <06943 +Qedesh > ; and he went <05927 +<alah > up with ten <06235 +<eser > thousand <00505 +>eleph > men <00376 +>iysh > at his feet <{07272} +regel > : and Deborah <01683 +D@bowrah > went <05927 +<alah > up with him

07272 JUDG 003 024 When he was gone <03318 +yatsa> > out , his servants <05650 +<ebed > came <00935 +bow> > ; and when they saw <07200 +ra>ah > that , behold <02009 +hinneh > , the doors <01817 +deleth > of the parlour <05944 +<aliyah > [were] locked <05274 +na<al > , they said <00559 +>amar > , Surely <00389 +>ak > he covereth <05526 +cakak > his feet <{07272} +regel > in his summer <04747 +m@qerah > chamber <02315 +cheder > .

07272 JOS 014 009 And Moses <04872 +Mosheh > sware <07650 +shaba< > on that day <03117 +yowm > , saying <00559 +>amar > , Surely <00518 +>im > the land <00776 +>erets > whereon <00834 +>aher > thy feet <{07272} +regel > have trodden <01869 +darak > shall be thine inheritance <05159 +nachalah > , and thy children s <01121 +ben > for ever <05769 +<owlam > , because <03588 +kiy > thou hast wholly <04390 +male> > followed <00310 +>achar > the LORD <03068 +Y@hovah > my God <00430 +>elohiym > .

07272 JOS 010 024 And it came <01961 +hayah > to pass , when they brought <03318 +yatsa> > out those <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , that Joshua <03091 +Y@howshuwa< > called <07121 +qara> > for all <03605 +kol > the men <00376 +>iysh > of Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto the captains <07101 +qatsiyn > of the men of war <04421 +milchamah > which went <01980 +halak > with him , Come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , put <07760 +suwm > your feet <{07272} +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of these <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > . And they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , and put <07760 +suwm > their feet <07272 +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of them .

07272 JOS 010 024 And it came <01961 +hayah > to pass , when they brought <03318 +yatsa> > out those <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , that Joshua <03091 +Y@howshuwa< > called <07121 +qara> > for all <03605 +kol > the men <00376 +>iysh > of Israel <03478 +Yisra>el > , and said <00559 +>amar > unto the captains <07101 +qatsiyn > of the men of war <04421 +milchamah > which went <01980 +halak > with him , Come <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , put <07760 +suwm > your feet <07272 +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of these <00428 +>el - leh > kings <04428 +melek > . And they came <07126 +qarab > near <07126 +qarab > , and put <07760 +suwm > their feet <{07272} +regel > upon the necks <06677 +tsavva>r > of them .

07272 JOS 009 005 And old <01087 +baleh > shoes <05275 +na<al > and clouted <02921 +tala> > upon their feet <{07272} +regel > , and old <01087 +baleh > garments <08008 +salmah > upon them ; and all <03605 +kol > the bread <03899 +lechem > of their provision <06718 +tsayid > was dry <03004 +yabbashah > [and] mouldy <05350 +niqqud > .

07272 JOS 005 015 And the captain <08269 +sar > of the LORD S <03068 +Y@hovah > host <06635 +tsaba> > said <00559 +>amar > unto Joshua <03091 +Y@howshuwa< > , Loose <05394 +nashal > thy shoe <05275 +na<al > from off <05921 +<al > thy foot <{07272} +regel > ; for the place <04725 +maqowm > whereon thou standest <05975 +<amad > [is] holy <06944 +qodesh > . And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > did <06213 +<asah > so <03651 +ken > .

07272 JOS 004 018 And it came <01961 +hayah > to pass , when the priests <03548 +kohen > that bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > of the LORD <03068 +Y@hovah > were come <05927 +<alah > up out of the midst <08432

+tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , [and] the soles <03709 +kaph > of the priests <03548 +kohen > feet <{07272} +regel > were lifted <05423 +nathaq > up unto the dry <02724 +charabah > land , that the waters <04325 +mayim > of Jordan <03383 +Yarden > returned <07725 +shuwb > unto their place <04725 +maqowm > , and flowed <03212 +yalak > over <05921 +<al > all <03605 +kol > his banks <01415 +gadah > , as [they did] before .

07272 JOS 004 009 And Joshua <03091 +Y@howshuwa< > set <06965 +quwm > up twelve stones <68> in the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , in the place where the feet <{07272} +regel > of the priests <03548 +kohen > which bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the covenant <01285 +b@riyth > stood <04673 +matstsab > : and they are there <08033 +sham > unto this <02063 +zo>th > day <03117 +yowm > .

07272 JOS 004 003 And command <06680 +tsavah > ye them , saying <00559 +>amar > , Take <05375 +nasa> > you hence <02088 +zeh > out of the midst <08432 +tavek > of Jordan <03383 +Yarden > , out of the place where the priests <03548 +kohen > feet <{07272} +regel > stood <04673 +matstsab > firm <03559 +kuwn > , twelve stones <68> , and ye shall carry <05674 +<abar > them over <05674 +<abar > with you , and leave <03241 +Yaniym > them in the lodging <04411 +malown > place , where <00834 +>aher > ye shall lodge <03885 +luwn > this night <03915 +layil > .

07272 JOS 003 015 And as they that bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > were come <00935 +bow> > unto Jordan <03383 +Yarden > , and the feet <{07272} +regel > of the priests <03548 +kohen > that bare <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > were dipped <02881 +tabal > in the brim <07097 +qatseh > of the water <04325 +mayim > , (for Jordan <03383 +Yarden > overfloweth <04390 +male> > all <03605 +kol > his banks <01415 +gadah > all <03605 +kol > the time <03117 +yowm > of harvest <07105 +qatsiyar > ,)

07272 JOS 003 013 And it shall come <01961 +hayah > to pass , as soon as the soles <03709 +kaph > of the feet <{07272} +regel > of the priests <03548 +kohen > that bear <05375 +nasa> > the ark <00727 +>arown > of the LORD <03068 +Y@hovah > , the Lord <00113 +>adown > of all <03605 +kol > the earth <00776 +>erets > , shall rest <05117 +nuwach > in the waters <04325 +mayim > of Jordan <03383 +Yarden > , [that] the waters <04325 +mayim > of Jordan <03383 +Yarden > shall be cut <03772 +karath > off [from] the waters <04325 +mayim > that come <03381 +yarad > down <03381 +yarad > from above <04605 +ma<al > > ; and they shall stand <05975 +<amad > upon an heap <05067 +ned > .

07272 JOS 001 003 Every <03605 +kol > place <04725 +maqowm > that the sole <03709 +kaph > of your foot <{07272} +regel > shall tread <01869 +darak > upon , that have I given <05414 +nathan > unto you , as I said <01696 +dabar > unto Moses <04872 +Mosheh > .

07272 DEU 033 024 And of Asher <00836 +>Asher > he said <00559 +>amar > , [Let] Asher <00836 +>Asher > [be] blessed <01288 +barak > with children <01121 +ben > ; let him be acceptable <07522 +ratsown > to his brethren <00251 +>ach > , and let him dip <02881 +tabal > his foot <{07272} +regel > in oil <08081 +shemen > .

07272 DEU 033 003 Yea <00637 +>aph > , he loved <02245 +chabab > the people <05971 +<am > ; all <03605 +kol > his saints <06918 +qadowsh > [are] in thy hand <03027 +yad > : and they sat <08497 +takah > down <08497 +takah > at thy feet <{07272} +regel > ; [every one] shall receive <05375 +nasa> > of thy words

<01703 +dabbarah > .

07272 DEU 032 035 To me [belongeth] vengeance <05359 +naqam > ,
and recompence <08005 +shillem > ; their foot <{07272} +regel >
shall slide <04131 +mowt > in [due] time <06256 +<eth > : for
the day <03117 +yowm > of their calamity <00343 +>eyd > [is]
at <07138 +qarowb > hand <07138 +qarowb > , and the things that
shall come <06264 +<athiyd > upon them make haste <02363 +chuwsh
> .

07272 DEU 029 005 And I have led <03212 +yalak > you forty
<00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > in the wilderness
<04057 +midbar > : your clothes <08008 +salmah > are not waxen
old <01086 +balah > upon you , and thy shoe <05275 +na<al > is
not waxen old <01086 +balah > upon thy foot <{07272} +regel > .

07272 DEU 028 065 And among these <01992 +hem > nations <01471
+gowy > shalt thou find no <03808 +lo> > ease <07280 +raga< > ,
neither <03808 +lo> > shall the sole <03709 +kaph > of thy foot
<{07272} +regel > have <01961 +hayah > rest <04494 +manowach > :
but the LORD <03068 +Y@hovah > shall give <05414 +nathan > thee
there <08033 +sham > a trembling <07268 +raggaz > heart <03820
+leb > , and failing <03631 +killayown > of eyes <05869 +<ayin >
, and sorrow <01671 +d@>abown > of mind <05315 +nephesh > :

07272 DEU 028 057 And toward her young <07988 +shilyah > one
that cometh <03318 +yatsa> > out from between <00996 +beyn > her
feet <{07272} +regel > , and toward her children <01121 +ben >
which <00834 +>aher > she shall bear <03205 +yalad > : for she
shall eat <00398 +>akal > them for want <02640 +chocer > of all
<03605 +kol > [things] secretly <05643 +cether > in the siege
<04692 +matsowr > and straitness <04689 +matsowq > , wherewith
<00834 +>aher > thine enemy <00341 +>oyeb > shall distress
<06693 +tsuwq > thee in thy gates <08179 +sha<ar > .

07272 DEU 028 056 The tender <07390 +rak > and delicate <06028
+<anog > woman among you , which <00834 +>aher > would not
adventure <05254 +nacah > to set <03322 +yatsag > the sole
<03709 +kaph > of her foot <{07272} +regel > upon the ground
<00776 +>erets > for delicateness <06026 +<anag > and tenderness
<07391 +rok > , her eye <05869 +<ayin > shall be evil <07489
+ra<a< > toward the husband <00376 +>iysh > of her bosom <02436
+cheyq > , and toward her son <01121 +ben > , and toward her
daughter <01323 +bath > ,

07272 DEU 028 035 The LORD <03068 +Y@hovah > shall smite <05221
+nakah > thee in the knees <01290 +berek > , and in the legs
<07785 +showq > , with a sore <07451 +ra< > botch <07822
+sh@chiyn > that cannot be healed <07495 +rapha> > , from the
sole <03709 +kaph > of thy foot <{07272} +regel > unto the top
<06936 +qodqod > of thy head <06936 +qodqod > .

07272 DEU 025 009 Then shall his brother s <02994 +Y@bemeth >
wife <02994 +Y@bemeth > come <05066 +nagash > unto him in the
presence <05869 +<ayin > of the elders <02205 +zaqen > , and
loose <02502 +chalats > his shoe <05275 +na<al > from off <05921
+<al > his foot <{07272} +regel > , and spit <03417 +yaraq > in
his face <06440 +paniyim > , and shall answer <06030 +<anah > and
say <00559 +>amar > , So <03602 +kakah > shall it be done <06213
+<asah > unto that man <00376 +>iysh > that will not build
<01129 +banah > up his brother s <00251 +>ach > house <01004
+bayith > .

07272 DEU 019 021 And thine eye <05869 +<ayin > shall not pity
<02347 +chuwc > ; [but] life <05315 +nephesh > [shall go]
for life <05315 +nephesh > , eye <05869 +<ayin > for eye <05869
12/8/2021

+<ayin > , tooth <08127 +shen > for tooth <08127 +shen > , hand <03027 +yad > for hand <03027 +yad > , foot <{07272} +regel > for foot <07272 +regel > .

07272 DEU 019 021 And thine eye <05869 +<ayin > shall not pity <02347 +chuwc > ; [but] life <05315 +nephesh > [shall go] for life <05315 +nephesh > , eye <05869 +<ayin > for eye <05869 +<ayin > , tooth <08127 +shen > for tooth <08127 +shen > , hand <03027 +yad > for hand <03027 +yad > , foot <07272 +regel > for foot <{07272} +regel > .

07272 DEU 011 024 Every <03605 +kol > place <04725 +maqowm > whereon <00834 +>aher > the soles <03709 +kaph > of your feet <{07272} +regel > shall tread <01869 +darak > shall be yours : from the wilderness <04057 +midbar > and Lebanon <03844 +L@banown > , from the river <05104 +nahar > , the river <05104 +nahar > Euphrates <06578 +P@rath > , even unto the uttermost <00314 +>acharown > sea <03220 +yam > shall your coast <01366 +g@buwl > be .

07272 DEU 011 010 For the land <00776 +>erets > , whither thou goest <00935 +bow > in to possess <03423 +yarash > it , [is] not as the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , from whence ye came <03318 +yatsa > out , where <00834 +>aher > thou sowedst <02232 +zara > thy seed <02233 +zera > , and wateredst <08248 +shaqah > [it] with thy foot <{07272} +regel > , as a garden <01588 +gan > of herbs <03419 +yaraq > :

07272 DEU 011 006 And what <00834 +>aher > he did <06213 +<asah > unto Dathan <01885 +Dathan > and Abiram <48 > , the sons <01121 +ben > of Eliab <00446 +>Eliy>ab > , the son <01121 +ben > of Reuben <07205 +R@>uwben > : how <00834 +>aher > the earth <00776 +>erets > opened <06475 +patsah > her mouth <06310 +peh > , and swallowed <01104 +bala > them up , and their households <01004 +bayith > , and their tents <00168 +>ohel > , and all <03605 +kol > the substance <03351 +y@quwm > that [was] in their possession <{07272} +regel > , in the midst <07130 +qereb > of all <03605 +kol > Israel <03478 +Yisra>el > :

07272 DEU 008 004 Thy raiment <08071 +simlah > waxed not old <01086 +balah > upon thee , neither <03808 +lo > did thy foot <{07272} +regel > swell <01216 +batseq > , these <02088 +zeh > forty <00705 +>arba<iym > years <08141 +shaneh > .

07272 DEU 002 028 Thou shalt sell <07666 +shabar > me meat <00400 +>okel > for money <03701 +keceph > , that I may eat <00398 +>akal > ; and give <05414 +nathan > me water <04325 +mayim > for money <03701 +keceph > , that I may drink <08354 +shathah > : only <07535 +raq > I will pass <05674 +<abar > through on my feet <{07272} +regel > ;

07272 DEU 002 005 Meddle <01624 +garah > not with them ; for I will not give <05414 +nathan > you of their land <00776 +>erets > , no , not so much <05704 +<ad > as a foot <{07272} +regel > breadth <04096 +midrak > ; because <03588 +kiy > I have given <05414 +nathan > mount <02022 +har > Seir <08165 +Se<iyr > unto Esau <06215 +<Esav > [for] a possession <03425 +y@rushah > .

07272 NUM 022 025 And when the ass <00860 +>athown > saw <07200 +ra>ah > the angel <04397 +mal>ak > of the LORD <03068 +Y@hovah > , she thrust <03905 +lachats > herself unto the wall <07023 +qiy > , and crushed <03905 +lachats > Balaam s <01109 +Bi l <am > foot <{07272} +regel > against <00413 +>el > the wall <07023 +qiy > : and he smote <05221 +nakah > her again <03254 +yacaph > .

07272 NUM 020 019 And the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > said <00559 +>amar > unto him , We will go <05927 +<alah > by the high <04546 +m@cillah > way : and if <00518 +>im > I and my cattle <04735 +miqneh > drink <08354 +shathah > of thy water <04325 +mayim > , then I will pay for it : I will only <07535 +raq > , without <00369 +>ayin > [doing] any thing [else] , go <05674 +<abar > through <05674 +<abar > on my feet <{07272} +regel > .

07272 LEV 014 028 And the priest <03548 +kohen > shall put <05414 +nathan > of the oil <08081 +shemen > that [is] in his hand <03709 +kaph > upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > , upon the place <04725 +maqowm > of the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering :

07272 LEV 014 025 And he shall kill <07819 +shachat > the lamb <03532 +kebes > of the trespass <00817 +>asham > offering , and the priest <03548 +kohen > shall take <03947 +laqach > [some] of the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering , and put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > :

07272 LEV 014 017 And of the rest <03499 +yether > of the oil <08081 +shemen > that [is] in his hand <03709 +kaph > shall the priest <03548 +kohen > put <05414 +nathan > upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > , upon the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering :

07272 LEV 014 014 And the priest <03548 +kohen > shall take <03947 +laqach > [some] of the blood <01818 +dam > of the trespass <00817 +>asham > offering , and the priest <03548 +kohen > shall put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of him that is to be cleansed <02891 +taher > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > :

07272 LEV 013 012 And if <00518 +>im > a leprosy <06883 +tsara<ath > break <06524 +parach > out abroad <06524 +parach > in the skin <05785 +<owr > , and the leprosy <06883 +tsara<ath > cover <03680 +kacah > all <03605 +kol > the skin <05785 +<owr > of [him that hath] the plague <05061 +nega< > from his head <07218 +ro>sh > even to his foot <{07272} +regel > , wheresoever <03605 +kol > the priest <03548 +kohen > looketh ;

07272 LEV 011 042 Whatsoever <03605 +kol > goeth <01980 +halak > upon the belly <01512 +gachown > , and whatsoever <03605 +kol > goeth <01980 +halak > upon [all] four <00702 +>arba< > , or <05704 +<ad > whatsoever <03605 +kol > hath more <07235 +rabah > feet <{07272} +regel > among all <03605 +kol > creeping <08318 +sherets > things that creep <08317 +sharats > upon the earth <00776 +>erets > , them ye shall not eat <00398 +>akal > ; for they [are] an abomination <08263 +sheqets >

07272 LEV 011 023 But all <03605 +kol > [other] flying <05775 +<owph > creeping <08318 +sherets > things , which <00834 +>aher > have four <00702 +>arba< > feet <{07272} +regel > , [shall be] an abomination <08263 +sheqets > unto you .

07272 LEV 011 021 Yet <00389 +>ak > these <02088 +zeh > may ye eat <00398 +>akal > of every <03605 +kol > flying <05775 +<owph > creeping <08318 +sherets > thing that goeth <01980 +halak > upon [all] four <00702 +>arba< > , which <00834 +>aher > have legs <03767 +kara< > above <04605 +ma<al > their feet <{07272} +regel > , to leap <05425 +nathar > withal <02004 +hen > upon the earth <00776 +>erets > ;

07272 LEV 008 024 And he brought <07126 +qarab > Aaron s <00175 +>Aharown > sons <01121 +ben > , and Moses <04872 +Mosheh > put <05414 +nathan > of the blood <01818 +dam > upon the tip <08571 +t@nuwk > of their right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumbs <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hands <03027 +yad > , and upon the great toes <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > feet <{07272} +regel > : and Moses <04872 +Mosheh > sprinkled <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the altar <04196 +mi zbeach > round <05439 +cabi yb > about .

07272 LEV 008 023 And he slew <07819 +shachat > [it] ; and Moses <04872 +Mosheh > took <03947 +laqach > of the blood <01818 +dam > of it , and put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of Aaron s <00175 +>Aharown > right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > , and upon the thumb <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of his right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > .

07272 EXO 040 031 And Moses <04872 +Mosheh > and Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > washed <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > thereat :

07272 EXO 037 013 And he cast <03332 +yatsaq > for it four <00702 +>arba< > rings <02885 +tabba<ath > of gold <02091 +zahab > , and put <05414 +nathan > the rings <02885 +tabba<ath > upon the four <00702 +>arba< > corners <06285 +pe>ah > that [were] in the four <00702 +>arba< > feet <{07272} +regel > thereof .

07272 EXO 030 021 So they shall wash <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > , that they die <04191 +muwth > not : and it shall be a statute <02706 +choq > for ever <05769 +<owlam > to them , [even] to him and to his seed <02233 +zera< > throughout their generations <01755 +dowr > .

07272 EXO 030 019 For Aaron <00175 +>Aharown > and his sons <01121 +ben > shall wash <07364 +rachats > their hands <03027 +yad > and their feet <{07272} +regel > thereat :

07272 EXO 029 020 Then shalt thou kill <07819 +shachat > the ram <00352 +>ayil > , and take <03947 +laqach > of his blood <01818 +dam > , and put <05414 +nathan > [it] upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right ear <00241 +>ozen > of Aaron <00175 +>Aharown > , and upon the tip <08571 +t@nuwk > of the right <03233 +y@maniy > ear <00241 +>ozen > of his sons <01121 +ben > , and upon the thumb <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > hand <03027 +yad > , and upon the great toe <00931 +bohen > of their right <03233 +y@maniy > foot <{07272} +regel > , and sprinkle <02236 +zaraq > the blood <01818 +dam > upon the

al tar <04196 +mizbeach > round <05439 +cabi yb > about .

07272 EX0 025 026 And thou shalt make <06213 +<asah > for it four <00702 +>arba< > rings <02885 +tabba<ath > of gold <02091 +zahab > , and put <05414 +nathan > the rings <02885 +tabba<ath > in the four <00702 +>arba< > corners <06285 +pe>ah > that [are] on <05921 +<al > the four <00702 +>arba< > feet <{07272} +regel > thereof .

07272 EX0 024 010 And they saw <07200 +ra>ah > the God <00430 +>elohiym > of Israel <03478 +Yisra>el > : and [there was] under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > as it were a paved <03840 +libnah > work <04639 +ma<aseh > of a sapphire <05601 +cappiyr > stone , and as it were the body <06106 +<etsem > of heaven <08064 +shamayim > in [his] clearness <02892 +tohar > .

07272 EX0 012 011 And thus <03602 +kakah > shall ye eat <00398 +>akal > it ; [with] your loins <04975 +mothen > girded <02296 +chagar > , your shoes <05275 +na<al > on your feet <{07272} +regel > , and your staff <04731 +maqel > in your hand <03027 +yad > ; and ye shall eat <00398 +>akal > it in haste <02649 +chippazown > : it [is] the LORD S <03068 +Y@hovah > passover <06453 +pecach > .

07272 EX0 011 008 And all <03605 +kol > these <00428 +>el - leh > thy servants <05650 +<ebed > shall come <03381 +yarad > down <03381 +yarad > unto me , and bow <07812 +shachah > down <07812 +shachah > themselves unto me , saying <00559 +>amar > , Get <03318 +yatsa> > thee out , and all <03605 +kol > the people <05971 +<am > that follow <{07272} +regel > thee : and after <00310 +>achar > that I will go <03318 +yatsa> > out . And he went <03318 +yatsa> > out from Pharaoh <06547 +Par<oh > in a great <02750 +choriy > anger <00639 +>aph > .

07272 EX0 004 025 Then Zipporah <03855 +Lahad > took <03947 +laqach > a sharp <06864 +tsor > stone <06697 +tsuwr > , and cut <03772 +karath > off the foreskin <06190 +<orlah > of her son <01121 +ben > , and cast <05060 +naga< > [it] at his feet <{07272} +regel > , and said <00559 +>amar > , Surely <03588 +kiy > a bloody <01818 +dam > husband <02860 +chathan > [art] thou to me .

07272 EX0 003 005 And he said <00559 +>amar > , Draw not nigh <07126 +qarab > hither <01988 +halom > : put <05394 +nashal > off thy shoes <05275 +na<al > from off thy feet <{07272} +regel > , for the place <04725 +maqom > whereon thou standest <05975 +<amad > [is] holy <06944 +qodesh > ground <00127 +>adamah > .

07272 GEN 049 033 And when Jacob <03290 +Ya<aqob > had made an end <03615 +kalah > of commanding <06680 +tsavah > his sons <01121 +ben > , he gathered <00622 +>acaph > up his feet <{07272} +regel > into <00413 +>el > the bed <04296 +mittah > , and yielded <01478 +gava< > up the ghost <01478 +gava< > , and was gathered <00622 +>acaph > unto his people <05971 +<am > .

07272 GEN 049 010 The sceptre <07626 +shebet > shall not depart <05493 +cuwr > from Judah <03063 +Y@huwdah > , nor a lawgiver <02710 +chaqaaq > from between <00996 +beyn > his feet <{07272} +regel > , until Shiloh <07886 +Shiylah > come <00935 +bow> > ; and unto him [shall] the gathering <03349 +yiqqahah > of the people <05971 +<am > [be] .

07272 GEN 043 024 And the man <00376 +>iysh > brought <00935 +bow> > the men <00582 +>enowsh > into Joseph s <03130 +Yowceph > house <01004 +bayith > , and gave <05414 +nathan > [them]

water <04325 +mayim > , and they washed <07364 +rachats > their feet <{07272} +regel > ; and he gave <05414 +nathan > their asses <02543 +chamowr > provender <04554 +micpow> > .

07272 GEN 041 044 And Pharaoh <06547 +Par<oh > said <00559 +>amar > unto Joseph <03130 +Yowceph > , I [am] Pharaoh <06547 +Par<oh > , and without <01107 +bil<adey > thee shall no <03808 +lo> > man <00376 +>iysh > lift <07311 +ruwm > up his hand <03027 +yad > or foot <{07272} +regel > in all <03605 +kol > the land <00776 +>erets > of Egypt <04714 +Mitsrayim > .

07272 GEN 033 014 Let my lord <00113 +>adown > , I pray <04994 +na> > thee , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > before <06440 +paniym > his servant <05650 +<ebed > : and I will lead <05095 +nahal > on softly <00328 +>at > , according <{07272} +regel > as the cattle <04399 +m@la>kah > that goeth before <06440 +paniym > me and the children <03206 +yeled > be able <07272 +regel > to endure <07272 +regel > , until <05704 +<ad > I come <00935 +bow> > unto my lord <00113 +>adown > unto Seir <08165 +Se<iyr > .

07272 GEN 033 014 Let my lord <00113 +>adown > , I pray <04994 +na> > thee , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > before <06440 +paniym > his servant <05650 +<ebed > : and I will lead <05095 +nahal > on softly <00328 +>at > , according <07272 +regel > as the cattle <04399 +m@la>kah > that goeth before <06440 +paniym > me and the children <03206 +yeled > be able <{07272} +regel > to endure <07272 +regel > , until <05704 +<ad > I come <00935 +bow> > unto my lord <00113 +>adown > unto Seir <08165 +Se<iyr > .

07272 GEN 033 014 Let my lord <00113 +>adown > , I pray <04994 +na> > thee , pass <05674 +<abar > over <05674 +<abar > before <06440 +paniym > his servant <05650 +<ebed > : and I will lead <05095 +nahal > on softly <00328 +>at > , according <07272 +regel > as the cattle <04399 +m@la>kah > that goeth before <06440 +paniym > me and the children <03206 +yeled > be able <07272 +regel > to endure <{07272} +regel > , until <05704 +<ad > I come <00935 +bow> > unto my lord <00113 +>adown > unto Seir <08165 +Se<iyr > .

07272 GEN 030 030 For [it was] little <04592 +m@<at > which <00834 +>aher > thou hadst before <06440 +paniym > I [came] , and it is [now] increased <06555 +parats > unto a multitude <07230 +rob > ; and the LORD <03068 +Y@hovah > hath blessed <01288 +barak > thee since my coming <{07272} +regel > : and now <06258 +<attah > when <04970 +mathay > shall I provide <06213 +<asah > for mine own house <01004 +bayith > also <01571 +gam > ?

07272 GEN 024 032 And the man <00376 +>iysh > came <00935 +bow> > into the house <01004 +bayith > : and he ungirded <06605 +pathach > his camels <01581 +gamal > , and gave <05414 +nathan > straw <08401 +teben > and provender <04554 +micpow> > for the camels <01581 +gamal > , and water <04325 +mayim > to wash <07364 +rachats > his feet <{07272} +regel > , and the men s <00582 +>enowsh > feet <07272 +regel > that [were] with him .

07272 GEN 024 032 And the man <00376 +>iysh > came <00935 +bow> > into the house <01004 +bayith > : and he ungirded <06605 +pathach > his camels <01581 +gamal > , and gave <05414 +nathan > straw <08401 +teben > and provender <04554 +micpow> > for the camels <01581 +gamal > , and water <04325 +mayim > to wash <07364 +rachats > his feet <07272 +regel > , and the men s <00582 +>enowsh > feet <{07272} +regel > that [were] with him .

07272 GEN 019 002 And he said <00559 +>amar > , Behold <02009

+hinneh > now <04994 +na> > , my lords <00113 +>adown > , turn <05493 +cuwr > in , I pray <04994 +na> > you , into <00413 +>el > your servant s <05650 +>ebed > house <01004 +bayith > , and tarry <03885 +luwn > all <03885 +luwn > night , and wash <07364 +rachats > your feet <{07272} +regel > , and ye shall rise <07925 +shakam > up early <07925 +shakam > , and go <01980 +halak > on your ways <01870 +derek > . And they said <00559 +>amar > , Nay ; but we will abide <03885 +luwn > in the street <07339 +r@chob > all <03885 +luwn > night .

07272 GEN 018 004 Let a little <04592 +m@<at > water <04325 +mayim > , I pray <04994 +na> > you , be fetched <03947 +laqach > , and wash <07364 +rachats > your feet <{07272} +regel > , and rest <08172 +sha<an > yourselves under <08478 +tachath > the tree <06086 +<ets > :

07272 PSA 121 003 He will not suffer <05414 +nathan > thy foot <{07272} +regel > to be moved <04132 +mowt > : he that keepeth <08104 +shamar > thee will not slumber <05123 +nuwm > .

07272 ISA 028 003 The crown <05850 +<atarah > of pride <01348 +ge>uwth > , the drunkards <07910 +shikkowr > of Ephraim <00669 +>Ephrayim > , shall be trodden <07429 +ramac > under feet <{07272} +regel > :

07272 ISA 060 014 The sons <01121 +ben > also of them that afflicted <06031 +<anah > thee shall come <01980 +halak > bending <07817 +shachach > unto thee ; and all <03605 +kol > they that despised <05006 +na>ats > thee shall bow <07812 +shachah > themselves down <07812 +shachah > at <05921 +<al > the soles <03709 +kaph > of thy feet <{07272} +regel > ; and they shall call <07121 +qara> > thee , The city <05892 +<iyr > of the LORD <03068 +Y@hovah > , The Zion <06726 +Tsiyown > of the Holy <06918 +qadowsh > One of Israel <03478 +Yisra>el > .

07272 ISA 060 013 The glory <03519 +kabowd > of Lebanon <03844 +L@banown > shall come <00935 +bow> > unto thee , the fir <01265 +b@rowsh > tree , the pine <08410 +tidhar > tree , and the box <08391 +t@>ashshuwr > together <03162 +yachad > , to beautify <06286 +pa>ar > the place <04725 +maqowm > of my sanctuary <04720 +miqdash > ; and I will make <07760 +suwm > the place <04725 +maqowm > of my feet <{07272} +regel > glorious <03513 +kabad > .

07272 ISA 059 007 Their feet <{07272} +regel > run <07323 +ruwts > to evil <07451 +ra< > , and they make haste <04116 +mahar > to shed <08210 +shaphak > innocent <05355 +naqiy > blood <01818 +dam > : their thoughts <04284 +machashabah > [are] thoughts <04284 +machashabah > of iniquity <00205 +>aven > ; wasting <07701 +shod > and destruction <07667 +sheber > [are] in their paths <04546 +m@cillah > .

07272 ISA 058 013 . If <00518 +>im > thou turn <07725 +shuwb > away thy foot <{07272} +regel > from the sabbath <07676 +shabbath > , [from] doing <06213 +<asah > thy pleasure <02656 +chephets > on my holy <06944 +qodesh > day <03117 +yowm > ; and call <07121 +qara> > the sabbath <07676 +shabbath > a delight <06027 +<oneg > , the holy <06918 +qadowsh > of the LORD <03068 +Y@hovah > , honourable <03513 +kabad > ; and shalt honour <03513 +kabad > him , not doing <06213 +<asah > thine own ways <01870 +derek > , nor finding <04672 +matsa> > thine own pleasure <02656 +chephets > , nor speaking <01696 +dabar > [thine own] words <01697 +dabar > :

07272 ISA 052 007 . How <04100 +mah > beautiful <04998 +na>ah > upon the mountains <02022 +har > are the feet <{07272} +regel >

of him that bringeth <01319 +basar > good <02896 +towb > tidings <01319 +basar > , that publisheth <08085 +shama< > peace <07965 +shalowm > ; that bringeth <01319 +basar > good <02896 +towb > tidings <01319 +basar > of good <02896 +towb > , that publisheth <08085 +shama< > salvation <03444 +y@shuw<ah > ; that saith <00559 +>amar > unto Zion <06726 +Tsiyown > , Thy God <00430 +>el ohi ym > reigneth <04427 +mal ak > !

07272 ISA 049 023 And kings <04428 +melek > shall be thy nursing <00539 +>aman > fathers , and their queens <08282 +sarah > thy nursing <03243 +yanaq > mothers : they shall bow <07812 +shachah > down <07812 +shachah > to thee with [their] face <00639 +>aph > toward the earth <00776 +>erets > , and lick <03897 +lachak > up the dust <06083 +<aphar > of thy feet <{07272} +regel > ; and thou shalt know <03045 +yada< > that I [am] the LORD <03068 +Y@hovah > : for they shall not be ashamed <00954 +buwsh > that wait <06960 +qavah > for me .

07272 ISA 041 003 He pursued <07291 +radaph > them , [and] passed <05674 +<abar > safely <07965 +shalowm > ; [even] by the way <00734 +>orach > [that] he had not gone <00935 +bow> > with his feet <{07272} +regel > .

07272 ISA 041 002 Who <04310 +mi y > raised <05782 +<uwr > up the righteous <06664 +tsedeg > [man] from the east <04217 +mi zrach > , called <07121 +qara> > him to his foot <{07272} +regel > , gave <05414 +nathan > the nations <01471 +gowy > before <06440 +paniym > him , and made [him] rule <07287 +radah > over kings <04428 +melek > ? he gave <05414 +nathan > [them] as the dust <06083 +<aphar > to his sword <02719 +chereb > , [and] as driven <05086 +nadaph > stubble <07179 +qash > to his bow <07198 +qesheth > .

07272 ISA 032 020 Blessed <00835 +>esher > [are] ye that sow <02232 +zara< > beside <05921 +<al > all <03605 +kol > waters <04325 +mayim > , that send <07971 +shalach > forth [thither] the feet <{07272} +regel > of the ox <07794 +showr > and the ass <02543 +chamowr > .

07272 ISA 017 006 And [he had] greaves <04697 +mitschah > of brass <05178 +n@chosheth > upon his legs <{07272} +regel > , and a target <03591 +ki ydown > of brass <05178 +n@chosheth > between <00996 +beyn > his shoulders <03802 +katheph > .

07272 EZE 032 013 I will destroy <6> also all <03605 +kol > the beasts <00929 +b@hemah > thereof from beside <05921 +<al > the great <07227 +rab > waters <04325 +mayim > ; neither <03808 +lo> > shall the foot <{07272} +regel > of man <00120 +>adam > trouble <04103 +m@huwmah > them any more <05750 +<owd > , nor <03808 +lo> > the hoofs <06541 +parcah > of beasts <00929 +b@hemah > trouble <01804 +dalach > them .

07272 EZE 032 002 Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , take <05375 +nasa> > up a lamentation <07015 +qi ynah > for Pharaoh <06547 +Par<oh > king <04428 +melek > of Egypt <04714 +Mitsrayim > , and say <00559 +>amar > unto him , Thou art like a young <03715 +k@phi yr > lion <03715 +k@phi yr > of the nations <01471 +gowy > , and thou [art] as a whale <08565 +tan > in the seas <03220 +yam > : and thou camest <01518 +gi yach > forth <01518 +gi yach > with thy rivers <05104 +nahar > , and troubledst <01804 +dalach > the waters <04325 +mayim > with thy feet <{07272} +regel > , and fouledst <007515 + +raphas <eduwth > their rivers <05104 +nahar > .

07272 EZE 029 011 No <03808 +lo> > foot <{07272} +regel > of man <00120 +>adam > shall pass <05674 +<abar > through it , nor

<03808 +lo> > foot <07272 +regel > of beast <00929 +b@hemah >
 shall pass <05674 +<abar > through it , neither <03808 +lo> >
 shall it be inhabited <03427 +yashab > forty <00705 +>arba<iym >
 years <08141 +shaneh > .

07272 ISA 007 020 In the same <01931 +huw> > day <03117 +yowm >
 shall the Lord <00136 +>Adonay > shave <01548 +galach > with a
 razor <08593 +ta<ar > that is hired <07917 +s@kiyrah > , [
 namely] , by them beyond <05676 +<eber > the river <05104
 +nahar > , by the king <04428 +melek > of Assyria <00804
 +>Ashshuwr > , the head <07218 +ro>sh > , and the hair <08181
 +se<ar > of the feet <{07272} +regel > : and it shall also
 <01571 +gam > consume <05595 +caphah > the beard <02206 +zaqan >
 .

07272 EZE 025 006 For thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar >
 the Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Because
 <03282 +ya<an > thou hast clapped <04222 +macha> > [thine]
 hands <03027 +yad > , and stamped <07554 +raqa< > with the feet
 <{07272} +regel > , and rejoiced <08055 +samach > in heart
 <05315 +nephesh > with all <03605 +kol > thy despite <07589
 +sh@>at > against <00413 +>el > the land <00127 +>adamah > of
 Israel <03478 +Yi sra>el > ;

07272 EZE 024 023 And your tires <06287 +p@>er > [shall be]
 upon your heads <07218 +ro>sh > , and your shoes <05275 +na<al >
 upon your feet <{07272} +regel > : ye shall not mourn <05594
 +caphad > nor <03808 +lo> > weep <01058 +bakah > ; but ye shall
 pine <04743 +maqaq > away for your iniquities <05771 +<avon > ,
 and mourn <05098 +naham > one <00376 +>iysh > toward <00413 +>el
 > another <00250 +>Ezrachiy > .

07272 EZE 024 017 Forbear <01826 +damam > to cry <00602 +>anaq >
 , make <06213 +<asah > no <03808 +lo> > mourning <60> for the
 dead <04191 +muwth > , bind <02280 +chabash > the tire <06287
 +p@>er > of thine head upon thee , and put <07760 +suwm > on thy
 shoes <05275 +na<al > upon thy feet <{07272} +regel > , and
 cover <05844 +<atah > not [thy] lips <08222 +sapham > , and
 eat <00398 +>akal > not the bread <03899 +lechem > of men <00582
 +>enowsh > .

07272 EZE 016 025 Thou hast built <01129 +banah > thy high
 <07413 +ramah > place at <00413 +>el > every <03605 +kol > head
 <07218 +ro>sh > of the way <01870 +derek > , and hast made thy
 beauty <03308 +yophiy > to be abhorred <08581 +ta<ab > , and
 hast opened <06589 +pasaq > thy feet <{07272} +regel > to every
 <03605 +kol > one that passed <05674 +<abar > by , and
 multiplied <07235 +rabah > thy whoredoms <08457 +taznuwth > .

07272 EZE 006 011 . Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the
 Lord <00136 +>Adonay > GOD <03069 +Y@hovi h > ; Smite <05221
 +nakah > with thine hand <03709 +kaph > , and stamp <07554
 +raqa< > with thy foot <{07272} +regel > , and say <00559 +>amar
 > , Alas <00253 +>ach > for all <03605 +kol > the evil <07451
 +ra< > abominations <08441 +tow<ebah > of the house <01004
 +bayith > of Israel <03478 +Yi sra>el > ! for they shall fall
 <05307 +naphal > by the sword <02719 +chereb > , by the famine
 <07458 +ra<ab > , and by the pestilence <01698 +deber > .

07272 EZE 003 024 Then the spirit <07307 +ruwach > entered
 <00935 +bow> > into me , and set <05975 +<amad > me upon my feet
 <{07272} +regel > , and spake <01696 +dabar > with me , and said
 <00559 +>amar > unto me , Go <00935 +bow> > , shut <05462 +cagar
 > thysel f with in <08432 +tavek > thine house <01004 +bayith > .

07272 EZE 002 002 And the spirit <07307 +ruwach > entered <00935

+bow> > into me when <00834 +>aher > he spake <01696 +dabar > unto me , and set <05975 +<amad > me upon my feet <{07272} +regel > , that I heard <08085 +shama< > him that spake <01696 +dabar > unto me .

07272 EZE 002 001 . And he said <00559 +>amar > unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , stand <05975 +<amad > upon thy feet <{07272} +regel > , and I will speak <01696 +dabar > unto thee .

07272 EZE 001 007 And their feet <{07272} +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <07272 +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <07272 +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <07272 +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 EZE 001 007 And their feet <07272 +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <{07272} +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <07272 +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <07272 +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 EZE 001 007 And their feet <07272 +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <07272 +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <{07272} +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <07272 +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 EZE 001 007 And their feet <07272 +regel > [were] straight <03474 +yashar > feet <07272 +regel > ; and the sole <03709 +kaph > of their feet <07272 +regel > [was] like the sole <03709 +kaph > of a calf s <05695 +<egel > foot <{07272} +regel > : and they sparkled <05340 +natsats > like the colour <05869 +<ayin > of burnished <07044 +qalal > brass <05178 +n@chosheth > .

07272 LAM 003 034 To crush <01792 +daka> > under <08478 +tachath > his feet <{07272} +regel > all <03605 +kol > the prisoners <00615 +>acyr > of the earth <00776 +>erets > ,

07272 LAM 001 013 From above <04791 +marowm > hath he sent <07971 +shalach > fire <00784 +>esh > into my bones <06106 +<etsem > , and it prevaieth <07287 +radah > against them : he hath spread <06566 +paras > a net <07568 +resheth > for my feet <{07272} +regel > , he hath turned <07725 +shuwb > me back <00268 +>achowr > : he hath made <05414 +nathan > me desolate <08076 +shamem > [and] faint <01738 +davah > all <03605 +kol > the day <03117 +yowm > .

07272 JER 038 022 And , behold <02009 +hinneh > , all <03605 +kol > the women <00802 +>ishshah > that are left <07604 +sha>ar > in the king <04428 +melek > of Judah s <03063 +Y@huwdah > house <01004 +bayith > [shall be] brought <03318 +yatsa> > forth <04163 +mowtsa>ah > to the king <04428 +melek > of Babylon s <00894 +Babel > princes <08269 +sar > , and those <02007 +hennah > [women] shall say <00559 +>amar > , Thy friends have set <05496 +cuwth > thee on , and have prevailed <03201 +yakol > against thee : thy feet <{07272} +regel > are sunk <02883 +taba< > in the mire <01206 +bots > , [and] they are turned <05472 +cuwg > away back <00268 +>achowr > .

07272 JER 018 022 Let a cry <02201 +za<aq > be heard <08085 +shama< > from their houses <01004 +bayi th > , when <03588 +kiy > thou shalt bring <00935 +bow> > a troop <01416 +g@duwd > suddenly <06597 +pith>omw > upon them : for they have digged <03738 +karah > a pit to take <03920 +lakad > me , and hid <02934 +taman > snares <06341 +pach > for my feet <{07272} +regel > .

07272 JER 014 010 . Thus <03541 +koh > saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > unto this <02088 +zeh > people <05971 +<am > , Thus <03651 +ken > have they loved <00157 +>ahab > to wander <05128 +nuwa< > , they have not refrained <02820 +chasak > their feet <{07272} +regel > , therefore the LORD <03068 +Y@hovah > doth not accept <07521 +ratsah > them ; he will now <04994 +na> > remember <02142 +zakar > their iniquity <05771 +<avon > , and visit <06485 +paqad > their sins <02403 +chatta>ah > .

07272 JER 013 016 Give <05414 +nathan > glory <03519 +kabowd > to the LORD <03068 +Y@hovah > your God <00430 +>elohiym > , before <02962 +terem > he cause darkness <02821 +chashak > , and before <02962 +terem > your feet <{07272} +regel > stumble <05062 +nagaph > upon the dark <05399 +nesheph > mountains <02022 +har > , and , while ye look <06960 +qavah > for light <00216 +>owr > , he turn <07760 +suwm > it into the shadow <06757 +tsalmaveth > of death <06757 +tsalmaveth > , [and] make <07896 +shiyth > [it] gross <06205 +<araphel > darkness <06205 +<araphel > .

07272 PRO 004 027 Turn <05186 +natah > not to the right <03225 +yamiyn > hand <03227 +y@miyniy > nor to the left <08040 +s@mo>wl > : remove <05493 +cuwr > thy foot <{07272} +regel > from evil <07451 +ra< > .

07272 PRO 004 026 Ponder <06424 +palac > the path <04570 +ma<gal > of thy feet <{07272} +regel > , and let all <03605 +kol > thy ways <01870 +derek > be established <03559 +kuwn > .

07272 PRO 003 026 For the LORD <03068 +Y@hovah > shall be thy confidence <03689 +kecel > , and shall keep <08104 +shamar > thy foot <{07272} +regel > from being taken <03921 +leked > .

07272 PRO 003 023 Then <00227 +>az > shalt thou walk <03212 +yalak > in thy way <01870 +derek > safely <00983 +betach > , and thy foot <{07272} +regel > shall not stumble <05062 +nagaph > .

07272 PRO 001 016 For their feet <{07272} +regel > run <07323 +ruwts > to evil <07451 +ra< > , and make haste <04116 +mahar > to shed <08210 +shaphak > blood <01818 +dam > .

07272 PRO 001 015 My son <01121 +ben > , walk <03212 +yalak > not thou in the way <01870 +derek > with them ; refrain <04513 +mana< > thy foot <{07272} +regel > from their path <05410 +nathiyb > :

07272 PSA 122 002 Our feet <{07272} +regel > shall stand <05975 +<amad > within thy gates <08179 +sha<ar > , O Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > .

07272 ZEC 014 004 And his feet <{07272} +regel > shall stand <05975 +<amad > in that day <03117 +yowm > upon the mount <02022 +har > of Olives <02132 +zayith > , which <00834 +>aher > [is] before Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > on the east <06924 +qedem > , and the mount <02022 +har > of Olives <02132 +zayith >

> shall cleave <01234 +baqa< > in the midst <02677 +chetsiy > thereof toward the east <04217 +mizrach > and toward the west <03220 +yam > , [and there shall be] a very <03966 +m@<od > great <01419 +gadawl > valley <01516 +gay> > ; and half <02677 +chetsiy > of the mountain <02022 +har > shall remove <04185 +muwsh > toward the north <06828 +tsaphown > , and half <02677 +chetsiy > of it toward the south <05045 +negeb > .

07272 HAB 003 019 The LORD <03068 +Y@hovah > God <00136 +>Adonay > [is] my strength <02428 +chayil > , and he will make <07760 +suwm > my feet <{07272} +regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <{07272} +regel >] , and he will make me to walk <01869 +darak > upon mine high <01116 +bamah > places . To the chief <05329 +natsach > singer <05329 +natsach > on my stringed <05058 +n@giyah > instruments .

07272 HAB 003 019 The LORD <03068 +Y@hovah > God <00136 +>Adonay > [is] my strength <02428 +chayil > , and he will make <07760 +suwm > my feet <07272 +regel > like hinds <00355 +>ayalah > [feet <{07272} +regel >] , and he will make me to walk <01869 +darak > upon mine high <01116 +bamah > places . To the chief <05329 +natsach > singer <05329 +natsach > on my stringed <05058 +n@giyah > instruments .

07272 HAB 003 005 Before <06440 +paniym > him went <03212 +yalak > the pestilence <01698 +deber > , and burning <07565 +resheph > coals <07565 +resheph > went <03318 +yatsa> > forth <03318 +yatsa> > at his feet <{07272} +regel > .

07272 NAH 001 015 Behold <02209 +ziqnah > upon the mountains <02022 +har > the feet <{07272} +regel > of him that bringeth <01319 +basar > good <01319 +basar > tidings <01319 +basar > , that publisheth <08085 +shama< > peace <07965 +shalowm > ! O Judah <03063 +Y@huwdah > , keep <02287 +chagag > thy solemn <02282 +chag > feasts <02282 +chag > , perform <07999 +shalam > thy vows <05088 +neder > : for the wicked <01100 +b@liya<al > shall no <03808 +lo> > more pass <05674 +<abar > through thee ; he is utterly <03605 +kol > cut <03772 +karath > off .

07272 NAH 001 003 The LORD <03068 +Y@hovah > [is] slow <00750 +>arek > to anger <00639 +>aph > , and great <01431 +gadal > in power <03581 +koach > , and will not at all acquit <05352 +naqah > [the wicked <07563 +rasha< >] : the LORD <03068 +Y@hovah > hath his way <01870 +derek > in the whirlwind <05492 +cuwphah > and in the storm <08183 +s@<arah > , and the clouds <06051 +<anan > [are] the dust <80> of his feet <{07272} +regel > .

07272 AMO 002 015 Neither <03808 +lo> > shall he stand <05975 +<amad > that handleth <08610 +taphas > the bow <07198 +qesheth > ; and [he that is] swift <07031 + qal > of foot <{07272} +regel > shall not deliver <04422 +malat > [himself <05315 +nephesh >] : neither <03808 +lo> > shall he that rideth <07392 +rakab > the horse <05483 +cuwc > deliver <04422 +malat > himself <05315 +nephesh > .

07272 EZE 043 007 . And he said <00559 +>amar > unto me , Son <01121 +ben > of man <00120 +>adam > , the place <04725 +maqowm > of my throne <03678 +kicce> > , and the place <04725 +maqowm > of the soles <03709 +kaph > of my feet <{07272} +regel > , where I will dwell <07931 +shakan > in the midst <08432 +tavek > of the children <01121 +ben > of Israel <03478 +Yisra>el > for ever <05769 +<owlam > , and my holy <06944 +qodesh > name <08034 +shem > , shall the house <01004 +bayith > of Israel <03478 +Yisra>el > no <03808 +lo> > more <05750 +<owd > defile <02930 +tame> > , [neither] they , nor their kings <04428 +melek > , by their whoredom <02184 +z@nuwth > , nor by the carcasses <06297

+peger > of their kings <04428 +melek > in their high <01116
+bamah > places .

07272 EZE 037 010 So I prophesied <05012 +naba> > as he
commanded <06680 +tsavah > me , and the breath <07307 +ruwach >
came <00935 +bow> > into them , and they lived <02421 +chayah > ,
and stood <05975 +amad > up upon their feet <{07272} +regel > ,
an exceeding <03966 +m@od > great <01419 +gadawl > army <02428
+chayil > .

07272 EZE 034 019 And [as for] my flock <06629 +tso>n > , they
eat <07462 +ra<ah > that which ye have trodden <07429 +ramac >
with your feet <{07272} +regel > ; and they drink <08354
+shathah > that which ye have fouled <04833 +mirpas > with your
feet <07272 +regel > .

07272 EZE 034 019 And [as for] my flock <06629 +tso>n > , they
eat <07462 +ra<ah > that which ye have trodden <07429 +ramac >
with your feet <07272 +regel > ; and they drink <08354 +shathah
> that which ye have fouled <04833 +mirpas > with your feet
<{07272} +regel > .

07272 EZE 034 018 [Seemeth <05869 +ayin > it] a small <04592
+m@at > thing unto you to haveeaten <07462 +ra<ah > up the good
<02896 +towb > pasture <04829 +mir<eh > , but ye must tread
<07429 +ramac > down with your feet <{07272} +regel > the
residue <03499 +yether > of your pastures <04829 +mir<eh > ? and
to have drunk <08354 +shathah > of the deep <04950 +mi shqa< >
waters <04325 +mayim > , but ye must foul <007515 + raphas
<eduwth > the residue <03498 +yathar > with your feet <07272
+regel > ?

07272 EZE 034 018 [Seemeth <05869 +ayin > it] a small <04592
+m@at > thing unto you to haveeaten <07462 +ra<ah > up the good
<02896 +towb > pasture <04829 +mir<eh > , but ye must tread
<07429 +ramac > down with your feet <07272 +regel > the residue
<03499 +yether > of your pastures <04829 +mir<eh > ? and to have
drunk <08354 +shathah > of the deep <04950 +mi shqa< > waters
<04325 +mayim > , but ye must foul <007515 + raphas <eduwth >
the residue <03498 +yathar > with your feet <{07272} +regel > ?

07272 ISA 026 006 The foot <{07272} +regel > shall tread <07429
+ramac > it down , [even] the feet <07272 +regel > of the poor
<06041 +<aniy > , [and] the steps <06471 +pa<am > of the needy
<01800 +dal > .

07272 ISA 026 006 The foot <07272 +regel > shall tread <07429
+ramac > it down , [even] the feet <{07272} +regel > of the
poor <06041 +<aniy > , [and] the steps <06471 +pa<am > of the
needy <01800 +dal > .

07272 ISA 023 007 [Is] this <02063 +zo>th > your joyous <05947
+<alliyz > [city] , whose antiquity <06927 +qadmah > [is] of
ancient <06924 +qedem > days <03117 +yowm > ? her own feet
<{07272} +regel > shall carry <02986 +yabal > her afar <07350
+rachowq > off to sojourn <01481 +guwr > .

07272 ISA 020 002 At the same <01931 +huw> > time <06256 +<eth >
spake <01696 +dabar > the LORD <03068 +Y@hovah > by Isai ah
<03470 +Y@sha<yah > the son <01121 +ben > of Amoz <00531
+>Amowts > , saying <00559 +>amar > , Go <03212 +yal ak > and
loose <06605 +pathach > the sackcloth <08242 +saq > from off
<05921 +<al > thy loins <04975 +mothen > , and put <02502
+chalats > off thy shoe <05275 +na<al > from thy foot <{07272}
+regel > . And he did <06213 +<asah > so <03651 +ken > , walking
<01980 +hal ak > naked <06174 +<arowm > and barefoot <03182
12/8/2021

+yacheph > .

07272 ISA 006 002 Above <04605 +ma<al > it stood <05975 +<amad > the seraphims <08314 +saraph > : each <00259 +>echad > one <00259 +>echad > had six <08337 +shesh > wings <03671 +kanaph > ; with twain <08147 +sh@nayim > he covered <03680 +kacah > his face <06440 +paniym > , and with twain <08147 +sh@nayim > he covered <03680 +kacah > his feet <{07272} +regel > , and with twain <08147 +sh@nayim > he did fly <05774 +<uwph > .

07272 ISA 003 016 . Moreover the LORD <03068 +Y@hovah > saith <00559 +>amar > , Because the daughters <01121 +ben > of Zion <06726 +Tsiyown > are haughty <01361 +gabahh > , and walk <03212 +yalak > with stretched <05186 +natah > forth necks <01627 +garown > and wanton <08265 +saqar > eyes <05869 +<ayin > , walking <01980 +halak > and mincing <02952 +taphaph > [as] they go <03212 +yalak > , and making a tinkling <05913 +<akac > with their feet <{07272} +regel > :

07272 ISA 001 006 From the sole <03709 +kaph > of the foot <{07272} +regel > even unto the head <07218 +ro>sh > [there is] no <00369 +>ayin > soundness <04974 +m@thom > in it ; [but] wounds <06482 +petsa< > , and bruises <02250 +chabbuwrah > , and putrifying <02961 +tariy > sores <04347 +makkah > : they have not been closed <02115 +zuwr > , neither <03808 +lo> > bound <02280 +chabash > up , neither <03808 +lo> > mollified <07401 +rakak > with ointment <08081 +shemen > .

07272 SON 005 003 I have put <06584 +pashat > off my coat <03801 +k@thoneth > ; how <00349 +>eyk > shall I put <03847 +labash > it on ? I have washed <07364 +rachats > my feet <{07272} +regel > ; how <00349 +>eyk > shall I defile <02936 +tanaph > them ?

07272 ECC 005 001 . Keep <08104 +shamar > thy foot <{07272} +regel > when <00834 +>aher > thou goest <03212 +yalak > to the house <01004 +bayith > of God <00430 +>elohiym > , and be more <07138 +qarowb > ready <07138 +qarowb > to hear <08085 +shama< > , than to give <05414 +nathan > the sacrifice <02077 +zebach > of fools <03684 +k@ciyl > : for they consider <03045 +yada< > not that they do <06213 +<asah > evil <07451 +ra< > .

07272 PRO 026 006 . He that sendeth <07971 +shalach > a message <01697 +dabar > by the hand <03027 +yad > of a fool <03684 +k@ciyl > cutteth <07096 +qatsah > off the feet <{07272} +regel > , [and] drinketh <08354 +shathah > damage <02555 +chamac > .

07272 PRO 025 019 . Confidence <04009 +mibtach > in an unfaithful <00898 +bagad > man in time <03117 +yowm > of trouble <06869 +tsarah > [is like] a broken <07465 +ro<ah > tooth <08127 +shen > , and a foot <{07272} +regel > out of joint <04154 +muw<edeth > .

07272 PRO 025 017 . Withdraw <03365 +yaqar > thy foot <{07272} +regel > from thy neighbour s <07453 +rea< > house <01004 +bayith > ; lest <06435 +pen > he be weary <07646 +saba< > of thee , and [so] hate <08130 +sane> > thee .

07272 PRO 019 002 . Also <01571 +gam > , [that] the soul <05315 +nephesh > [be] without <03808 +lo> > knowledge <01847 +da<ath > , [it is] not good <02896 +towb > ; and he that hasteth <00213 +>uwts > with [his] feet <{07272} +regel > sinneth <02398 +chata> > .

07272 PRO 007 011 (She [is] loud <01993 +hamah > and stubborn <05637 +carar > ; her feet <{07272} +regel > abide <07937 +shakar > not in her house <01004 +bayith > :

07272 PRO 006 028 Can one <00376 +>iysh > go <01980 +hal ak > upon hot coals <01513 +gechel > , and his feet <{07272} +regel > not be burned <03554 +kavah > ?

07272 PRO 006 018 An heart <03820 +leb > that deviseth <02790 +charash > wicked <00205 +>aven > imaginations <04284 +machashabah > , feet <{07272} +regel > that be swift <04116 +mahar > in running <07323 +ruwts > to mischief <07451 +ra< > ,

07272 PRO 006 013 He winketh <07169 +qarats > with his eyes <05869 +<ayin > , he speaketh <04448 +malal > with his feet <{07272} +regel > , he teacheth <03384 +yarah > with his fingers <00676 +>etsba< > ;

07272 PRO 005 005 Her feet <{07272} +regel > go <03381 +yarad > down <03381 +yarad > to death <04194 +maveth > ; her steps <06806 +tsa<ad > take <08551 +tamak > hold <08551 +tamak > on hell <07585 +sh@>owl > .

07272 JER 002 025 Withhold <04513 +mana< > thy foot <{07272} +regel > from being unshod <03182 +yacheph > , and thy throat <01627 +garown > from thirst <06773 +tsim>ah > : but thou saidst <00559 +>amar > , There is no hope <02976 +ya>ash > : no <03808 +lo> > ; for I have loved <00157 +>ahab > strangers <02114 +zuwr > , and after <00310 +>achar > them will I go <03212 +yalak > .

07272 MAL 004 003 And ye shall tread <06072 +<acac > down the wicked <07563 +rasha< > ; for they shall be ashes <00665 +>epher > under <08478 +tachath > the soles <03709 +kaph > of your feet <{07272} +regel > in the day <03117 +yowm > that I shall do <06213 +<asah > [this] , saith <00559 +>amar > the LORD <03068 +Y@hovah > of hosts <06635 +tsaba> > .

07272 ZEC 014 012 And this <02063 +zo>th > shall be the plague <04046 +maggephah > wherewith <00834 +>aher > the LORD <03068 +Y@hovah > will smite <05062 +nagaph > all <03605 +kol > the people <05971 +<am > that have fought <06633 +tsaba> > against <05921 +<al > Jerusalem <03389 +Y@ruwshalaim > ; Their flesh <01320 +basar > shall consume <04743 +maqaq > away while they stand <05975 +<amad > upon their feet <{07272} +regel > , and their eyes <05869 +<ayin > shall consume <04743 +maqaq > away in their holes <02356 +chowr > , and their tongue <03956 +lashown > shall consume <04743 +maqaq > away in their mouth <06310 +peh > .

~~~~~

~~~~~